धनबाद
गुरूवार 14.05.2026
मूल्य- ₹ 2.50
वर्ष-32 अंक-81 पृष्ठ- 12
ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष-13
संवत 2083

झारखण्ड से प्रकाशित सर्वाधिक लोकप्रिय दैनिक

बिहार ऑबजर्वर

भारत की पहली स्वदेशी सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना को हरी झंडी

134 किमी लंबी अहमदाबाद-धोलेरा रेल लाइन से क्षेत्रीय विकास, रोजगार और तेज कनेक्टिविटी को मिलेगा बड़ा बढ़ावा

अहमदाबाद (ईएमएस): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने आज रेल मंत्रालय की अहमदाबाद (सरखेज) - धोलेरा सेमी हाई-स्पीड डबल लाइन रेलवे परियोजना को मंजूरी प्रदान कर दी। लगभग रु. २०,६६७ करोड़ की लागत वाली यह परियोजना भारतीय रेलवे की पहली स्वदेशी तकनीक आधारित सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना होगी।

करीब १३४ किलोमीटर लंबी यह नई रेलवे लाइन अहमदाबाद, धोलेरा स्पेशल इन्वेस्टमेंट रीजन (एसआईआर), आगामी धोलेरा एयरपोर्ट तथा लोथल राष्ट्रीय समुद्री विरासत परिसर को अत्याधुनिक रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। परियोजना के पूर्ण होने के बाद अहमदाबाद और धोलेरा के बीच यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी आएगी, जिससे यात्रियों के लिए दैनिक आवागमन और एक ही दिन में आने-जाने की सुविधा अधिक सहज एवं आरामदायक बनेगी।

रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस ऐतिहासिक निर्णय पर कहा कि अहमदाबाद-धोलेरा सेमी हाई-स्पीड रेल परियोजना भारत के रेलवे इतिहास में एक नई शुरुआत है। यह केवल एक रेल लाइन नहीं, बल्कि 'न्यू इंडिया' की आधुनिक, तेज और आत्मनिर्भर परिवहन व्यवस्था का प्रतीक है। स्वदेशी तकनीक पर आधारित यह परियोजना आने वाले वर्षों में देशभर में सेमी हाई-स्पीड रेल नेटवर्क विस्तार का आधार बनेगी।

अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वेद प्रकाश ने कहा कि यह परियोजना गुजरात के औद्योगिक एवं आर्थिक विकास को नई गति देगी। उन्होंने कहा: यह परियोजना अहमदाबाद एवं धोलेरा क्षेत्र को विश्वस्तरीय रेल कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। इससे यात्रियों को तेज, सुरक्षित एवं आधुनिक यात्रा सुविधा मिलेगी तथा क्षेत्र में रोजगार, उद्योग और लॉजिस्टिक्स सेक्टर को भी बड़ा लाभ होगा। इस इस परियोजना से धोलेरा और अहमदाबाद की दूरी १ घंटे से भी काम हो जाएगी और धोलेरा सीधे अहमदाबाद मुंबई हाई स्पीड रेल कॉरिडोर से जुड़ जाएगी।

परियोजना प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप तैयार की गई है, जिसका उद्देश्य मल्टी-मोडल कनेक्टिविटी एवं लॉजिस्टिक दक्षता को मजबूत करना है। इस परियोजना से लगभग २८४ गांवों एवं लगभग ५ लाख आबादी को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा।

भारतीय रेलवे के अनुसार यह परियोजना पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देगी। इससे लगभग ०.४८ करोड़ लीटर तेल की बचत होगी तथा लगभग २ करोड़ किलोग्राम सीओ२ उत्सर्जन में कमी आएगी, जो लगभग १० लाख पेड़ों के रोपण के बराबर पर्यावरणीय लाभ के समान है। परियोजना को वर्ष २०३०-३१ तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

प्रधानमंत्री की अपील का असर झारखंड में, राज्यपाल ने घटाई कारकेड की गाड़ियों की संख्या

रांची (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पेट्रोल-डीजल के बचत और ईंधन संरक्षण की अपील का असर अब झारखंड में भी देखने को मिल रहा है। इसी क्रम में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने बड़ा निर्णय लेते हुए अपने कारकेड में वाहनों की संख्या घटाने की घोषणा की है। राज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि प्रधानमंत्री की अपील से प्रेरित होकर उन्होंने लोक भवन, झारखंड में अपने कारकेड में शामिल वाहनों की संख्या घटाकर अब केवल ४ गाड़ियां करने का निर्णय लिया है।

जनप्रतिनिधियों और सरकारी पदाधिकारियों से भी अपील की

यह कदम ईंधन संरक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लिया गया है। उन्होंने सभी जनप्रतिनिधियों और सरकारी पदाधिकारियों से भी अपील की है कि वे अनावश्यक वाहनों के उपयोग से बचें और ऊर्जा संरक्षण के इस जन-जागरूकता अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाएं। राज्यपाल के इस निर्णय को प्रशासनिक स्तर पर एक सकारात्मक संदेश के रूप में देखा जा रहा है, जिससे ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा।

बंगाल में किसी भी धार्मिक स्थल, पूजा में तेज आवाज में नहीं बजेंगे लाउडस्पीकर

उल्लंघन बर्दाश्त नहीं, शुभेंदु सरकार ने पुलिस विभाग को दिए सख्त निर्देश

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल में सत्ता परिवर्तन के साथ ही लाउडस्पीकर के नियमों को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की गई हैं। शुभेंदु अधिकारी सरकार ने पुलिस विभाग को निर्देश दिया है कि किसी भी धार्मिक स्थल, पूजा या सार्वजनिक कार्यक्रम में हाईकोर्ट के मानकों का उल्लंघन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुलिस को निर्देश दिए कि वे सभी इलाकों में लाउडस्पीकर की आवाज की निगरानी करें। अगर कहीं भी तय डेसिबल से ऊंची आवाज में लाउडस्पीकर बजते पाए गए, तो प्रशासन उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करेगा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने पुलिस प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा है कि यह नियम सभी पर समान रूप से लागू होगा। चाहे मंदिर हो, मस्जिद, गुरुद्वारा हो या कोई अन्य धार्मिक आयोजन, ध्वनि प्रदूषण से जुड़े कानूनों का पालन हर हाल में करना होगा। राज्य में कानून-व्यवस्था और सार्वजनिक शांति बनाए रखने के लिए पुलिस को इन आदेशों को तत्काल प्रभाव से लागू करने के निर्देश दिए हैं।

बंगाल सरकार ने जिला प्रशासन को अवैध टोल वसूली पर भी सख्त कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। सरकार की तरफ से कहा गया है कि बंगाल के सभी जिलों में, जहां से वाहनों की आवाजाही होती है, ऐसे सभी टोल गेट, ड्रॉप गेट, बैरिकेड वाली संरचनाएं और चालू वसूली केंद्र, जिन्हें पश्चिम बंगाल सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अधिकृत नहीं किया है, उन्हें तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया जाएगा। संबंधित जिला मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिया गया है कि अपने अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत ऐसे अनधिकृत टोल और ड्रॉप गेटों की पहचान करें। उन्हें तत्काल बंद करने की कार्रवाई सुनिश्चित करें। उचित प्राधिकरण के बिना उन्हें दोबारा स्थापित होने से रोकने के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं।

भारत के पास 60 दिन का कच्चा तेल, 45 दिन का एलपीजी स्टॉक

मंत्री पुरी बोले- अफरा-तफरी मचाना बेकार, पीएम की बातें ध्यान से सुनें

नई दिल्ली (ईएमएस): केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि भारत के पास ६० दिन का कच्चा तेल, ६० दिन की एलएनजी और ४५ दिन की एलपीजी का स्टॉक है। सप्लाई के मामले में कोई दिक्कत नहीं है। पुरी ने दिल्ली में आयोजित सीआईआई एनुअल बिजनेस समिट में पीएम मोदी की बचत की अपील का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पीएम ने दो दिन पहले जो बातें कही हैं। उसको लेकर अफरा-तफरी मचाना बेकार है। पीएम की बातों को ध्यान से सुनें। उसका मनगढ़ंत मतलब न निकालें।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पीएम मोदी लगातार दो दिन लोगों से ईंधन और संसाधनों का कम इस्तेमाल करने की अपील कर चुके हैं। उन्होंने कहा कि जहां संभव हो पेट्रोल डीजल का इस्तेमाल कम करें और मेट्रो, इलेक्ट्रिक बस और पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करें। विदेशी यात्राओं से बचें। हरदीप पुरी ने समिट में कहा कि सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के कारण ऊर्जा सप्लाई में आई रुकावटों को बोझ आम जनता पर पड़ने नहीं दिया है। तेल कंपनियों को हर दिन १,००० करोड़ रुपए का नुकसान हो रहा है, तो घाटा १,९८,००० करोड़ रुपए तक पहुंचने वाला है।

18 इंच की असाधारण छात्रा ने पास की 10वीं परीक्षा

भुवनेश्वर (ईएमएस): ओडिशा के ढेंकानाल की १४ वर्षीय सुनीता नायक ने शारीरिक विकृतियों और महज १८ इंच कद होने के बावजूद १०वीं परीक्षा पास कर प्रेरणा पेश की है। सुनीता ने ६०० में ३०९ अंक हासिल किए। लिखने में असमर्थ होने पर उनके भाई ने उत्तर लिखे। कठिन परिस्थितियों के बावजूद सुनीता उच्च शिक्षा जारी रखना चाहती हैं।

20 मई को दवा विक्रेताओं की राष्ट्रव्यापी हड़ताल

नई दिल्ली (ईएमएस): ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स ने २० मई को देशभर में एक दिन की हड़ताल का ऐलान किया है। संगठन के अनुसार, ई-फार्मेसी कंपनियों द्वारा भारी छूट पर दवाओं की बिक्री से मेडिकल स्टोर कारोबार प्रभावित हो रहा है। दवा विक्रेताओं ने बिना जांच और फर्जी पर्चों पर दवा बिक्री का भी आरोप लगाया है। एंटीबायोटिक और नशीली दवाओं की आसान उपलब्धता पर चिंता जताते हुए ई-फार्मेसी से जुड़ी अधिसूचनाएं वापस लेने की मांग की गई है। संगठन ने चेतावनी दी है कि मांगें नहीं मानी गईं तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। इस हड़ताल का असर भोपाल सहित कई शहरों में देखने को मिल सकता है।

क्लीन पॉलिटिक्स करने वाले अब डर्टी पॉलिटिक्स करने पर उतारु : स्टालिन

चेन्नई (ईएमएस): तमिलनाडु की राजनीति में विश्वास मत के बाद नया सियासी घमासान छिड़ गया है। पूर्व मुख्यमंत्री और द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) के प्रमुख एमके स्टालिन ने तमिलगा वेट्री कझगम (टीवीके) सरकार पर गंदी राजनीति (डर्टी पॉलिटिक्स) करने का गंभीर आरोप लगा दिया है। डीएमके नेता स्टालिन ने कहा कि डीएमके ने पहले ही यह रुख अपना लिया था कि वह टीवीके सरकार के गठन या उसके बने रहने में कोई बाधा नहीं डालेगी। इसी के तहत डीएमके विधायकों ने विश्वास मत का बहिष्कार किया और सदन से वॉकआउट कर गए। स्टालिन ने बताया कि विधानसभा में उनके गठबंधन सहयोगियों प्रेमलता विजयकांत, प्रोफेसर जवाहरुल्लाह, थमिमुन अंसारी और नित्यानंदन ने भी सदन से वॉकआउट कर उनका साथ दिया। वहीं, सीपीआई, सीपीआई (एम), आईयूएमएल और वीसीके जैसे सहयोगी दलों ने राष्ट्रपति शासन की संभावना को रोकने के लिए सरकार के पक्ष में मतदान किया, जिसके लिए स्टालिन ने दोनों निर्णयों का सम्मान व्यक्त किया। हालांकि, स्टालिन ने आरोप लगाया कि अब टीवीके सरकार उन लोगों का भरोसा तोड़ रही है, जिन्होंने सरकार बनने की मदद की।

मणिपुर में चर्च नेताओं की हत्या: हिंसा, तनाव और राष्ट्रीय राजमार्ग बंद

इंफाल (ईएमएस): मणिपुर के कांगपोकपी जिले में बुधवार को थाडौ बैपटिस्ट एसोसिएशन (टीबीए) के तीन चर्च नेताओं की अज्ञात हथियारबंद लोगों द्वारा गोली मारकर हत्या की गई, जिससे पूरे इलाके में गहरा तनाव और दहशत फैल गई है। इस बर्बर हमले में पांच अन्य लोग घायल भी हुए हैं, जिनका इलाज अस्पताल में जारी है।

मृतकों की पहचान मणिपुर बैपटिस्ट कन्वेंशन (एमबीसी) के पूर्व महासचिव रेव. वी. सितल्होउ, रेव. वी. कैगौलुन और पास्टर पाओगौलेन के रूप में हुई है। घायल हुए लोगों में रेव. एसएम हाओपु, रेव. हेकाई सिमटे, रेव. पाओथांग और दो ड्राइवर लेलें व गौमांग शामिल हैं। ये सभी चुराचांदपुर जिले के लमका में आयोजित टीबीए सम्मेलन से दो वाहनों में कांगपोकपी लौट रहे थे, तभी कोतजिम और कोतलेन इलाकों के बीच उन पर अचानक फायरिंग की गई, जिसमें तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस जघन्य वारदात के बाद गुस्साए लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग-२ (एनएच-२) को पत्थर और लकड़ियां लगाकर अवरुद्ध कर दिया।

केरलम सीएम के नाम की घोषणा आज!

नई दिल्ली (ईएमएस): केरलम में मुख्यमंत्री बनाने के लिए कांग्रेस आलाकमान बैठकें और बातचीत लगातार कर रहा है। सरकार बनाने का मौका मिलने के बाद भी कांग्रेस नेतृत्व अब तक फैसला नहीं ले पाया है। हालांकि, जयराम रमेश इस मुद्दे पर कह रहे हैं कि गुरुवार को सीएम के नाम की घोषणा कर दी जाएगी।

मुख्यमंत्री पद की रेस में कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल शुरू से ही सबसे आगे बताए जा रहे हैं, जबकि वीडी सतीशन उनके रास्ते में बड़ी चुनौती बने हुए हैं। एक छोर पर केरल में कांग्रेस के सीनियर नेता रमेश चेन्नीथला भी डटे हुए हैं।

कुछ मसले ऐसे होते हैं जिनमें फैसला लेना मुश्किल होता है। केरल में मुख्यमंत्री चुने जाने के मामले में भी ऐसा ही लगता है। मामला पसंद-नापसंद का अपनी जगह है, स्थानीय समीकरणों में उसे फिट करने का चैलेंज अलग से है।

वीडी सतीशन को मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर केरल में प्रदर्शन हो रहे हैं, जिस पर राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे कड़ी नाराजगी जता चुके हैं - लेकिन, अब वायनाड में जो धमकी भरे पोस्टर देखे गए हैं, हालात की गंभीरता की तरफ इशारा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री उम्मीदवार को लेकर केरलम में विधायकों की राय जानने के लिए सीनियर नेताओं अजय माकन और मुकुल वासनिक को पर्यविक्षक बनाकर भेजा गया था।

पुंछ में एक आतंकी ढेर, किश्तवाड़ में आतंकी मददगार शिक्षक गिरफ्तार

पुंछ,(ईएमएस): जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद विरोधी कार्रवाई लगातार जारी है। बुधवार को भारतीय सेना ने पुंछ के कृष्णा घाटी सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर घुसपैठ की कोशिश कर रहे एक पाकिस्तानी आतंकी को ढेर कर दिया, जबकि एक अन्य घायल हुआ। ढेर हुए आतंकी के पास से आईईडी से जुड़ा सामान बरामद हुआ है। इस बीच, सुरक्षा एजेंसियों ने किश्तवाड़ जिले से जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों को पनाह, खाना और अन्य मदद पहुंचाने के आरोप में सरकारी स्कूल शिक्षक सहित दो लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शिक्षक की पहचान मशकूर अहमद के रूप में हुई है, जो इंदरवाल के एक सरकारी स्कूल में कार्यरत है।

सीएम सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट रखी पास, नंदीग्राम छोड़ी

इसी सीट से ममता बनर्जी को हराया

कोलकाता (ईएमएस): पश्चिम बंगाल विधानसभा में बुधवार को नवनिर्वाचित विधायकों ने पद और गोपनीयता की शपथ ली। इस दौरान मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट अपने पास रखी और नंदीग्राम सीट छोड़ने का फैसला किया। सुवेंदु ने भवानीपुर सीट पर ममता बनर्जी को हराया है।

शपथ लेने के बाद सीएम सुवेंदु ने पुलिस विभाग के अधिकारियों के साथ अपनी पहली बैठक की। इसमें निर्देश दिया कि राज्य में सभी धार्मिक स्थलों पर तेज आवाज वाले लाउडस्पीकर का उपयोग नहीं होगा। नियम नहीं मानने पर हाईकोर्ट के आदेश का उल्लंघन माना जाएगा। वहीं भाजपा सांसद राहुल सिन्हा ने कहा लाउडस्पीकर पर रोक का आदेश ममता बनर्जी की सरकार के दौरान हाईकोर्ट ने दिया था, लेकिन ममता की सरकार में धार्मिक गतिविधियों के लिए माइक पर कोई रोक नहीं थी। बंगाल सरकार ने महिला सुरक्षा और राज्य में चुनाव के बाद होने वाली हिंसा, गुंडागर्दी व रंगदारी पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाने का निर्देश दिया है। महिलाओं के खिलाफ हुए अपराध, खासकर २०२१ और २०२४ के चुनाव के बाद दर्ज हुए रेप, रेप के प्रयास और छेड़छाड़ के मामलों को फिर से खोला जाएगा। जरूरत पड़ने पर २०२१ की हिंसा की उन शिकायतों की फिर से जांच होगी, जो केवल जनरल डायरी में दर्ज की गई थीं।

पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल ने बिना सरकारी मंजूरी चल रहे सभी टोल गेट, ड्रॉप गेट और बैरिकेड को बंद करने का आदेश दिया। सभी जिला प्रशासन अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में अवैध वसूली केंद्रों की पहचान कर उन्हें तुरंत हटाने के आदेश दिए। साथ ही राज्य के सभी वैध और अवैध टोल केंद्रों की सूची तैयार कर १५ मई दोपहर १२ बजे कर अंडर सेक्रेटरी को सौंपने के आदेश दिए।

झारक्राफ्ट इम्पोरियम कारीगरों के सपनों और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा : उद्योग मंत्री

रांची (एजेंसी): बुधवार को झारक्राफ्ट के नए इम्पोरियम का उद्घाटन पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में किया गया। इस अवसर पर राज्य के उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने कहा कि यह इम्पोरियम झारखंड के हजारों कारीगरों के सपनों, मेहनत और आत्मविश्वास का प्रतीक बनेगा।

उन्होंने कहा कि झारक्राफ्ट लगातार राज्य के कारीगरों, बुनकरों और ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस पहल से ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा मिलेगा और महिला सशक्तिकरण को नई मजबूती मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि झारखंड अपनी प्राकृतिक संपदा के साथ-साथ समृद्ध हस्तशिल्प, हथकरघा, तसर सिल्क, डोकरा कला, बाँस एवं लकड़ी के शिल्प और जनजातीय संस्कृति के लिए पूरे देश में विशेष पहचान रखता है।

इस अवसर पर उद्योग सचिव अरवा राजकमल ने कहा कि कोलकाता कला, साहित्य और संस्कृति का प्रमुख केंद्र रहा है। ऐसे शहर में झारक्राफ्ट के इस नए इम्पोरियम की स्थापना दो राज्यों की सांस्कृतिक विरासत को जोड़ने का कार्य करेगी।

झारक्राफ्ट की प्रबंध निदेशक गरिमा सिंह ने कहा कि कोलकाता में शुरू हुआ यह नया इम्पोरियम लोगों के बीच विशेष लोकप्रियता हासिल करेगा और झारखंड की कला एवं संस्कृति को नई पहचान दिलाएगा। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में देश के अन्य महानगरों में भी झारक्राफ्ट के नए इम्पोरियम खोलने का प्रयास किया जाएगा।

संपादकीय

नई सुरक्षा चुनौतीः चीन-पाक गठबंधन

आखिरकार चीन ने दुनिया के सामने यह सच कबूल लिया है कि पिछले वर्ष भारत के 'आपरेशन सिंदूर' के दौरान उसने पाकिस्तान की सहायता की थी। यह पहली बार है, जब चीन ने इस संघर्ष में अपनी प्रत्यक्ष भूमिका स्वीकार की है। हालांकि भारत ने संघर्ष विराम के बाद विश्वास के साथ यह दावा किया था और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस तरह के खुलासे हुए थे, लेकिन चीन ने अब तक इन्हें खारिज कर दिया था।

दरअसल, चीन वैश्विक जगत को यह दिखाने की कोशिश कर रहा था कि भारत-पाक संघर्ष के दौरान उसकी भूमिका एक तटस्थ देश की रही है। मगर, चीन और पाकिस्तान की नजदीकियां किसी से छिपी नहीं हैं। अब चीन की इस स्वीकारोक्ति से यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में भारत को सुरक्षा के मोर्चे पर एक साथ कई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है और इसी लिहाज से अपनी रक्षा नीतियां, कूटनीति और रणनीति तैयार करनी होंगी।

पिछले कुछ समय से ऊपरी तौर पर चीन का रुख भले ही भारत को लेकर आक्रामक न रहा हो, लेकिन वैश्विक स्तर पर उसकी छवि एक ऐसे देश की है, जिस पर पूरी तरह भरोसा नहीं किया जा सकता।

गौरतलब है कि पिछले वर्ष 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। इसके जवाब में भारत ने 'आपरेशन सिंदूर' चलाकर सीमा पार आतंकियों के कई ठिकानों पर हमला किया था। इस कार्रवाई में सौ से ज्यादा आतंकियों के मारे जाने की खबर आई थी।

भारत के उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल

राहुल आर सिंह ने पिछले साल जुलाई में यह दावा किया था कि चीन ने इस संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी मदद प्रदान की थी। भारत की सैन्य तैनाती की निगरानी के लिए उसने अपने उपग्रहों का भी इस्तेमाल किया था। तब चीन ने इस दावे को खारिज कर दिया था। मगर बीते गुरुवार को चीन के विमानन उद्योग निगम के चेंगदू वायुयान डिजाइन एवं अनुसंधान संस्थान के एक वरिष्ठ इंजीनियर ने मीडिया से एक साक्षात्कार में माना कि आपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान को प्रौद्योगिकी मदद प्रदान की गई थी।

दरअसल, पाकिस्तान की वायुसेना के पास चीन निर्मित जे-10सीई लड़ाकू विमानों का बेड़ा है, जिनका उत्पादन चीन के विमानन उद्योग निगम की एक सहायक कंपनी द्वारा किया जाता है। खबरों के मुताबिक, चीन ने भारत-पाक संघर्ष को अपने लड़ाकू विमानों की क्षमता को परखने की एक प्रयोगशाला की तरह लिया और पाकिस्तान को तकनीकी मदद मुहैया कराई।

साफ है कि चीन और पाकिस्तान का रक्षा सहयोग अब केवल हथियारों की आपूर्ति तक सीमित नहीं रह गया है। पाकिस्तान के जरिए चीन अपने आधुनिक हथियारों और निगरानी प्रणालियों का वास्तविक युद्ध स्थितियों में परीक्षण कर रहा है।

चीन की यह स्वीकारोक्ति ऐसे समय में सामने आई है, जब वह पाकिस्तान को अपना जे-35 बमवर्षक विमान बेचने की योजना बना रहा है। ऐसे में चीन के इस कबूलनामे को अपने लड़ाकू विमानों को पूरी तरह सक्षम दिखाने और उन्हें सैन्य हथियारों के बाजार में ज्यादा प्रतिस्पर्धी बनाने की रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। बहरहाल, चीन की चालबाजी से यह साफ है कि भारत को भविष्य में संघर्ष की स्थिति में और अधिक सतर्क रहना होगा। साथ ही भारत को चीन के नापाक इरादों को कूटनीति के जरिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से उठाना चाहिए।

पटना में विद्यार्थियों पर लाठी, सवालों पर खामोशी

बिहार के पटना में विद्यार्थियों के प्रदर्शन के दौरान राज्य की पुलिस का जैसा रवैया सामने आया है, उसे आम जनता के लोकतांत्रिक अधिकारों के तहत किसी मसले पर सरकार से विचार की मांग के स्वर का दमन करने की तरह देखा जा सकता है। सवाल है कि अगर नागरिकों के सामने अपनी किसी मांग के लिए आंदोलन या प्रदर्शन करने के अलावा कोई विकल्प नहीं रह जाता है, तो संवाद के जरिए उनकी समस्या का समाधान करने या कोई रास्ता निकालने की कोशिश की जाएगी या उन्हें चुप कराने के लिए सीधे लाठी-डंडे का सहारा लिया जाएगा? हैरानी की बात है कि शिक्षक भर्ती से संबंधित प्रक्रिया में लगातार देरी और टालमटोल से परेशान विद्यार्थियों ने जब पटना में विरोध प्रदर्शन करने की कोशिश की, तो उनकी मांगों पर विचार करने के बजाय उन पर लाठी चार्ज किया गया और महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया। अगर उन्हें रोकना भी था, तो पानी की बौछार या कोई अन्य उपाय करने के बजाय बेहरमी से उन पर लाठियां चलाना ही अकेला उपाय क्यों माना गया? राज्य की पुलिस के इस रवैये को क्या किसी भी तरह से प्रदर्शनकारियों के प्रति एक लोकतांत्रिक शासन की प्रतिक्रिया कहा जा सकता है? अगर नागरिकों के किसी हिस्से को सरकार से अपने अधिकार या अन्य मांग करने से इस तरह रोका जाएगा, तो उसमें नागरिक अधिकारों की क्या जगह रह जाएगी? आखिर क्या वजह है कि विद्यार्थियों के सामने शिक्षक भर्ती को लेकर गुमराह करने का आरोप लगाने की नौबत आई है? यह कोई पहला मौका नहीं है जब किसी आंदोलन या प्रदर्शन को लेकर सरकार का यह रुख सामने आया है। इससे पहले भी कई बार विद्यार्थियों और अन्य नागरिक समूहों ने अलग-अलग मुद्दे पर प्रदर्शन किया है, लेकिन उनकी मांगों पर विचार या बातचीत करने के बजाय उन्हें चुप करने और भगाने के लिए लाठी चार्ज का सहारा लिया गया। अफसोसनाक यह है कि बिहार में जो पार्टियां फिलहाल सत्ता में हैं, उन्होंने एक समय जनता की उपेक्षा किए जाने को ही मुद्दा बनाया था। हकीकत यह है कि आंदोलनों या प्रदर्शन के प्रति पिछले कुछ वर्षों से राज्य सरकार का जो रवैया है, उससे लोकतंत्र और नागरिक अधिकारों के लिए जगह सिमट रही है।

आज का कार्टून

होर्मुज की बारूदी लड़ाई और डाल्फिनों का सैन्य इस्तेमाल

अमेरिकी नौसेना का डाल्फिन कार्यक्रम 1959 से चल रहा है, जिसका मकसद 'बाटल-नोज डाल्फिन' और 'कैलिफोर्निया सी लायन्स' को पानी के नीचे की चीजों का पता लगाने और उन्हें वापस लाने का प्रशिक्षण देना है। 'मरीन मैमल प्रोग्राम' के वेबपेज के मुताबिक, 'प्रशिक्षित डाल्फिन के पास सबसे उन्नत 'सोनार' होता है। पानी के नीचे चलने वाले ड्रोन इन जीवों का मुकाबला नहीं कर सकते'। यह भी एक तथ्य है कि डाल्फिन और समुद्री शेरों, दोनों की कम रोशनी में देखने की क्षमता और पानी के भीतर दिशात्मक श्रवण शक्ति उत्कृष्ट होती है, जिससे वे अंधेरे या धुंधले पानी में भी पानी के नीचे के लक्ष्यों का पता लगा सकते हैं और उनका पीछा कर सकते हैं। डाल्फिन को पानी के नीचे बिछी उन खानों का पता लगाने और उनके स्थान को चिह्नित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जो सैन्य या नागरिक जहाजों पर सवार लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं।

पुष्परंजन

होर्मुज जलमार्ग में ईरान द्वारा बिछाई बारूदी सुरंगों की खोज और उन्हें निष्क्रिय करने में अमेरिका क्या 'कामिकाजे डाल्फिन' का इस्तेमाल कर रहा है? हाल ही में अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से जब यह पूछा गया, तो वे चुप लगा गए और सिर्फ इतना बोल सके कि 'न तो हम इसकी पुष्टि करेंगे और न ही इससे इनकार करेंगे कि हमारे पास कामिकाजे डाल्फिन हैं।' होर्मुज में ईरान भी 'कामिकाजे डाल्फिन' का इस्तेमाल कर सकता है। इस मामले में ईरान का सैन्य सहयोगी रूस उसके साथ खड़ा है।

दरअसल, 'कामिकाजे' द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान जापानी पायलट थे, जो अपने विमानों को मित्र देशों के युद्धपोतों से टकराकर आत्मघाती हमले करते थे। शीत युद्ध के दौरान, सोवियत नौसेना ने समुद्री जीवों से जुड़े कई कार्यक्रम शुरू किए थे, जिनमें काला सागर में डाल्फिन को प्रशिक्षण देना भी शामिल था। यह इकाई सेवस्तोपोल के पास 'कजाच्या बुख्ता' में स्थित थी और आज भी वहीं मौजूद है। मौजूदा दौर में चूंकि ईरान की मदद रूस अप्रत्यक्ष रूप से कर रहा है, इसलिए उस पर अमेरिकी एजेंसियों को शक होना लाजिमी है।

डाल्फिन ही एकमात्र समुद्री जीव नहीं हैं, जिन्हें रूस ने प्रशिक्षण दिया हो। वर्ष 2019 में नार्वे के तट पर देखी गई एक बेलुगा ह्वेल के बारे में माना गया था कि उसे रूसी नौसेना ने प्रशिक्षण दिया था। मछुआरों का कहना था कि बेलुगा ह्वेल ने अजीब तरह की 'हार्नेस' पहन रखी थी, जिसमें शायद कैमरे लगे थे और वह उनकी नावों से बंधी पट्टियों और रस्सियों को खींच रही थी।

अमेरिकी नौसेना के पास भी बारूदी सुरंगों का पता लगाने में मदद के लिए डाल्फिन को प्रशिक्षित करने का एक कार्यक्रम दशकों पुराना है। मनुष्यों का आंतरिक बुद्धिमत्ता स्तर यानी आइक्यू 7.4 के साथ सबसे अधिक है, लेकिन बाटल-नेक डाल्फिन की आंतरिक बुद्धिमत्ता स्तर 5.3 है, जो अन्य सभी जीवों की तुलना में काफी अधिक है।

'कैलिफोर्निया सी लायन' भी कम नहीं है, जिसने बुद्धिमत्ता परीक्षण में इंसानों को पीछे छोड़ा है। कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांताक्रूज प्रयोगशाला के वैज्ञानिकों ने इस सील प्रजाति वाली मछली के परीक्षण के लिए कई परीक्षण-प्रारूप तैयार किए थे। आखिर डाल्फिन के साथ-साथ 'कैलिफोर्निया सी लायन' को भी नौसैनिक अभियानों और जल खुफियागिरी जैसे कार्यों के लिए चुना गया।

अमेरिका का 'मरीन मैमल प्रोग्राम' प्रशांत महासागर में अवस्थित 'नेवल इन्फार्मेशन वारफेयर सेंटर' का अहम हिस्सा है। वे शायद झूठ बोलते हैं कि इस महकमे की डाल्फिन 'कामिकाजे डाल्फिन' नहीं हैं, क्योंकि वे बारूदी सुरंगों को उड़ाने के लिए अपनी जान की कुर्बानी नहीं देती हैं। इसके बजाय उनका मुख्य काम बारूदी सुरंगों का पता लगाना है।

फौजी मकसद के लिए डाल्फिन का इस्तेमाल करने वाला अमेरिका अकेला देश नहीं है। रूस ने भी अपने बंदरगाहों की रखवाली के लिए इनका इस्तेमाल किया है। ईरान ने साल 2000 में रूस से डाल्फिन खरीदी थी। वे प्रशिक्षित डाल्फिन शायद बहुत बूढ़ी हो चुकी होंगी। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि ईरान के पास कोई

सक्रिय डाल्फिन कार्यक्रम है।

हालांकि 'वाल स्ट्रीट जर्नल' ने पिछले महीने एक खबर दी थी कि ईरान होर्मुज जलमार्ग को खोलने की अमेरिकी कोशिशों का मुकाबला करने के लिए बारूदी सुरंगें ले जाने वाली डाल्फिन के इस्तेमाल पर विचार कर रहा था।

अमेरिकी नौसेना का डाल्फिन कार्यक्रम 1959 से चल रहा है, जिसका मकसद 'बाटल-नोज डाल्फिन' और 'कैलिफोर्निया सी लायन्स' को पानी के नीचे की चीजों का पता लगाने और उन्हें वापस लाने का प्रशिक्षण देना है। 'मरीन मैमल प्रोग्राम' के वेबपेज के मुताबिक, 'प्रशिक्षित डाल्फिन के पास सबसे उन्नत 'सोनार' होता है। पानी के नीचे चलने वाले ड्रोन इन जीवों का मुकाबला नहीं कर सकते'।

यह भी एक तथ्य है कि डाल्फिन और समुद्री शेरों, दोनों की कम रोशनी में देखने की क्षमता और पानी के भीतर दिशात्मक श्रवण शक्ति उत्कृष्ट होती है, जिससे वे अंधेरे या धुंधले पानी में भी पानी के नीचे के लक्ष्यों का पता लगा सकते हैं और उनका पीछा कर सकते हैं। डाल्फिन को पानी के नीचे बिछी उन खानों का पता लगाने और उनके स्थान को चिह्नित करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है, जो सैन्य या नागरिक जहाजों पर सवार लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं।

समुद्र में बारूदी सुरंगों का पता लगाने वाले अभियान के दौरान एक डाल्फिन आमतौर पर एक छोटी नाव में दो-तीन प्रशिक्षकों के साथ यात्रा करती है। कुछ मिलने पर ये जीव नाव के आगे वाले चप्पू को थपथपाते हैं और कुछ न मिलने पर पीछे वाले चप्पू को थपथपाते हैं। डाल्फिन खोजी गई खानों के पास 'मार्कर बुआ' छोड़ती हैं, ताकि मानव गोताखोर उन्हें ढूंढ़कर निष्क्रिय कर सकें, लेकिन डाल्फिन का उपयोग आमतौर पर होर्मुज जलमार्ग में मौजूद सक्रिय युद्ध जैसी स्थिति में नहीं किया जाता है।

इसके बजाय डाल्फिन का उपयोग लड़ाई समाप्त होने के बाद बारूदी सुरंगों का पता लगाने के लिए किया जा सकता है। इस संदर्भ में विशेष रूप से 2003 की उस घटना का उल्लेख किया जाता है, जब अमेरिका और उसके सहयोगी देशों द्वारा दक्षिणी इराक पर कब्जा करने के बाद इराकी बंदरगाह 'उम कसर' की ओर जाने वाली किसी भी बारूदी सुरंग का पता लगाने के लिए डाल्फिन को तैनात किया गया था।

सैन्य उद्देश्यों के लिए डाल्फिन को प्रशिक्षित करने का रूसी इतिहास जबरदस्त रहा है। 1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद यह इकाई यूक्रेन की सेना के अधीन चली गई। 'सेवस्तोपोल कार्यक्रम' को 2012 में यूक्रेनी नौसेना द्वारा फिर से शुरू किया गया था। यूक्रेन ने सेवस्तोपोल के पास एक एक्वेरियम में डाल्फिन को प्रशिक्षित किया था। यह कार्यक्रम सोवियत-युग की एक योजना से प्रेरित था, जो 1990 के दशक में उपेक्षा का शिकार हो गया था।

सेवस्तोपोल नौसैनिक अड्डा रूसी सेना के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह क्रीमिया के दक्षिणी छोर पर स्थित है, जिस पर मास्को ने 2014 में कब्जा कर लिया था। यूक्रेन ने इन जीवों को वापस करने की मांग की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। दो साल बाद रूसी नौसेना ने पांच और डाल्फिन खरीदने की योजना की घोषणा की। यह स्पष्ट नहीं है कि आज सेवस्तोपोल में मौजूद मानी जाने वाली डाल्फिन वही हैं या नहीं। वर्ष 2018 की उपग्रह तस्वीरों से पता चला कि रूस ने सीरियाई युद्ध के दौरान सीरिया के टार्टस में अपने नौसैनिक अड्डे पर भी डाल्फिन का इस्तेमाल किया था।

इस मसले पर सबसे अफसोसनाक है कि महाशक्तियों ने अपनी युद्ध महत्त्वाकांक्षा के लिए मछलियों को भी नहीं बख्शा। इसे रोकने के लिए दुनिया के देश आगे क्यों नहीं आते? हालांकि पशु कल्याण संगठनों ने हमेशा सैन्य उद्देश्यों के लिए जानवरों के उपयोग पर चिंता जताई है, लेकिन यह विरोध आमतौर पर युद्ध के समय अन्य चिंता के कारण दब जाता है। अक्सर इन जीवों के सैन्य उपयोग से संबंधित जानकारी गोपनीय होती है, जिसके कारण सार्वजनिक विरोध का दायरा सीमित हो जाता है।

उपलब्धि के दावों के बीच क्या सचमुच हो रहा खादी का विस्तार?

जो वस्त्र कभी किसान और मजदूर की पहचान था, वह अब एक विशेष वर्ग का परिधान बनता दिखता है. यह बदलाव केवल उपभोग का नहीं, बल्कि सामाजिक चरित्र का भी संकेत है. इसका प्रभाव खादी की संस्थागत संरचना पर भी पड़ा है. देश भर में सैकड़ों खादी संस्थाएं दशकों से इस परंपरा को जीवित रखे हुए थीं. ये संस्थाएं केवल उत्पादन केंद्र नहीं थीं, बल्कि ग्रामीण समाज के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का आधार थीं. आज इन संस्थाओं की स्थिति चिंताजनक है. कई संस्थाएं वित्तीय संकट से जूझ रही हैं. कच्चे माल की लागत बढ़ी है, भुगतान में देरी होती है, और कार्यशील पूंजी का अभाव उत्पादन को सीमित करता है.

कुमार सिद्धार्थ

खादी इन दिनों फिर चर्चा में है. उपलब्धियों के दावे हैं, बढ़ते कारोबार के आंकड़े हैं, और एक नई चमक भी है. लेकिन इसी चमक के बीच एक असहज प्रश्न लगातार उपस्थित है, क्या यह विकास खादी का है या खादी के नाम पर विस्तृत होते बाजार का? पिछले वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग के विस्तार को एक बड़ी आर्थिक सफलता के रूप में प्रस्तुत किया गया है.

वर्ष 2024-25 का कुल कारोबार 1.70 लाख करोड़ रुपए के पार पहुंच चुका है. उत्पादन, बिक्री और रोजगार में उल्लेखनीय वृद्धि के दावे किए गए हैं. यह तस्वीर प्रभावशाली है. परंतु जब हम इन आंकड़ों की तह में जाते हैं, तो एक अलग यथार्थ सामने आता है. कुल कारोबार में खादी वस्त्रों की हिस्सेदारी लगभग 7,145 करोड़ रुपए है यानी करीब 4 प्रतिशत.

शेष 96 प्रतिशत हिस्सा ग्रामोद्योग की अन्य गतिविधियों का है. यहां से प्रश्न उठता है कि क्या हम खादी की सफलता का उत्सव मना रहे हैं या ग्रामोद्योग के विस्तार को खादी के नाम से देख रहे हैं? खादी अब सस्ती और सर्वसुलभ नहीं रही. उसकी कीमतें बढ़ गई हैं. आम उपभोक्ता के लिए उनकी पहुंच से दूर

होती जा रही है.

जो वस्त्र कभी किसान और मजदूर की पहचान था, वह अब एक विशेष वर्ग का परिधान बनता दिखता है. यह बदलाव केवल उपभोग का नहीं, बल्कि सामाजिक चरित्र का भी संकेत है. इसका प्रभाव खादी की संस्थागत संरचना पर भी पड़ा है. देश भर में सैकड़ों खादी संस्थाएं दशकों से इस परंपरा को जीवित रखे हुए थीं.

ये संस्थाएं केवल उत्पादन केंद्र नहीं थीं, बल्कि ग्रामीण समाज के लिए रोजगार और आत्मनिर्भरता का आधार थीं. आज इन संस्थाओं की स्थिति चिंताजनक है. कई संस्थाएं वित्तीय संकट से जूझ रही हैं. कच्चे माल की लागत बढ़ी है, भुगतान में देरी होती है, और कार्यशील पूंजी का अभाव उत्पादन को सीमित करता है. सरकारी योजनाएं मौजूद हैं, पर उनकी प्रक्रिया जटिल है.

समय पर सहायता न मिलने से संस्थाओं की आर्थिक स्थिति कमजोर होती है. आंकड़ों में रोजगार का आंकड़ा लगभग 1.94 करोड़ बताया जाता है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं कि इनमें कितने लोग स्थायी और पूर्णकालिक रोजगार में हैं. बड़ी संख्या असंगठित और अंशकालिक हो सकती है. कारीगर की आय आज भी अनिश्चित और सीमित है.

कई बुनकर और कत्तिन नियमित और पर्याप्त आय से वंचित हैं. यहीं खादी की सफलता का दावा कमजोर पड़ता है. यदि उत्पादन बढ़ता है, बिक्री बढ़ती है, पर कारीगर की स्थिति नहीं बदलती, तो यह विकास अधूरा है. इसी संदर्भ में सूत उत्पादन और चरखों की स्थिति पर भी ध्यान देना जरूरी है. खादी की पूरी प्रक्रिया की शुरुआत सूत कातने से होती है.

चरखा इस व्यवस्था की मूल इकाई है. लेकिन आज कई क्षेत्रों में चरखे या तो कम हो गए हैं या निष्क्रिय पड़े हैं. हाथ से काते सूत की जगह मशीन निर्मित धागे का उपयोग बढ़ रहा है. इससे खादी की मूल पहचान प्रभावित होती है. एक और गंभीर चुनौती खादी की पहचान को लेकर है. बाजार में 'खादी लुक' और 'हैंडस्पन स्टाइल' जैसे शब्दों के साथ मशीन निर्मित कपड़े बेचे जा रहे हैं.

इससे उपभोक्ता भ्रमित होता है और असली खादी को नुकसान होता है. पारंपरिक खादी संस्थाएं इस दोहरी मार का सामना कर रही हैं एक ओर बाजार की प्रतिस्पर्धा, दूसरी ओर पहचान का संकट. खादी की सफलता की असली कसौटी यह नहीं है कि उसका कारोबार कितना बढ़ा. असली कसौटी यह है कि क्या उसने गांवों में स्थायी रोजगार पैदा किया, क्या उसने कारीगर को सम्मानजनक जीवन दिया,

और क्या उसने आत्मनिर्भरता के उस विचार को मजबूत किया, जिसकी नींव गांधीजी ने रखी थी. यदि खादी वस्त्र कुल कारोबार का केवल 4 प्रतिशत है, तो यह संकेत है कि खादी का मूल क्षेत्र अभी भी कमजोर है. इसलिए आवश्यक है कि खादी और ग्रामोद्योग के बीच स्पष्ट अंतर समझा जाए.

दोनों का विकास जरूरी है, पर उन्हें एक-दूसरे का पर्याय मानना खादी के विचार के साथ न्याय नहीं करता. नीतिगत स्तर पर खादी संस्थाओं को केंद्र में रखना होगा. वित्तीय सहायता को सरल और समयबद्ध बनाना होगा. पारंपरिक कारीगरों को बाजार से जोड़ने के लिए ठोस उपाय करने होंगे.

कोयला व खान राज्य मंत्री ईरिक्शा के लाभार्थियों को चाभी सौंपी

धनबाद (कासं) : कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे अपने तीनदिवसीय झारखंड दौरे के तहत धनबाद पहुंचे। कोयलांचल आगमन पर उन्होंने अपने दौरे की शुरुआत बेलगढ़िया टाउनशिप के निरीक्षण से की, जिसके पश्चात उन्होंने कोयला भवन मुख्यालय में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की।

राज्य मंत्री ने सर्वप्रथम बेलगढ़िया टाउनशिप का दौरा कर वहां संचालित पुनर्वास एवं विकास कार्यों का निरीक्षण किया। अवसर पर झरिया विधायक रागिनी सिंह, उपायुक्त आदित्य रंजन, सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल, बीसीसीएल निदेशकगण, कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी सहित बीसीसीएल और जिला प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

उन्होंने झरिया मास्टर प्लान के अंतर्गत विस्थापित परिवारों के पुनर्वास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की तथा अधिकारियों से पुनर्वासित परिवारों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, चुनौतियों तथा उपायों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। श्री मंत्री ने टाउनशिप के फेज५ में स्थित प्रशासनिक भवन परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि सरकार द्वारा अग्नि प्रभावित झरिया क्षेत्र के विस्थापितों को बेलगढ़िया टाउनशिप में पुनर्वासित करने का प्रयास केवल स्थानांतरण की प्रक्रिया नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों के जीवन स्तर में समग्र सुधार की सार्थक पहल है। उन्होंने सभी प्रभावित परिवारों से आग्रह किया कि वे पुनर्वास की प्रक्रिया में सहयोग प्रदान करें और बेहतर जीवन स्तर के लिए बेलगढ़िया टाउनशिप में पुनर्वासित हो। उन्होंने सभी संबंधित एजेंसियों को निर्देशित किया कि किसी भी पात्र परिवार को पुनर्वास से वंचित न रखा जाए तथा सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं।

इस अवसर पर उन्होंने बीसीसीएल द्वारा संचालित आजीविका एवं रोजगार सृजन परियोजना का शिलान्यास किया तथा बीसीसीएल सीएसआर परियोजना के तहत संचालित ईरिक्शा योजना के पांच लाभार्थियों को ईरिक्शा की चाभी सौंपी। उन्होंने बीसीसीएल सीएसआर परियोजना की सहायता से संचालित विभिन्न योजनाओं से सम्बद्ध महिला उद्यमियों द्वारा प्रदर्शित स्टाल का भी निरीक्षण किया। उन्होंने इस पहल को स्थानीय समुदाय के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया और इसकी सराहना की। उन्होंने कहा कि कौशल विकास, स्वरोजगार और आजीविका के अवसरों का विस्तार क्षेत्र के सतत् विकास के लिए आवश्यक है और इस हेतु किये गए सभी प्रयास सराहनीय है।

बेलगढ़िया टाउनशिप के निरीक्षण के उपरांत राज्य मंत्री ने कोयला भवन मुख्यालय में आयोजित उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल, उपायुक्त धनबाद आदित्य रंजन, कोयला मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी, बीसीसीएल निदेशकगण, एसएसपी प्रभात कुमार, कोयला भवन मुख्यालय के सभी महाप्रबंधकगण, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, सीआईएसएफ के वरिष्ठ अधिकारी, जेएमपी-जेआरडीए के पदाधिकारी तथा बीसीसीएल एवं जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान मंत्री ने झरिया मास्टर प्लान के अंतर्गत बीसीसीएल एवं जेआरडीए द्वारा संचालित प्रमुख परियोजनाओं एवं विकासात्मक गतिविधियों की गहन समीक्षा की। उन्होंने बीसीसीएल की परिचालन उपलब्धियों, कोयले की गुणवत्ता सुधार पहलों, पुनर्वास कार्यों की प्रगति तथा विभिन्न सुरक्षा उपायों पर विस्तृत चर्चा की और आवश्यक दिशानिर्देश प्रदान किए।

निदेशक (तकनीकी-संचालन) संजय कुमार सिंह ने पॉवरप्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से जेएमपी के तहत बीसीसीएल द्वारा किए किए कार्यों, कौशल विकास गतिविधियों तथा सामाजिक सशक्तिकरण से जुड़ें विभिन्न पहलों की जानकारी दी। उन्होंने बीसीसीएल की परिचालन उपलब्धियों, उत्पादन लक्ष्य, पर्यावरणीय पहलों, सामाजिक उत्तरदायित्व गतिविधियों तथा विभिन्न परियोजनाओं की प्रगति तथा वर्तमान स्थिति का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि बीसीसीएल अल्पकालिक, मध्यमकालिक एवं दीर्घकालिक रणनीतियों के माध्यम से उत्पादन वृद्धि के साथसाथ सामाजिक एवं पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उपायुक्त धनबाद आदित्य रंजन ने जेआरडीए की ओर से बेलगढ़िया टाउनशिप में चल रहे पुनर्वास एवं विकास कार्यों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया और शिक्षा, स्वास्थ्य, जलापूर्ति, सड़क, विद्युत, स्वरोजगार एवं कौशल विकास से संबंधित पहलों की जानकारी दी।

अपने संबोधन में श्री दुबे ने कहा कि कोयला क्षेत्र देश की ऊर्जा सुरक्षा का आधार है और इसके विकास में उत्पादन के साथ मानवीय पहलुओं पर समान ध्यान आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल उत्पादन वृद्धि नहीं, बल्कि पुनर्वास, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक उत्तरदायित्व और श्रमिक कल्याण को भी प्राथमिकता देना है। झरिया पुनर्वास योजना को एक मानवीय पहल बताते हुए उन्होंने कहा कि इसका लक्ष्य प्रभावित परिवारों को सुरक्षित, सम्मानजनक और स्थायी जीवन देना है। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों को योजनाओं को पारदर्शी, समन्वित और समयबद्ध ढंग से लागू करने के निर्देश दिए और बीसीसीएल और जेआरडीए के बीच बेहतर समन्वय को इस दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए संयुक्त प्रयासों पर बल दिया।

परिचालन के क्षेत्र में उन्होंने सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी प्रमुख सूचकांकों पर निरंतर प्रगति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए और कहा कि कोकिंग कोल की प्रमुख उत्पादक कंपनी के रूप में बीसीसीएल पर महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां हैं, जिन्हें सभी हितधारकों के समन्वित प्रयासों से प्रभावी ढंग से निभाया जाना चाहिए। टांडाबाड़ी, केंदुआडीह और अन्य अग्नि प्रभावित क्षेत्रों में भूधंसान और गैस उत्सर्जन की स्थिति पर उन्होंने कहा कि इस संबंध में सुरक्षा के सभी कदम उठाए जा रहे हैं। तकनीकी संस्थानों एवं विशेषज्ञों द्वारा अपने अध्ययन रिपोर्ट में प्रभावित क्षेत्र को अत्यंत संवेदनशील और खतरनाक घोषित किया गया है। क्षेत्र में व्याप्त जटिल भूगर्भीय परिस्थितियों में पुनर्वास ही एकमात्र स्थायी और सुरक्षित समाधान है। बीसीसीएल और जिला प्रशासन नागरिकों के सुरक्षित पुनर्वास हेतु सतत् प्रयासरत है। सभी प्रभावित परिवारों को इसके लिए आगे आना चाहिए। अवैध खनन और खदानों की सुरक्षा पर मंत्री ने बीसीसीएल प्रबंधन को और अधिक सतर्कता बरतने तथा रोकथाम हेतु आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया।

कार्यक्रम की शुरुआत मंत्री जी के स्वागत एवं अभिनंदन से हुई। सीएमडी बीसीसीएल मनोज कुमार अग्रवाल ने शॉल, पुष्पगुच्छ एवं स्मृतिचिह्न भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने स्वागत संबोधन में सीएमडी श्री अग्रवाल ने बीसीसीएल की हालिया उपलब्धियों, नवाचारों एवं भावी योजनाओं पर संक्षिप्त रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि कंपनी सुरक्षा, उत्पादन और पुनर्वास के क्षेत्र में निरंतर प्रगति कर रही है और देश की ऊर्जा सुरक्षा में अपनी जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा और दक्षता के साथ निभाने के लिए निरंतर प्रयासरत है।

इससे पूर्व मंत्री दुर्गापुर से सड़क मार्ग द्वारा धनबाद पहुंचे, जहां दुर्गापुर हवाई अड्डे पर सीएमडी श्री अग्रवाल ने उनका आत्मीय स्वागत किया। इस अवसर पर बीसीसीएल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे। यह दौरा झरिया क्षेत्र में पुनर्वास, विकास और सुरक्षित खनन गतिविधियों को और अधिक गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल रहा।

विधायक राज ने केंद्रीय कोयला राज्य मंत्री को सौंपा मांग पत्र

धनबाद (कासं) : झारखंड विधानसभा के सचेतक सह धनबाद विधायक राज सिन्हा ने भारत सरकार के कोयला राज्य मंत्री के धनबाद आगमन पर उनसे मुलाकात कर धनबादबोकारो मुख्य सड़क को अविलंब मरम्मत कर चालू कराने की मांग को लेकर विस्तृत बात की एवं क्षेत्र के आमलोगों, व्यापारियों को होने वाली समस्या से अवगत कराया साथ ही लिखित मांग पत्र सौंपा।

विधायक श्री सिन्हा ने पत्र के माध्यम से बताया कि धनबादबोकारो मुख्य मार्ग पिछले लगभग एक माह से बंद पड़ा हुआ है, जिससे आम जनता, व्यापारियों, छात्रों, मरीजों एवं दैनिक यात्रियों को भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यह सड़क धनबाद का लाइफ लाइन मार्ग है, जिसके बंद रहने से केंदुआ, पुटकी, लोयाबाद, छाताटांड़ सहित आसपास के क्षेत्रों का जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है।

उन्होंने कहा कि पूर्व में भी धनबाद के विभिन्न क्षेत्रों में भूधंसान एवं गैस रिसाव की घटनाएं हुई हैं, जहां सड़क की खुदाई कर बालू भराई के माध्यम से मार्ग को पुनः चालू कराया गया था। किंतु इस बार केंदुआडीह थाना मोड़ के समीप सड़क को पूरी तरह बंद कर दिया गया, जिससे जनता में भारी आक्रोश है।

विधायक राज सिन्हा ने मांग पत्र में बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा वैज्ञानिक रिपोर्ट एवं खतरे का हवाला देकर सड़क बंद किए जाने पर कई गंभीर प्रश्न उठाए।उन्होंने कहा कि धनबाद की जनता जानना चाहती है कि क्या पूर्व में अन्य क्षेत्रों में भूधंसान की घटनाओं के बाद भी सभी मार्गों को इसी प्रकार स्थायी रूप से बंद किया गया था? जनता को राहत देने के लिए व्यवहारिक समाधान निकालना सरकार एवं संबंधित एजेंसियों की जिम्मेदारी है। श्री सिन्हा ने केंद्रीय मंत्री से आग्रह किया कि पूर्व में अपनाए गए उपायों की तरह सड़क की खुदाई कर वहां बालू भराई एवं आवश्यक मरम्मत कार्य कर मार्ग को पुनः चालू कराया जाए तथा सड़क निर्माण एवं मरम्मत कार्य को राज्य सरकार के पथ निर्माण विभाग को सौंपा जाए।

उन्होंने कहा कि इस सड़क के बंद होने से केंदुआ, छाताटांड़, पुटकी, लोयाबाद एवं आसपास के हजारों छोटेबड़े व्यवसायी आर्थिक रूप से प्रभावित हो रहे हैं। जनता अब शीघ्र समाधान चाहती है। केंद्रीय कोयला मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने विधायक श्री सिन्हा के सभी बातों को ध्यान पूर्वक सुना एवं मांगो पे अविलंब कार्रवाई की बात कही।

डीडीसी ने टुंडी में विकास योजनाओं का किया निरीक्षण

टुण्डी (ससे) : उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने पूर्वी टुंडी प्रखंड अंतर्गत विभिन्न विकास योजनाओं एवं कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने लटानी पंचायत सचिव को निर्देश दिया कि समीप के विद्यालयों के शिक्षकों एवं प्रधानाध्यापकों के सहयोग से ज्ञान केंद्र का नियमित संचालन सुनिश्चित करें। वार्ड सदस्यों को भी इससे जोड़ें। साथ ही डिजिटल साक्षरता पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने पंचायत सचिवालय में खाली पड़ी भूमि का उपयोग बागवानी एवं उपयोगी कार्यों हेतु करने का निर्देश दिया। उन्होंने पंचायत सुदृढ़ीकरण मद की राशि से पंचायत स्तर के सभी मूलभूत कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने को कहा।

वहीं गर्मी के मौसम को देखते हुए आम नागरिकों के लिए पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया। भ्रमण के दौरान पूर्वी टुंडी प्रखंड कार्यालय में समय पर उपस्थित नहीं होने वाले कर्मियों को उप विकास आयुक्त ने फटकार लगाई। उन्होंने कार्यालय कर्मियों को फाइलों में आवश्यक एवं स्पष्ट टिप्पणी अंकित करने का निर्देश दिया। इसके उपरांत उप विकास आयुक्त ने डीएमएफटी मद से निर्माणाधीन तालाबों का निरीक्षण किया। संवेदकों को कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।

उन्होंने लुकैया पंचायत स्थित वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का भी निरीक्षण किया। जहां इसके कार्य प्रणाली एवं संचालन व्यवस्था पर विस्तृत चर्चा हुई। ग्रामीणों को शीघ्र पेयजल सुविधा उपलब्ध कराने हेतु पीएचईडी के कनीय अभियंता को कार्य में तेजी लाने का निर्देश दिया। उप विकास आयुक्त ने १५वें वित्त आयोग मद से निर्माणाधीन आयुष्मान आरोग्य मंदिर, चेपकिया का निरीक्षण करते हुए १५ जुलाई तक भवन हैंडओवर सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। डीएमएफटी मद से निर्मित प्राथमिक विद्यालय घोसालडीह में शौचालय में पार्टिशन कर छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। इसके अतिरिक्त उन्होंने बरबाद बरकेटनी में डीएमएफटी मद से निर्माणाधीन २.५ किलोमीटर सड़क का निरीक्षण किया। ग्रामीण कार्य विभाग के कनीय अभियंता को सड़क किनारे आवश्यक भराई कार्य कराने एवं निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने का निर्देश दिया।

झारखंड लोक सेवा आयोग की तैयारी करेगी प्राची

गोविंदपुर (ससे) : गोविंदपुर प्रखंड अंतर्गत गोसाईंडीह गांव निवासी एवं पूर्वी टुंडी के उत्क्रमित मध्य विद्यालय चूरूरिया के सहायक शिक्षक मनोज कुमार गिरि एवं अनीता गिरि की पुत्री प्राची गिरि ने सीबीएसई १२वीं कला की परीक्षा में ९२.४० प्रतिशत अंक हासिल किया है। स्नातक करने के बाद वह झारखंड प्रशासनिक सेवा की तैयारी करेगी। वह धनबाद पब्लिक स्कूल केजी आश्रम का विद्यार्थी है। उसे पेंटिंग में १००, अंग्रेजी में ९८, संस्कृत में १००, गणित में ९९, विज्ञान में ९८, सामाजिक विज्ञान में ९९ अंक हासिल हुए हैं।

इस बीच गोविंदपुर श्याम वाटिका निवासी मनोज अग्रवाल एवं सविता अग्रवाल की पुत्री तन्वी अग्रवाल ने सीबीएसई १२वीं वाणिज्य परीक्षा में ९६.२० अंक हासिल किया है। वह धनबाद पब्लिक स्कूल की छात्रा है। उसे अंग्रेजी में ९४, अकाउंटेंसी में ९८, बिजनेस स्टडी में ९८, फिजिकल एजुकेशन में ९५ और अप्लाइड मैथ में ९६ अंक हासिल हुए हैं। वह धनबाद पब्लिक स्कूल के पूर्व कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार गुप्ता की की भतीजी है। उसकी सफलता पर परिजनों में खुशी है।

बच्चों को दी गई कानूनों की जानकारी

धनबाद (कासं) : ९० दिवसीय जागरूकता अभियान को गति देते हुए प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश निकेश कुमार सिन्हा के निर्देश पर जिले में चल रहे नब्बे दिवसीय आउटरिच एवं अवर्नेस प्रोग्राम के तहत विभिन्न विद्यालयों में जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया गया। डालसा की टीम ने इसी क्रम में लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के डिप्टी चीफ अजय कुमार भट्ट, सुमन पाठक शैलेन्द्र झा के नेतृत्व में एसएसकेबीसी हाई स्कूल निरसा में अधिकार मित्र पंकज कुमार वर्मा ,श्याम कुमार झा, पूनम हेंब्रम फूल चांद महतो, चिरंजीत तिवारी, भोलानाथ धीवर, उमाशंकर मंडल, राजेन्द्र प्रसाद,गीता सिंह, अनामिका सिंह, पूनम सिंह, चंदन कुमार, डिपेंटी गुप्ता, पूजा झा, सीता कुमारी, नेहा वर्मा के द्वारा निरसा प्रखंड के एसएसकेबीसी हाई स्कूल निरसा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय बादलपुर कलियासोल, पूर्वी टुंडी उत्क्रमित मध्य विद्यालय तथा बलियापुर उत्क्रमित विद्यालय में लीगल लिटरेसी क्लास का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस बाबत जानकारी देते हुए अवर न्यायाधीश मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि डालसा के पैरा लीगल वॉलेंटियर के द्वारा जिले के विद्यालयों में बच्चों के बीच लीगल लिटरेसी क्लास आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं स्थानीय समुदाय को कानूनी साक्षरता के प्रति जागरूक करना था। आयोजित कक्षाओं में प्रतिभागियों को उनके अधिकारों एवं कर्तव्यों की जानकारी दी गई तथा दैनिक जीवन में कानून की भूमिका को सरल भाषा में समझाया गया।

कार्यक्रम के दौरान विशेषज्ञों द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों जैसे मौलिक अधिकार, कानूनी सहायता, महिला एवं बाल संरक्षण, हिट एंड रन पैड एवं गुड टच से संबंधित कानूनों पर विस्तार से चर्चा की गई।

प्रबंधन से वार्ता के बाद यूनियन ने स्थगित किया धरना

धनबाद (कासं) : श्रमिकों से जुड़ी ४० सूत्री मांगों को लेकर बिहार कोलियरी कामगार यूनियन के प्रतिनिधियों के साथ बीसीसीएल के निदेशक (मानव संसाधन) एमके रमैया की वार्ता हुई। घंटों चली वार्ता में प्रबंधन की ओर से समस्याओं के निराकरण की दिशा में सकारात्मक पहल करने का भरोसा दिया गया। इसके बाद यूनियन आगामी १४ के प्रस्तावित महाधरना को स्थगित करने का फैसला लिया। बता दें कि यूनियन ने मांगों को लेकर कोयला भवन मुख्यालय के समक्ष धरना देने की अल्टीमेटम दिया था। इसी के आलोक में वार्ता हुई। वार्ता में यूनियन के महामंत्री सह विधायक अरूप चटर्जी, आनंद महिपाल, मानस चटर्जी, निताई महतो, विष्णु रवानी, सबुर गोराई, राजेंद्र पासवान, जेके झा, देव रंजन दास, बी डी गोस्वामी आदि शामिल थे।

12वीं की परीक्षा में पेमिया ऋषिकेश का बेहतर प्रदर्शन

कतरास (ससे) : पेमिया ऋषिकेश मेमोरियल पब्लिक स्कूल बांसकपुरिया के विद्यार्थियों ने बारहवीं की कला, विज्ञान एवं कामर्स संकाय की परीक्षा में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त कर विद्यालय एवं अभिभावकों का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय के प्रियांशु सिंह ८८ प्रतिशत, अहाना सुकुल ८७.५, युवराज पटेल ८०, आकृति सिंह ७७, शुभम कुमार ७१, रिया यादव ७१, शांभवी ७१ तथा अमन कुमार ने ७१ प्रतिशत अंक हासिल किया है। विद्यालय के चेयरमैन सह टुंडी विधायक मथुरा प्रसाद महतो, निदेशक दिनेश कुमार महतो एवं प्राचार्य रुपेश कुमार ने सभी विद्यार्थियों को उनकी सफलता पर हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों की यह सफलता उनके कठिन परिश्रम, अनुशासन एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है। विद्यालय परिवार को अपने विद्यार्थियों की उपलब्धियों पर गर्व है तथा भविष्य में भी उनसे उत्कृष्ट प्रदर्शन की अपेक्षा है।

बीएड कॉलेज में पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

बलियापुर (ससे) : पर्जन्य बीएड कॉलेज पहाड़पुर बलियापुर में छात्रछात्राओं के बीच नशा मुक्ति अभियान के तहत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कॉलेज के छात्रछात्राओं ने काफी उत्साह के साथ भाग लिया। इस अवसर पर नशा विरोधी संदेशों से संबंधित आकर्षक पोस्टर बनाकर समाज में नशा के खिलाफ जागरूकता फैलाने का काम किया गया। छात्रछात्राओं को संबोधित करते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉक्टर सजल बनर्जी ने युवाओं को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करने तथा समाज में सकारात्मक संदेश के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को कॉलेज की ओर से पुरस्कृत किया गया। मौके पर कॉलेज के प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्रछात्राएं मौजूद थे।

पाटलिपुत्र हॉस्पिटल में विशेषज्ञ डॉक्टरों व अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध

धनबाद (कासं) : पाटलीपुत्र हॉस्पिटल, जोड़ा फाटक रोड, धनबाद में पहले से संचालित कार्डियोलॉजी विभाग, न्यूरो एवं स्पाइन सर्जरी विभाग तथा पल्मोनोलॉजी विभाग के साथ अब सुपर स्पेशियलिटी सेवाओं को और विस्तार देते हुए नये विशेषज्ञ डॉक्टरों एवं अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं की शुरुआत की गई है।

यह पहल क्षेत्र के मरीजों को एक ही छत के नीचे व्यापक, उन्नत एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। अस्पताल प्रबंधन के अनुसार, हृदय, मस्तिष्क, रीढ़, श्वसन तंत्र के साथसाथ किडनी, पेट, लिवर रोग एवं मूत्र रोग से संबंधित बीमारियों के मामलों में निरंतर वृद्धि हो रही है। इसी को ध्यान में रखते हुए अस्पताल ने अपनी सेवाओं का दायरा बढ़ाते हुए नये विशेषज्ञों को जोड़ा है। डॉ.

प्रकाश झा गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी पेट, पाचन एवं लिवर रोग विशेषज्ञ, डॉ. प्रतीक शरण मूत्र रोग किडनी स्टोन एवं प्रोस्टेट विशेषज्ञ, नेफ्रोलॉजी - किडनी रोग विशेषज्ञ, डॉ अनामिका वर्मा पल्मोनोलॉजी स्वाश एवं फेफड़ा रोग विशेषज्ञ, डॉ राहुल कुमार कार्डियोलॉजीहृदय रोग विशषज्ञ, डॉ. कुणाल किशोर न्यूरोलॉजी न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन), डॉ निखिल ड्रोलिया (हड्डी एवं नस रोग विशेषज्ञ जॉइंट रिप्लेस्मेंट सर्जन), डॉ विदिशा ड्रोलिया स्त्री रोग विशषज्ञ लप्रोस्कोपिक सर्जन, डॉ. जुनैद आलम ईएनटीकान, नाक एवं गला रोग एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ इस अवसर पर अस्पताल के सीईओ एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट सर्जन डॉ. निखिल ड्रोलिया ने प्रेस को संबोधित करते हुए बताया कि पाटलीपुत्र हॉस्पिटल का उद्देश्य मरीजों को सभी प्रमुख सुपर स्पेशियलिटी सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा कि अस्पताल में नई एवं आधुनिक मशीनों जैसे हृदय रोग के लिए एडवांस कैथलैब, गैस्ट्रो के लिए एडवांस एंडोस्कोपी मशीन, कान नाक, गला के लिए लैप्रोस्कोपी मशीन, यूरोलॉजी के लिए आर. आई. आर. एस. द्वारा ऑपरेशन,मस्तिष्क रोग और घुटना एवं कुल्हा प्रत्यारोपण के लिए मॉडुलर ऑपरेशन थिएटर इत्यादि के समावेश से जांच एवं उपचार की गुणवत्ता और सटीकता में उल्लेखनीय सुधार होगा।

उन्होंने आगे कहा कि इन सुविधाओं के उपलब्ध होने से अब गंभीर एवं जटिल बीमारियों के इलाज के लिए मरीजों को बड़े महानगरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। इससे मरीजों का समय, लागत एवं असुविधा तीनों में कमी आएगी। पाटलीपुत्र हॉस्पिटल निरंतर आधुनिक तकनीक, अनुभवी विशेषज्ञों एवं समर्पित सेवाओं के माध्यम से धनबाद एवं आसपास के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का स्तर ऊंचा उठाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे अस्पताल में विश्वस्तरीय लैब पाथकाइंड से जाँच की भी सुविधा है। पाटलीपुत्र अस्पताल में अब सीजीएचएस कोल इंडिया ईस्ट सेंट्रल रेलवे, सीएसआईआर सिम्फर, आईआईटीआईएसएम, गेल इंडिया, एफसीआई, ईएसआईसी एवं राज्य कर्मी बीमा योजना झारखण्ड के अंतर्गत सभी कर्मचारिओं, उनके आश्रितों एवं पेंशनर की कैशलेश सुविधा शुरू कर दी गयी है।

डीपीएस बोकारो के 400 से अधिक विद्यार्थी सफल, 11 को नेशनल रैंक 1

बोकारो (ससे): दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस) बोकारो के छात्र-छात्राओं ने एक बार पुनः अपनी मेधाविता का परचम लहराया है। भारत सरकार के निगमित (कारपोरेट) कार्य मंत्रालय से संबद्ध भारत ओलंपियाड फाउंडेशन (बीओएफ) की ओर से सत्र २०२५-२६ के लिए आयोजित विभिन्न विषयों की ओलंपियाड परीक्षाओं में विद्यालय के ४०० से अधिक विद्यार्थियों ने अपनी शानदार सफलता दर्ज की है। ११ छात्र-छात्राओं ने अलग-अलग विषयों में राष्ट्रीय स्तर पर रैंक वन तथा तीन विद्यार्थियों ने राज्य स्तर पर पहला स्थान पाकर अपने विद्यालय और शहर को गौरवान्वित किया है।

बुधवार को विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने राष्ट्रीय एवं राज्य स्तर पर रैंक १ प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर प्रोत्साहित किया। सोशल साइंस/ईवीएस में आश्वी सिंह, अमाया प्रसाद, अनन्या पूर्णिमा प्रधान, अनिमेष आर्या, माहिरा आलम, सजग सूर्यांश पांडेय और शैलजा सान्वी, अंग्रेजी में अक्षत प्रियदर्शी और प्राणिद्य कुमारी मिश्रा, गणित में अंशुमन झा तथा एप्टीट्यूड एवं रिजनिंग में अथर्व कश्यप ने नेशनल रैंक वन पाई। वहीं, लेवल- २ में अंग्रेजी में ईशान स्नेही ने नेशनल रैंक २ तथा प्राणिद्य कुमारी मिश्रा में

नेशनल रैंक ३ हासिल की।

इसके अलावा, राज्य स्तर पर विज्ञान में आयांश प्रियदर्शी, गणित में प्रांशी तथा समन्यु चौधरी ने रैंक वन अर्जित की। प्राचार्य डॉ. गंगवार ने सभी सफल विद्यार्थियों को उनका प्रमाण-पत्र, उपहार एवं नकद पारितोषिक राशि प्रदान कर उनकी हौसला-अफजाई की। साथ ही, इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कहा कि बच्चे आगे भी इसी प्रकार अपनी मेहनत और लगन से विद्यालय का नाम रोशन करते रहें।

९९.२ फीसदी अंक लाकर डीपीएस बोकारो के साइंस टॉपर आदित्य मिश्रा की दिली ख्वाहिश आगे चलकर एक सफल चिकित्सक बन मानवता-सेवा करने की है। सेल की रिफैक्ट्री यूनिट (एसआरयू) में मुख्य महाप्रबंधक (वित्त) प्रजेश चन्द्र मिश्रा एवं गृहिणी सस्मिता मिश्रा का होनहार पुत्र आदित्य शुरू से ही मेधावी छात्र रहा है। विषयवार अंग्रेजी में उसे १००, केमिस्ट्री में १००, बायोलॉजी में ९६, फिजिक्स में ९९, फिजिकल एजुकेशन में ९७ और पेंटिंग में १०० अंक मिले हैं। वर्क एक्सपीरियंस, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन और जनरल स्टडीज, तीनों में उसने ए१ ग्रेड हासिल किया। कुल मिलाकर ५०० में से उसे ४९६ अंक मिले। एक सवाल के जवाब में आदित्य ने कहा कि बोर्ड परीक्षा की तैयारी के लिए वह रोजाना लगभग छह घंटे पढ़ाई किया करता था। अपनी कामयाबी का श्रेय उसने अपने माता-पिता व परिजनों के साथ-साथ विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है। आदित्य को १०वीं में कुल ९६.८ प्रतिशत अंक मिले थे। डीपीएस बोकारो में उसने शुरू से ही पढ़ाई की है और हमेशा ही अपनी मेधाविता का परिचय दिया है। वह एनएसईजेएस- २०२२ में पूरे राज्य से अकेले सफल रहा था। इसके अलावा, विभिन्न ओलंपियाडों में शानदार प्रदर्शन के लिए बेस्ट ओलंपियाड विनर का पुरस्कार, साइंस ओलंपियाड फाउंडेशन द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता छात्रवृत्ति, साइंस ओलंपियाड में ओलंपियाड रैंक १, एसओएफ नेशनल साइंस ओलंपियाड में जोनल रैंक १, क्रिप्टिक क्रॉसवर्ड में देश में दूसरा स्थान आदि उसकी कामयाबियों की फेहरिस्त में शामिल हैं। हाल ही में उसने आईएपीटी की जीव-विज्ञान परीक्षा एनएसईबी में भी सफलता पाई थी। आदित्य को फुटबॉल और कबड्डी खेलना भी पसंद है। एक प्रश्न के जवाब में आदित्य ने बताया कि कोरोना काल उसके जीवन की पढ़ाई में टर्निंग प्वाइंट रहा, जहां से उसने अपनी पढ़ाई को एक नई दिशा दी। ऑनलाइन क्लास में उसकी पढ़ाई शिथिल हो गई थी, जिससे परिणाम प्रभावित होने लगे, जिससे उसने सीख लेते हुए कठिन परिश्रम शुरू किया और पढ़ाई में निरंतरता लाई। इसी का नतीजा रहा कि उसने आज साइंस टॉपर होने का गौरव पाया।

कॉमर्स संकाय में ९९.४ प्रतिशत अंक के साथ डीपीएस बोकारो में सर्वश्रेष्ठ परिणाम हासिल करने वाली छात्रा प्रिया पालबाबू ने बताया कि उसने एग्जाम के समय पूरी तन्मयता के साथ रोजाना लगभग चार घंटे पढ़ाई की। खास बात यह रही कि उसने परीक्षा में अच्छे रिजल्ट के लिए उस दरम्यान अपने फोन से तमाम सोशल मीडिया एप्स को अनइंस्टॉल कर दिए थे, ताकि पढ़ाई की एकाग्रता बनी रही। विषयवार प्रिया ने अकाउंटेंसी में १००, बिजनेस स्टडीज में १००, इकोनॉमिक्स में ९९, पेंटिंग में १००, इंग्लिश कोर में ९८ और अप्लाइड मैथमेटिक्स में ९७ अंक प्राप्त किए। वर्क एक्सपीरियंस, हेल्थ एंड फिजिकल एजुकेशन और जनरल स्टडीज, तीनों में उसने ए१ ग्रेड हासिल किया। प्रिया ने ५०० में से ४९७ अंक हासिल किए। अपनी इस सफलता का श्रेय उसने विद्यालय के शिक्षकों के कुशल मार्गदर्शन और माता-पिता के सहयोग को दिया है। ओडिशा में व्यवसायी अजीत कुमार पालबाबू और गृहिणी लीला पालबाबू की सुपुत्री प्रिया की दिली ख्वाहिश आगे चलकर एक सफल चार्टर्ड एकाउंटेंट (सीए) बनने की है। उसे फाइनेंस में रुचि रही है। १०वीं में उसे ९६.८ प्रतिशत अंक मिले थे। वह अपने पिता को ही अपना आदर्श मानती है। पढ़ाई के अलावा पेंटिंग का भी उसे काफी शौक है और कराटे में राष्ट्रीय स्तर की वह खिलाड़ी भी रह चुकी है।

लकड़ी के खुट्टे के सहारे गुजरा बिजली तार दे रहा है दुर्घटना को आमंत्रण

डुमरी (ससे): प्रखंड अंतर्गत लक्ष्मणटुंडा पंचायत के प्रेमटांड गांव में बिजली व्यवस्था की बदहाल स्थिति से कभी भी बड़े हादसे की आशंका बनी हुई है।यहां बिजली पोल नहीं होने के कारण तार काफी नीचे झुक गया है, जिससे ग्रामीणों की जान-माल पर खतरा मंडरा रहा है।स्थिति यह है कि ग्रामीणों ने अस्थायी समाधान के रुप में लकड़ी के खुटे का सहारा लेकर तार को संभाल रखा है,
जो बेहद जोखिमपूर्ण है।ग्रामीणों ने बताया कि कई स्थानों पर बिजली तार जमीन के काफी करीब लटक रहा है जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।इस समस्या को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश है और वे स्थायी समाधान की मांग कर रहे हैं।इधर ग्रामीणों के बुलावे पर बुधवार को झारखंड एकता

किसान मजदूर यूनियन के केन्द्रीय अध्यक्ष गंगाधर महतो गांव पहुंचे एवं लोगों की समस्याओं को सुना।इस दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग से मांग की कि लकड़ी के खुट्टों की जगह जल्द से जल्द पक्के बिजली पोल लगाए जाएं और जहां-जहां तार झुके हुए हैं उन्हें दुरुस्त किया जाए ताकि किसी दुर्घटना के घटित होने से रोका जा सके।

ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर झाएकिमयू केंद्रीय अध्यक्ष ने बिजली विभाग के एई से दूरभाष पर संपर्क कर पूरी स्थिति से अवगत कराया और अविलंब लोगों की समस्याओं का निराकरण करने की मांग की।कहा कि ग्रामीणों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसमें किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।मौके पर यूनियन के केंद्रीय उपाध्यक्ष सुभाष पंडित व भगतु रविदास रवि केंद्रीय महासचिव रवींद्र कुमार,अकबर अंसारी,रमजान अंसारी,इसमाईल अंसारी,गुलजार अंसारी,कुदुस अंसारी आदि उपस्थित थे।

नर्स दिवस का आयोजन एवं वॉटर प्यूरीफायर सुविधा का उद्घाटन

बोकारो (ससे): बोकारो इस्पात संयंत्र के बोकारो जनरल अस्पताल में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर बीजीएच ऑडिटोरियम में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आवर नर्सेस, आवर फ्यूचर - नर्सेस सेव लाइव्स थीम पर आयोजित इस कार्यक्रम में नर्सिंग समुदाय की समर्पित सेवा, करुणा एवं मानवता के प्रति उनके अतुलनीय योगदान को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम में बोकारो जनरल अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक, अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में नर्सिंग स्टाफ उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं केक कटिंग के साथ हुआ। इसके उपरांत नर्सिंग स्टाफ द्वारा गीत, नृत्य, कविता पाठ एवं अन्य सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं, जिन्होंने कार्यक्रम को भावपूर्ण एवं उत्साहपूर्ण वातावरण प्रदान किया।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर बोकारो महिला समिति द्वारा बीजीएच के वार्ड ३-बी के समीप मरीजों एवं उनके परिजनों की सुविधा हेतु एक अत्याधुनिक वॉटर प्यूरीफायर मशीन का उद्घाटन भी किया गया।

चिरेका में दिव्यांग कर्मचारियों को विशेष उपकरण वितरित

चित्तरंजन (ससे): चित्तरंजन रेल इंजन कारखाना स्टाफ बेनिफिट फंड के तत्वावधान में आज दिनांक १३.०५.२०२६ को चिरेका के गैर-राजपत्रित दिव्यांग कर्मचारियों को विशेष उपकरणों का वितरण किया गया। महाप्रबंधक, श्री मोहित चंद्रा ने प्रशासनिक फ़ोयर में मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री रंजन मोहंती, वरिष्ठ अधिकारी,कर्मचारी कल्याण कोष के पदाधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति में दिव्यांग कर्मचारियों को विशेष उपकरण प्रदान किए।

लाभार्थी कर्मचारी इस प्रकार हैं:

१. श्री बामाशीष माजी, मुख्य कार्यालय अधीक्षक/प्रशासन को एल्बो क्रच (०२) २. श्री लेखराज भंडारी, वरिष्ठ तकनीशियन को एक्सिलरी क्रच (०२) ३. श्री अनूप कुमार भट्टाचार्जी, तकनीशियन-ख को व्हीलचेयर (०१) ४. श्री तरुण कुमार बनर्जी, तकनीशियन-ख को व्हीलचेयर (०१) ५. श्री दीपक कुमार, वरिष्ठ अनुभाग अधिकारी/लेखा को मोल्डेड घ.-.ऋज (कैलिपर्स) (०१) और ६. श्री अर्जुन कुमार घोष, तकनीशियन-ख को मोल्डेड -.ऋज (०२) प्रदान किए गए। श्री मोहित चंद्रा, महाप्रबंधक ने इस वितरण पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और आशा जताई कि ये विशेष उपकरण उनकी बहुत सहायता करेंगे।

विदेशी निर्भरता घटाने का वक्त, स्वदेशी ही समाधान : बरियार

बोकारो (ससे): प्रधानमंत्री द्वारा देशवासियों से पेट्रोल-डीजल की खपत कम करने, विदेशी वस्तुओं पर निर्भरता घटाने और स्वदेशी उत्पादों को अपनाने की अपील को स्वदेशी जागरण मंच ने राष्ट्रहित में ऐतिहासिक कदम बताया है। अखिल भारतीय स्वदेशी मेला प्रमुख सचिंद्र कुमार बरियार ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संदेश वस्तुतः 'स्वदेशी' के व्यापक आह्वान के अलावा और कुछ नहीं है, जिसका उद्देश्य भारत को आर्थिक और ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है। उन्होंने कहा कि मंच लंबे समय से लोगों से आयातित तेल और गैस पर निर्भरता कम करने की अपील करता रहा है। अमेरिका, इज़राइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव तथा वैश्विक अस्थिरता को देखते हुए यह और भी आवश्यक हो गया है कि भारत ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बने। पेट्रोलियम उत्पादों की खपत कम होने से न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि वैश्विक आपूर्ति संकट के समय देश मजबूती से खड़ा रह सकेगा। बरियार ने कहा कि प्रधानमंत्री की अपील का समाज पर व्यापक प्रभाव पड़ेगा। इससे आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ेगी, वहीं वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत को भी पेट्रोलियम आधारित उत्पादों के विकल्प विकसित करने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा कि दीर्घकालिक समाधान स्वच्छ और हरित ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता है। भारत को इलेक्ट्रिक वाहन, बैटरी, सौर उपकरण, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में घरेलू निर्माण को बढ़ावा देना होगा। उन्होंने सरकार द्वारा स्वच्छ तकनीक और नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन देने की सराहना करते हुए कहा कि यदि भारत इन क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनता है तो चीन सहित अन्य देशों पर तकनीकी निर्भरता भी कम होगी।

डी पी एस चास के विद्यार्थियों सहित हॉस्टलर्स का शानदार प्रदर्शन, संचिता बनी टॉपर

चास बोकारो (ससे): दिल्ली पब्लिक स्कूल चास, बोकारो के विद्यार्थियों ने एक बार फिर सीबीएसई १२वीं बोर्ड परीक्षा २०२६ में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। विद्यालय ने इस वर्ष भी शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया। साथ ही हॉस्टल में रहने वाले विद्यार्थियों ने भी शानदार सफलता प्राप्त कर विद्यालय की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाया। विज्ञान संकाय की छात्रा संचिता ने ९३ प्रतिशत अंक प्राप्त कर विद्यालय में प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं आर्यन राज दूसरे तथा आदित्य कश्यप तीसरे स्थान पर

रहे। कॉमर्स संकाय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों में क्रमशः आदर्श कुमार रोहिणी सिंह एवं तनुश्री के नाम शामिल हैं। विद्यालय के प्रो. वाइस चेयरमैन राजेश अग्रवाल ने विद्यार्थियों की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह परिणाम केवल अंकों की उपलब्धि नहीं बल्कि विद्यार्थियों की मेहनत समर्पण और दृढ़ संकल्प का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं बल्कि ज्ञान और कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व का समग्र विकास करना है। विद्यालय की निदेशिका एवं प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने इस सफलता का श्रेय विद्यालय परिवार के सामूहिक प्रयास शिक्षकों की मेहनत तथा अभिभावकों के सहयोग और जागरूकता को दिया।

स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी : उपायुक्त

गिरिडीह (ससे): समाहरणालय स्थित सभाकक्ष में उपायुक्त रामनिवास यादव की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन योजना की प्रगति, रक्त केंद्र सदर अनुमंडल गिरिडीह के संचालन, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं सहित विभिन्न स्वास्थ्य योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में उपायुक्त ने झच् -इक्खच् योजना के तहत चल रहे कार्यों की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण किए जाएं। उन्होंने कहा कि यह योजना ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, इसलिए इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की शिथिलता स्वीकार्य नहीं होगी। वहीं रक्त केंद्र सदर अस्पताल गिरिडीह के संचालन की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता, रक्त संग्रहण एवं वितरण की व्यवस्था को सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि रक्त की उपलब्धता

किसी भी आपातकालीन स्थिति में जीवन रक्षक साबित होती है, इसलिए रक्त केंद्र को पूरी क्षमता के साथ संचालित किया जाना चाहिए। साथ ही, नियमित रक्तदान शिविरों के आयोजन पर भी बल दिया गया ताकि जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध हो सके।

बैठक में मुख्यमंत्री रख-रखाव मद के तहत प्राप्त आवंटन एवं व्यय की विस्तृत समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों से किए गए कार्यों एवं खर्च की अद्यतन जानकारी प्राप्त की।

उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि स्वास्थ्य संस्थानों में उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करते हुए आम जनता को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराई जाए। समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में जेनरेटर, सोलर सिस्टम, इनवर्टर एवं बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में बिजली, पेयजल, बैठने की व्यवस्था एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। उपायुक्त ने सभी स्वास्थ्य कर्मियों एवं चिकित्सकों की बायोमेट्रिक अटेंडेंस की समीक्षा करते हुए समय पर अस्पताल पहुंचने का सख्त निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि मरीजों को समय पर चिकित्सीय उपचार उपलब्ध कराना स्वास्थ्य विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। बैठक में ब्लॉकवार सीएचसी में लगे सीसीटीवी कैमरों की स्थिति, ऑपरेशन थियेटर में हो रहे कार्य, चिकित्सीय उपकरणों की उपलब्धता एवं मरीजों की सुविधा से जुड़े विभिन्न बिंदुओं की भी समीक्षा की गई। बैठक में आभा कार्ड निर्माण की प्रगति की समीक्षा करते हुए बताया गया कि जिले में अब तक लगभग ११.४ लाख आभा कार्ड बनाए जा चुके हैं। उपायुक्त ने लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत उपलब्धि सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही क्वखड स्टेटस, रजिस्ट्रेशन एवं एम्बुलेंस चालकों की नियमित मॉनिटरिंग की भी समीक्षा की गई। उन्होंने अधिकारियों को पूरी पारदर्शिता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करने की सख्त हिदायत दी।

समीक्षा के क्रम में उपायुक्त ने एक्टिव एवं इनएक्टिव सहियाओं के कार्यों की भी समीक्षा करते हुए कार्य में लापरवाही बरतने वालों पर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। उन्होंने ९ से ११ माह के बच्चों के शत-प्रतिशत पूर्ण टीकाकरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा कुपोषण उपचार केंद्र की स्थिति, बेड की उपलब्धता एवं कुपोषित बच्चों के समुचित इलाज की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने अधिक से अधिक कुपोषित बच्चों को उपचार केंद्र में भर्ती कर बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वहीं ब्लड बैंक की कार्यप्रणाली की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी तथा आम जनता को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा के दौरान उपायुक्त ने विशेष रूप से संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करना स्वास्थ्य विभाग की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही गंभीर मानी जाएगी। इस क्रम में उन्होंने सहिया कर्मियों की भूमिका को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कड़े निर्देश जारी किए। उपायुक्त ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि सहिया को महीने में पांच संस्थागत प्रसव कराना होगा। उन्होंने कहा कि सहिया कर्मियों का मुख्य दायित्व ही गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य संस्थानों तक लाकर सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित करना है।

बैठक में उप विकास आयुक्त, श्रीमती स्मृता कुमारी, सिविल सर्जन, उप नगर आयुक्त, अस्पताल उपाधीक्षक, सहायक नगर आयुक्त, जिला आरसीएच पदाधिकारी, संबंधित कार्यपालक अभियंता, सभी प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, गिरिडीह जिला, बीपीएम, एनएचएम समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

साइबर ठगी गिरोह का भंडाफोड़, 6 गिरफ्तार

गिरिडीह (ससे): गिरिडीह पुलिस ने साइबर अपराध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए बेंगाबाद थाना क्षेत्र अंतर्गत बसनारी-कोलहरिया जंगल में छापेमारी कर एक सक्रिय साइबर ठगी गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने मौके से ६ साइबर अपराधियों को गिरफ्तार किया है, जबकि भारी मात्रा में मोबाइल, सिम कार्ड एवं बाइक बरामद किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, पुलिस अधीक्षक गिरिडीह को गुप्त सूचना मिली थी कि बेंगाबाद थाना क्षेत्र के जंगल में कुछ साइबर अपराधी फर्जी लिंक एवं मोबाइल एप के माध्यम से लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। सूचना के सत्यापन के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर साइबर डीएसपी के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने जंगल क्षेत्र से छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों के पास से ११ मोबाइल फोन, १३ सिम कार्ड एवं ५ बाइक बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, आरोपी फर्जी एप एवं लिंक लोगों के मोबाइल पर भेजकर साइबर ठगी को अंजाम देते थे।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम महेंद्र कुमार मंडल, ग्राम - रातडीह, कुंदन कुमार मंडल, ग्राम - सादीवाद, ईश्वर मंडल, ग्राम - विशनपुर ,पंकज कुमार

मंडल, ग्राम - विशनपुर,राजेश कुमार मंडल, ग्राम - विशनपुर,आदित्य कुमार मंडल उर्फ राजा बाबू, ग्राम - विशनपुर सभी आरोपी बेंगाबाद थाना क्षेत्र, जिला गिरिडीह के निवासी बताए गए हैं।

इस संबंध में साइबर थाना कांड संख्या १४/२०२६ दिनांक १२.०५.२०२६ दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर गिरोह के अन्य सदस्यों एवं ठगी के नेटवर्क की जानकारी जुटाने में लगी हुई है। गिरिडीह पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान लिंक या एप को डाउनलोड न करें तथा साइबर ठगी से सतर्क रहें।

नवनिर्वाचित महिला सदस्य का अधिवक्ताओं ने किया स्वागत

डुमरी (ससे): अनुमंडल आंगन में अवस्थित अधिवक्ता भवन में बुधवार को झारखंड स्टेट बार काउंसिल रांची के नवनिर्वाचित महिला सदस्य मीरा कुमारी का स्वागत फूल माला पहनाकर एवं बुके देकर किया गया।साथ ही सभी अधिवक्ताओं ने महिला कोटा से मीरा कुमारी का निर्वाचन होने पर प्रसन्नता व्यक्त की। वहीं जिले एवं अनुमंडल के अधिवक्ताओं की समस्याओं को मुखरता के साथ स्टेट बार काउंसिल में उठाने की अपील की। जबकि एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट को लागू कराने के लिए सार्थक पहल करने की अपील की।इस दौरान डुमरी अनुमंडल अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष इन्द्रजीत जायसवाल सचिव अशोक जैन,कुमारी अर्चना,मुकेश शर्मा आदि उपस्थित थे।

डी.बी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि. के लिए जोड़ाफाटक रोड, धनबाद से राजेन्द्र कुमार अग्रवाल द्वारा मुद्रित एवं अंजना अग्रवाल द्वारा प्रकाशित. संपादक - गणेश मिश्रा. फोन - 9431726337
e-mail : biharobserver@gmail.com RNI No- 58991/95. * पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए गणेश मिश्रा जिम्मेवार होंगे एवं समस्त विवाद धनबाद न्यायालय के अधीन होंगे

झारखंड पब्लिक स्कूल के बच्चों ने मारी बाजी

बलियापुर (ससे) : झारखंड पब्लिक स्कूल बलियापुर में सीबीएसई साइंस १२वीं में मोहम्मद अयान अंसारी ने ९४ अंक लाया। वहीं आर्यन राज ने ९३ व प्रियांशु दे ने ९२.४ अंक लाकर स्कूल का नाम रोशन किया। स्कूल के निदेशक अताउर रहमान, प्राचार्य सुरोजीत सेन ने कहा कि शत प्रतिशत परीक्षाफल घोषित हुआ है। तमाम छात्र छात्राओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

फरार वारंटी गिरफ्तार

लोयाबाद (ससे) : लोयाबाद पुलिस ने गुप्त सूचना पर जी आर कांड संख्या. ३६१/२०२१ का फरार वारंटी राहुल भुइयां पिता श्रवण भुइयां एकड़ा सेंट्रल स्टोर निवासी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

बीसीसीएल को मिला ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवॉर्ड्स

धनबाद (कासं) : भारत कोकिंग कोल लिमिटेड को १२वें ग्रीनटेक सीएसआर इंडिया अवॉर्ड्स २०२६ में उत्कृष्ट कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहलों के लिए दो प्रतिष्ठित गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह समारोह नई दिल्ली में आयोजित किया गया, जिसमें देशभर की प्रमुख सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों ने भाग लिया।

बीसीसीएल को यह सम्मान 'स्किल डेवलपमेंट' तथा 'प्रमोशन ऑफ एजुकेशन' श्रेणियों में प्रदान किया गया। ये पुरस्कार कंपनी द्वारा समाज के विभिन्न वर्गों, विशेषकर युवाओं और वंचित समुदायों के सशक्तिकरण हेतु किए जा रहे निरंतर प्रयासों की सराहना के रूप में दिए गए।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित

भव्य समारोह में बीसीसीएल सीएसआर टीम के सदस्यों ने पुरस्कार ग्रहण किया। इस अवसर पर विभिन्न उद्योगों के वरिष्ठ अधिकारी, नीतिनिर्माता तथा सामाजिक क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञ भी उपस्थित रहे। बीसीसीएल द्वारा संचालित सीएसआर पहलें शिक्षा के प्रसार, कौशल विकास, रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण तथा सामुदायिक क्षमता निर्माण पर केंद्रित रही हैं। इन पहलों के माध्यम से कंपनी न केवल स्थानीय समुदायों के जीवन स्तर को सुधारने में योगदान दे रही है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर और सक्षम बनाने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

यह उपलब्धि बीसीसीएल की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाती है, जिसके तहत कंपनी अपने सीएसआर प्रयासों के तहत समावेशी विकास को बढ़ावा देने और एक कुशल एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए निरंतर कार्यरत है।

कुंज भंग के साथ अखंड हरि कीर्तन संपन्न

बलियापुर (ससे) : सुवरिया गांव में तीन दिवसीय अखंड हरि कीर्तन कार्यक्रम समापन हो गया। आयोजित कुंज मिलन समारोह में बांकुड़ा से आए मूल गायक सहदेव दास का प्रवचन सुनने के लिए लोगों की काफी भीड़ जुटी। कार्यक्रम के दौरान कुसमाटांड़ के रंग दल ने भी आकर्षक कीर्तन गायन प्रस्तुत किया। लोगों ने इसकी काफी सराहना किया। प्रखंड उप प्रमुख आशा देवी ने अखंड हरि कीर्तन कार्यक्रम में पहुंचकर गांव की सुख समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर आरती एवं ५२ भोग प्रसाद वितरण किया गया। कार्यक्रम को संपन्न कराने में गांव के १६ आना कमिटी के लोगों का योगदान रहा।

अनिश्चितकालीन धरना समाप्त

पुटकी (ससे) : जल का गंभीर समस्या को लेकर अनिश्चितकालीन धरनाप्रदर्शन धनबाद प्रखंड गरभूडीह में गोपीनाथडीह पंचायत के मुखिया कौशल्या देवी और रखाल दास गोपीनाथडीह पंचायत समिति सदस्य के नेतृत्व में दिया जा रहा था। विभाग द्वारा उच्च अधिकारी के निर्देशन में अतुल कुमार (कनीय अभियंता) के हाथों विभागीय पत्र देकर गोपीनाथडीह पंचायत के मुखिया कौशल्या देवी को जलापूर्ति प्रभार सौपा गया। जिसमें धनबाद जिला कांग्रेस अध्यक्ष संतोष सिंह का अहम्र योगदान रहा। मांग पूरी होने के बाद अनिश्चितकालीन धरना समाप्त हुआ।

महुदा जलापूर्ति योजना पर फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

महुदा (ससे) : सरकार गांवों तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के लाख दावे कर रही है, लेकिन बाघमारा के महुदा स्थित पाण्डेडीह गांव में हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। लाखों रुपये खर्च कर बनाई गई महुदा ग्रामीण जलापूर्ति योजना वर्षों बाद भी ग्रामीणों की प्यास नहीं बुझा सकी है। हालात यह हैं कि दोबारा उद्घाटन के बाद भी गांव के घरों तक पानी की एक बूंद नहीं पहुंची, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है। महुदा के सिंगड़ा पंचायत अंतर्गत पाण्डेडीह गांव में बीते ३ मई को बाघमारा विधायक शत्रुधन महतो ने नारियल फोड़कर जलापूर्ति योजना का दोबारा शुभारंभ किया था। उद्घाटन समारोह में पंचायत प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने दावा किया था कि अब गांव की जल समस्या दूर हो जाएगी। लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि उद्घाटन के अगले ही दिन से योजना बंद पड़ी है और आज तक किसी घर में पानी नहीं पहुंचा। ग्रामीणों के मुताबिक, इस योजना का निर्माण करीब पांच वर्ष पहले हुआ था। उस समय तत्कालीन विधायक और वर्तमान सांसद ढूलू महतो ने इसका शिलान्यास किया था। लेकिन योजना कभी भी सुचारू रूप से चालू नहीं हो सकी। लोगों ने कई बार विभागीय अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से शिकायत की, मगर समाधान नहीं निकला। इसी दौरान पदुगोड़ा रेलवे अंडरपास निर्माण में पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे डेढ़ साल तक जलापूर्ति पूरी तरह ठप रही। ग्रामीणों का आरोप है कि हालिया उद्घाटन से पहले टंकी और सड़क के बीच बनी नाली को तोड़कर मिट्टी से ढंक दिया गया। अब नाली का गंदा पानी सड़क पर बह रहा है, जिससे बदबू और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। सबसे गंभीर बात यह है कि इसी सड़क के पास आंगनबाड़ी केंद्र और राजकीय प्राथमिक विद्यालय मौजूद है, जहां छोटे बच्चों को रोज इस गंदगी के बीच गुजरना पड़ रहा है।

भूधंसान गलत माइनिंग का नतीजा : मंटू महतो

केन्दुआ (ससे) : संयुक्त मोर्चा के बैनर तले केंदुआ बाजार में संवाददाता सम्मेलन का आयोजन किया गया। संयुक्त मोर्चा के मंटू महतो ने कहा कि बीसीसीएल सीएमडी के बयान कई सवाल खड़ा करते हैं। कही डीसी रेलवे लाइन जैसी भयावह स्थिति तो केन्दुआ का नहीं है। उन्होंने सवाल किया कि, कितना हिस्सा (कहां से कहां तक) में आवागमन जोखिमपूर्ण है। संभावित जोखिम वाले हिस्से पर संबंधित विभाग का क्या योजना है, क्या उस क्षेत्र को नोटिस कर छोड़ दिया जाएगा या पूर्ण रूप से वहां आवागमन बंद कर फिर से उसे सुरक्षित कर चालू किया जाएगा।

साधारण ज्ञान से लगता है कि उस सड़क की मिट्टी काटकर आग/गैस हटाकर फिर मिट्टी भरकर सड़क को चालू किया जा सकता है। क्या वैज्ञानिक एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने जवाब दें दिया है कि वहां सुरक्षा का कोई उपाय नहीं बचा है। मानस चटर्जी ने कहा कि जन एच ३२ को असुरक्षित बनाने के लिए कौन जिम्मेदार है। गलत तरीके से माइनिंग ही इसका प्रमुख कारण है, अबतक सड़क धंसने के बाद संबंधित विभागों की क्या भूमिका रही।

बीसीसीएल एवं जिला प्रशासन के संबंधित विभाग इसका जवाब दे। ताकि इन क्षेत्रों के ग्रामीणों के बीच जो भय एवं असमंजस का माहौल है वो खत्म हो सके। यह भी आश्चर्य की बात है कि एक ही वक्त राजपूत बस्ती में गैस का रिसाव,भू धसान,सड़क का धंसना और उस सड़क को असुरक्षित बताना। ठीक उसी वक्त बीसीसीएल प्रबंधन के द्वारा केंदुआ को खाली करने के लिए उच्च न्यायालय में गुहार लगाना किसी बड़े षड्यंत्र का संकेत है। सर्व सम्मत से तय हुआ कि संयुक्त संघर्ष मोर्चा इस मुद्दे पर कानूनी लड़ाई लड़ने से लेकर सड़क तक जन आंदोलन करेगी। इस दौरान मुख्य रूप से नरेश पासवान, भगवान दास शर्मा, रविंदर गुप्ता, गणेश दास, राहुल गुप्ता, बद्री रविदास, (पार्षद) जितेंद्र गुप्ता, बलराम साव, राजेश मद्धेशिया, विमल वर्मा, राम लखन राम, विवेक झा आदि उपस्थित थे।

अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ नोटिस जारी

गोविंदपुर (ससे) : भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने जीटी रोड की जमीन का अतिक्रमण करने वाले लोगों के खिलाफ नोटिस जारी किया है गोविंदपुर बाजार क्षेत्र के जीटी रोड के दोनों और के लोगों को परियोजना निदेशक दुर्गापुर का नोटिस दिया गया है सभी को चार दिनों में नोटिस का जवाब देने का भी निर्देश दिया गया है प्राधिकरण की इस नोटिस से जीटी रोड की जमीन का अतिक्रमण करने वाले लोगों में हड़कंप है वहीं वैसे लोगों को भी नोटिस थमा दिया गया है जिन्होंने गत रोड की जमीन का अतिक्रमण नहीं किया है ऐसे लोगों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के खिलाफ आक्रोश है नागरिकों का कहना है कि उन्होंने अतिक्रमण कर रखा है उनके लिए तो नोटिस जायज है परंतु जिन्होंने प्राधिकरण की जमीन का १ इंच भी अतिक्रमण नहीं किया है। उन्हें नोटिस देना न्याय संगत नहीं है कौआबांध से लेकर रतनपुर तक जीटी रोड के दोनों किनारे रहने वाले लोगों को नोटिस दिया जा रहा है। गोविंदपुर बाजार क्षेत्र में कई लोगों को नोटिस दिया गया इस संबंध में संपर्क करने पर परियोजना निदेशक प्रमोद कुमार

महतो ने कहा कि एलिवेटेड रोड निर्माण के लिए प्राधिकरण अपनी पूरी जमीन को अपने कब्जे में लगा और निर्माण कार्य होगा जिन लोगों ने अतिक्रमण कर रखा है।

धनबाद जिला प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटा दिया जाएगा। प्रारंभिक चरण में सभी को नोटिस दिया जा रहा है और अतिक्रमण खुद हटाने की अपील की जा रही है यदि लोग खुद अतिक्रमण नहीं हटाएंगे तो प्राधिकरण जिला प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण हटा देगा।

उन्होंने कहा कि एलिवेटेड रोड निर्माण भारत सरकार के सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की एक महत्वाकांक्षी योजना है और इसमें सभी को सहयोग करना चाहिए उन्होंने कहा कि गोविंदपुर बाजार अमित जीटी रोड के विभिन्न इलाकों में प्राधिकरण की जमीन का लोगों ने जबरन कब्जा कर रखा है कहींकहीं होटल और गेराज भी जीटी रोड की जमीन पर ही चलाई जा रहे हैं जो उचित नहीं है भारत सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजना को देखते हुए अतिक्रमणकारियों को खुद अतिक्रमण हटा लेना चाहिए।

एसएसपी के निर्देश पर चला एंटी क्राइम चेकिंग अभियान

धनबाद (कासं) : वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार के निर्देश पर जिले भर में एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस की टीमों ने प्रमुख चौकचौराहों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष जांच अभियान चलाया। इस दौरान कुल १२१३ वाहनों की सघन जांच की गई। पुलिस द्वारा वाहनों के कागजातों का सत्यापन किया गया तथा वाहन चालकों से आवश्यक दस्तावेजों की जांच की गई। जिन वाहनों के कागजात सही नहीं पाए गए उन्हें आवश्यक निर्देश भी दिए गए और चालान भी काटा गया। इसके साथ ही चेकिंग के दौरान संदिग्ध व्यक्तियों की तलाशी ली गई और उनकी पहचान का सत्यापन किया गया। एसएसपी ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य अपराध पर नियंत्रण रखना, असामाजिक तत्वों पर नजर रखना और आम लोगों में सुरक्षा की भावना को मजबूत करना है।

पुलिस ने आम लोगों से अपील की है कि वे जांच के दौरान पुलिस का सहयोग करें और सभी आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें।

कोल डंप में कोयला की मांग को ले असंगठित मजदूर आंदोलन पर

कतरास (ससे) : बीसीसीएल के नदखुरकी कोलडंप में पर्याप्त मात्रा में कोयला उपलब्ध कराने की मांग को लेकर असंगठित मजदूरों ने ब्लॉक दो क्षेत्र का कार्य बाधित कर दिया। मजदूरों ने १४ नंबर हाजिरी घर, अंधा मोड़ के समीप प्रबंधन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

अंसगठित मज़दूर नेता जुलूस राम का कहना है कि बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा उचित मात्रा में कोयला उपलब्ध नही करवाने से कोयला लदाई का कार्य लगभग ठप है। कोयला के अभाव से नदखुरकी कोलडंप के लगभग सात सौ मजदूरों के समक्ष भूखमरी का संकट उत्पन्न हो गया है। जबकि २५ से ३० टन प्रतिदिन डिस्पेंज हैं, लेकिन ठीक से एक ट्रक भी लोड नहीं होता हैं। मजदूर जब भी हक और अधिकार की लड़ाई लड़ते हैं, तो उन्हें झूठा केस में फसाया जाता हैं। जब तक कोयला उपलब्ध नहीं होगा कार्य बाधित रहेगा। मौके पर कैलाश राम, शिवशंकर दास, संजय भुईया, उपेंद्र दास, लछुआ देवी, ननका देवी, कुंती देवी सहित कई अन्य लोग मौजूद थे।

वेंडिंग जोन में दुकानों का आवंटन पूरा

धनबाद (कासं) : कोर्ट के समीप स्थित कोहिनूर मैदान वेंडिंग जोन में छोटे विक्रेताओं को बसाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। नगर निगम द्वारा विगत ७ मई को लॉटरी के माध्यम से १७७ छोटे विक्रेताओं को दुकानों का आवंटन किया गया।

इसी को लेकर कोर्ट रोड पर ठेला लगाकर सामान बेचने वाले विक्रेताओं ने अपनी समस्याएं सामने रखीं। विक्रेता अजय साव ने बताया कि वेंडिंग जोन तक पहुंचने के लिए एप्रोच रोड तो बना दिया गया है, लेकिन पहले आवंटित दुकानों में कई लोगों ने ताला लगा रखा है। ऐसे में नए विक्रेताओं के सामने सामान रखने और दुकान शुरू करने की समस्या बनी हुई है।

उन्होंने कहा कि पहले भी कई विक्रेताओं ने वहां कारोबार शुरू करने की कोशिश की थी, लेकिन ग्राहकों की कमी के कारण नुकसान उठाना पड़ा। अब उन्हें अपनी रोजीसेटी और बच्चों की पढ़ाई की चिंता सता रही है।

वहीं विक्रेता बप्पी घोष ने कहा कि नगर निगम ने कोर्ट रोड पर ठेला लगाने से मना कर दिया है और वेंडिंग जोन में शिफ्ट होने को कहा है, लेकिन अब तक दुकानों का वास्तविक हस्तांतरण नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि केवल नाम घोषित कर देने से समस्या का समाधान नहीं होगा। इस पूरे मामले पर मेयर संजीव सिंह ने कहा कि वेंडिंग जोन के संचालन से कोर्ट रोड पर जाम और पार्किंग की समस्या कम होगी। नगर निगम की प्राथमिकता छोटे विक्रेताओं और आम लोगों की सुविधा है। उन्होंने बताया कि ग्राहकों की सुविधा के लिए वेंडिंग जोन तक पहुंचने हेतु एप्रोच रोड भी तैयार किया गया है।

श्री श्री रविशंकर जी का जन्मोत्सव मना

धनबाद (कासं) : आर्ट ऑफ लिविंग, धनबाद परिवार द्वारा गुरुदेव परम पूज्य श्री श्री रविशंकर जी के ७०वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में धनबाद शहर में विभिन्न सेवा गतिविधियों, गुरु पूजा एवं भव्य सत्संग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रात:काल रणधीर वर्मा चौक, कोर्ट मोड़ में लगभग ५ हजार लोगों के बीच छाछ वितरण सेवा की गई, जिसमें बड़ी संख्या में स्वयंसेवकों एवं साधकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इसके उपरांत गोविंदपुर स्थित निर्मला कुष्ठ सेवा केंद्र एवं सुगियाडीह के लालमणि वृद्धाश्रम में भोजन, मिठाई एवं स्नैक्स वितरण के साथ वरिष्ठ नागरिकों के साथ केक काट कर जन्मोत्सव मनाया गया।

सायंकाल राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, बैंक मोड़, धनबाद में भव्य सत्संग, गुरु पूजा, भजन, ध्यान एवं प्रसाद वितरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में धनबाद एवं आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या

में साधकों, भक्तों एवं स्थानीय नागरिकों ने भाग लिया। वातावरण भक्ति, आनंद एवं गुरु कृपा से ओतप्रोत रहा।

कर्णप्रिय भजनों से सत्संग को राजेश टंडन ने लोगों को भावविभोर कर दिया और गुरु के प्रति सभी अनुयायियों ने अपना आभार एवं प्रेम प्रकट किया। इस पूरे कार्य का संचालन द आर्ट ऑफ लिविंग के वरीय प्रशिक्षक मयंक सिंह कर रहे थे। उन्हें सहयोग के लिए विशेष रूप से राजकमल सरस्वती विद्यामंदिर के प्रेसिडेंट बिनोद तुलस्यान एवं प्रधानाचार्य सुमंत मिश्रा का सहयोग प्राप्त हुआ।

साथ ही टीएओएल प्रशिक्षिका सोनाली सिंह, अनुप्रिया गुप्ता, अनामिका गोयल, प्रशिक्षक पंकज सिंह, मनी शंकर के साथ अनेक स्वयंसेवकों ने सक्रिय भूमिका निभाई। इनमें प्रमुख रूप से अरुमिका घोष, सूतापा मंडल, बबिता सिंह राजपूत, निर्मला गुप्ता, विक्रम सिंह, नवल किशोर सिंह, अपर्णा दास आदि का उल्लेखनीय योगदान रहा। कार्यक्रम के माध्यम से आर्ट ऑफ लिविंग परिवार ने सेवा, साधना एवं सत्संग के द्वारा गुरुदेव के संदेश -तनाव मुक्त एवं हिंसा मुक्त समाज को जनजन तक पहुँचाने का संकल्प दोहराया।

12वीं की रिजल्ट में राजकमल ने लहराया परचम

धनबाद (कासं) : राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर अशोकनगर धनसार धनबाद ने १२वीं परीक्षा परिणाम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सबों को पीछे छोड़ दिया है। इस सफलता पर विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने मीडिया को बताया कि मुझे अपने होनहारों पर गर्व है। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा परिणाम के बाद आप जीवन के उस मोड़ पर खड़े हैं जहां से आपके सुनहरे भविष्य की असली शुरुआत होती है। अपने सपनों का पीछा करें। प्राचार्य श्री मिश्रा ने यह भी कहा कि मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यालय से प्राप्त शिक्षा और संस्कार आपके जीवन के हर क्षेत्र में सफलता दिलाएंगे। १२वीं विज्ञान में ९६ प्रतिशत अंक लाकर मानसी टॉपर बनी वहीं १६ विद्यार्थियों ने ९० एवं उससे अधिक अंक प्राप्त किया। जिनमें शौर्य गुप्ता ९५.६, शायम ९४.८, तृषा ९४.६, ऋषभ ९२.८, भव्य ९१.६, शुभाशीष ९१.६, शांभवी ९१.२, आर्यन ९१.२, आदर्श ९१, रौशन ९०.४, वैष्णवी ९०.२, मौसमी ९०.२, अंकुश ९० एवं शिवेंद्र तिवारी ९० शामिल है।

वाणिज्य में यशिका अग्रवाल ९७ अंक लाकर टॉपर बनी वहीं २२ विद्यार्थियों ने ९० एवं उससे अधिक अंक प्राप्त किए जिनमें सृष्टि ९६.४, प्राची कुमारी ९५.८, इकवाली जैन ९५.४, अभिषेक खंडेलवाल ९५.४, शांभवी सिंह ९४.८, वैष्णवी ९४.६, संकेत गोयल ९३.८, रुचि ९३.४ अनन्य प्रियांशु ९३.४, रूद्र राणा ९३.४, शुभ अग्रवाल ९२.८, अदिति ९१.८, श्रुति जयसवाल ९१.८, तन्मय चौहान ९१.६, रुद्र प्रताप सिंह ९०.६, इशिका अग्रवाल ९०.४, नैतिक मोदी ९०.४, सोहन कुमार ९०.४, जरा करीम ९०.२, विवेक ठाकुर ९०.२, एवं ईशान कुमार राय ९०.२ के नाम शामिल है। कला संकाय में सृष्टि कुमारी ९८ अंक लाकर टॉपर बनी वहीं १२ छात्राओं ने ९० एवं उससे अधिक अंक प्राप्त किए जिनमें अंशिका कुमारी ९७.८, ईशा कुमारी गुप्ता ९७.६, अनुष्का सर्खेल ९६, अंकिता कुमारी ९४.८, संस्कृति गुप्ता ९३.२, श्रेया सिंह ९२, प्रार्थना कुमारी ९२, ट्विंकल कुमारी ९२, टिया तिवारी ९१.२, जोया मुस्कान ९१.२, पल्लवी सरोज ९०.८, के नाम शामिल है।

इस उपलब्धि पर विद्यालय के संरक्षक शंकर दयाल बुधिया, अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान, उपाध्यक्ष रविंद्र कुमार पटनिया, सचिव संजीव अग्रवाल, सहसचिव दीपक रुइया, कोषाध्यक्ष चंद्रशेखर अग्रवाल, समिति के कई अधिकारी गण एवं सदस्यों के साथ साथ विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, उपप्राचार्य मनोज कुमार, उप प्राचार्या लीला सिंह समेत समस्त शिक्षक शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

भ्रष्ट कुलपति शिक्षा का व्यापार कर रहें हैं : हरीश अहमद मिनहाज

नई दिल्ली (ससे): भारत में कुलपति की नियुक्ति हमेशा विवादों में रहा है। क्योंकि कुलपति की नियुक्ति सीधे तौर पर राजपाल के द्वारा होता है। केंद्र की सत्ता में आज के मंत्री या पदाधिकारी कल के राज्यपाल होते हैं। राजनीतिक प्रभाव या दबाव और प्रबल राजनीतिक इच्छाशक्ति के पृष्ठभूमि से आने वाले व्यक्ति कि धोर मंशा रहती है कि मैं आमुक विश्वविद्यालय का कुलपति बनुं। और कई राज्यपाल भी अपने प्रिय पात्र को कुलपति नियुक्त करते भी हैं। भले ही वे दक्षता या पात्रता नहीं रखते हों धन या शीर्ष राजनीतिक सिफारिशों से कुलपति नियुक्त हो भी जाते हैं। और यहीं से राज्य सरकार और राज्यपाल की शक्ति का टकराव जनमानस के पटल पर देखने को निरंतर मिलता रहता है। हालांकि कई राज्य सरकारों ने राज्यपाल को चांसलर के रूप में हटाने के लिए नए विश्वविद्यालय कानून बनाए हैं। राज्यपाल पर लोकतांत्रिक मानदंडों को दरकिनार करने और संघीय सिद्धांतों को कमजोर करने का आरोप लगाता रहा है। यही प्रकरण राज्य प्रशासन में राज्यपालों की भूमिका को लेकर केंद्र और राज्य के बीच लगातार टकराव को दर्शाता है और साथ ही इस बात पर बहस छिड़ी रहती है कि क्या राज्यपाल को कुलाधिपति के रूप में विश्वविद्यालय के मामलों पर स्वायत्त नियंत्रण रखना चाहिए ?

सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय है कि कुलपतियों की नियुक्ति विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की विनिमय २०१८ के अनुसार ही होना चाहिए। जिसमें कहा गया है कि सर्वोच्च योग्यता सत्यनिष्ठा,नैतिकता और संस्थागत प्रतिबद्धता रखने वाले व्यक्ति को ही कुलपति के रूप में नियुक्त किया जाना चाहिए। यूजीसी विनियमों के अनुसार यदि राज्य का कानून यूजीसी के दिशा निर्देशों से मेल नहीं खाता है तो कुलपति की नियुक्ति अवैध मानी जाएगी।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियमों के अनुसार कुलपति की नियुक्ति तीन सदस्यीय खोज सह चयन समिति के माध्यम से होना चाहिए। जिसमें एक सदस्य विश्वविद्यालय की कार्यकारी परिषद दूसरा राज्यपाल या कुलाधिपति द्वारा तीसरा यूजीसी द्वारा नामित व्यक्ति के द्वारा ही होना चाहिए। अभी ताजा मामला सीजा थॉमस बनाम केरल सरकार मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने केरल सरकार द्वारा नियुक्त कुलपति की नियुक्ति को अमान्य ठहराया क्योंकि वह विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के मानदंडों के अनुरूप नहीं थी।

अकादमी पृष्ठभूमि के बिना कुलपतियों की नियुक्ति शिक्षण, अनुसंधान और विश्वविद्यालय प्रशासन में महत्वपूर्ण अनुभव रखने वाले सफल शिक्षाविद ही कुलपति बनने के योग रहे हैं। इस मानदंड से यह सुनिश्चित होता था कि संस्थानों का संचालन करने के लिए चुने गए व्यक्ति अकादमिक मूल्यों, संस्थागत प्रशासन और प्रोफेसरों और छात्रों के सामने आने वाली चुनौतियों को समझते हो। राधाकृष्णन आयोग (१९४८), कोठारी आयोग (१९६४ - १९६६) ज्ञानम समिति (१९९०) और रामलाल पारिख समिति (१९९३) की रिपोर्ट ने समय-समय पर आवश्यक परिवर्तनों को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय की गुणवत्ता और प्रासंगिकता को बनाए रखने के साथ-साथ इसके विकास और प्रगति में कुलपति की भूमिका के महत्वपूर्ण तत्वों को उजागर किया है।

रांची विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति के बाद झारखंड मुक्ति मोर्चा लगातार विरोध कर रहा है झारखंड मुक्ति मोर्चा का आरोप है कि राज्य से बाहर के लोगों को लाकर राज्यपाल कुलपति की कुर्सी दे रहे हैं। राज्यपाल भाजपा के इशारे पर काम कर रहे हैं। राज्यपाल भाजपा और आरएसएस के कार्यालय से ही उनके प्रेषित नामों को अनुमोदित कर कुलपति बना रहे हैं।

अभी हाल ही में बिहार से केरल में बनाए गए राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर (अभी तमिलनाडू के राज्यपाल) ने राज्य सरकार से मंत्रणा लिए बगैर अपनी मनमर्जी से कई विश्वविद्यालयों में कुलपति नियुक्त किया है। केरल के शिक्षा राज्य मंत्री इसे आलोकतांत्रिक बताते हुए सरकार के अधिकार क्षेत्र में हस्तक्षेप बताया है।

केरल , २०२१ में तत्कालीन राज्यपाल रहे आरिफ मोहम्मद खान ने कुलपति के पुनर्नियुक्ति का विरोध किया था। राज्य ने राज्यपाल के स्थान पर कुलाधिपति का पद संभालने के लिए एक विधेयक पारित किया है, जो राष्ट्रपति की मंजूरी का इंतजार कर रहा है।

पश्चिम बंगाल , राज्यपाल द्वारा एकतरफा रूप से की गई अंतरिम कुलपति नियुक्तियों को लेकर विवादों के समाधान में सर्वोच्च न्यायालय में मामला लंबित है। राज्यपाल की जगह मुख्यमंत्री को कुलाधिपति बनाने के राज्य विधानसभा के प्रस्ताव को राज्यपाल की सहमति न मिलने के कारण रोक दिया गया है।

कर्नाटक , प्रस्तावित विधायी सुधारो का उद्देश्य राज्यपाल को कुलाधिपति पद से हटाना है। विधेयक अनुमोदन की प्रतीक्षा में है।

महाराष्ट्र , २०२२ में नई सरकार के तहत कुलपति की नियुक्ति में राज्यपाल की भूमिका को सीमित करने के प्रयास भी अधर में है।

तमिलनाडु , डीएमके के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा राज्यपाल की मंजूरी के बिना कुलपतियों की नियुक्ति के प्रयास अभी भी अवरुध्द है। अतः ऐसे अनेको अनगिनत उदाहरण हैं जो शैक्षणिक ललाट पर कलंक है।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा कुलपतियों की नियुक्ति संबंधी भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली में शैक्षणिक स्वायत्ता और संस्थागत स्वतंत्रता के हनन को लेकर व्यापक चिंताएं उत्पन्न की गई है। शैक्षणिक निर्णय लेने में राजनीतिक और प्रशासनिक हस्तक्षेप को रोकने के लिए भारतीय विश्वविद्यालययों को ऐतिहासिक रूप से एक निश्चित स्तर की स्वायत्तता प्राप्त रही है। इस स्वायत्तता के सबसे महत्वपूर्ण संकेतकों में से एक कुलपतियों की नियुक्ति है, जो संस्थाओं के शैक्षणिक दिशा निर्देश और संचालन को निर्धारित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसी नियुक्तियां अकादमिक वातावरण को खतरे में डाल सकती है। क्योंकि, उच्च शिक्षा के बारे में पर्याप्त ज्ञान न रखने वाले लोग प्रशासनिक या राजनीतिक उद्देश्यों को अकादमिक प्रदर्शन से ऊपर रख सकते हैं। विश्वविद्यालय की स्वायत्तता में गिरावट के बारे में और भी अधिक चिंताएं पैदा करता है और देश भर के उच्च शिक्षा संस्थानों की गुणवत्ता और वैधता को खतरे में डाल सकता है।

कुलपति के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक विश्वविद्यालय के प्रशासन का प्रबंधन और संगठन करना है। इसमें छात्र प्रबंधन, मानव संसाधन, वित्त और अवसंरचना जैसे विभिन्न प्रशासनिक क्षेत्र का समन्वय शामिल है। कुलपति यह सुनिश्चित करते हैं कि प्रशासनिक प्रक्रियाएं कुशलतापूर्वक चले और कर्मचारियों को उचित सहयोग प्राप्त हो। कुलपति विश्वविद्यालय बोर्ड की ओर से कार्य करते हैं और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों के सर्वोच्च प्रमुख होते हैं। इस पद में विश्वविद्यालय के विकास और उनकी गतिविधियों की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करने की समग्र जिम्मेदारी कुलपति में निहित है।

आयें दिन शिक्षा के मंदिरों में जिस तरह की घटनाएं देखने को मिल रही है यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि कहीं ना कहीं कुलपति चयन प्रक्रिया में आमूल चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। पहले कुलपतियों पर इक्का-दुक्का आरोप ही देखने को मिलते थे तथा इन आरोपों के चलते नैतिकता के आधार पर कुलपति पद भी छोड़ देते थे लेकिन वर्तमान में विश्वविद्यालयों के अधिकतर कुलपतियों पर अनियमिताएं करने और भ्रष्टाचार एवं पक्षपातपूर्ण व्यवहार के आरोप लगना आम बात हो गई है। इससे बड़ा दुर्भाग्य और विडंबना क्या होगी कि जिनके हाथों में शिक्षा के मंदिरों की कमान हैं उन्हें भ्रष्टाचार और अनियमिताओं के आरोप में जेल तक जाना पड़ रहा है।

बिहार में नई सरकार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी , नए राज्यपाल सैयद अता हसनैन की जितनी भी प्रशंसा की जाए वह कम है। राज्यपाल अपने पद पर स्थापित होते ही राज्य के सभी कुलपतियों की नीतिगत फैसले पर रोक लगा दी। यह एक स्वागतयोग और बिहार में शिक्षा का आमूल चूल परिवर्तन की दिशा में धोर नितांत आवश्यकता थी। बिहार की कुल ८९२ महाविद्यालयों पर आधारित २१ विश्वविद्यालयों की शिक्षा का कायाकल्प करने की दिशा में यह एक स्वागतयोग कदम है। मगध विश्वविद्यालय अपने ६४ वें वर्ष के क्रम में ३१ कुलपतियों में से लगभग २५ पर वित्तीय अनियमितता का दोषी और भ्रष्ट पाए गए तो कई जेल और सुप्रीम कोर्ट के दरवाजें तक पहुंचे।

बिहार जो कभी शिक्षा का विश्व स्तंभ हुआ करता था , जो आर्यभट्ट ने दुनिया को शून्य दिया। नालंदा जो कभी विश्व में शिक्षा का केंद्र था, तो भगवान बुद्ध ने मगध की धरती से दुनिया को अहिंसा का मंत्र दिया , आज इसी बिहार में शिक्षा का स्तर निरंतर गिरा है। कई महीनों से बिहार के १५ विश्वविद्यालयों में प्रति कुलपति और चार विश्वविद्यालय में कुलपति का पद रिक्त है। मगध विश्वविद्यालय में भी कई महीनों से कुलपति का कार्यकाल खत्म होने के बाद पुनः सेवा विस्तार दिया गया है। शिक्षा की गुणवत्ता और उत्कृष्टा हेतु यह अति आवश्यक है कि किसी भी कुलपति को दोबारा पदस्थापित नहीं किया जाए। राजनीतिक पृष्ठभूमि से आने वाले व्यक्ति को कदापि कुलपति के पद पर सुशोभित नहीं होना चाहिए। अकादमिक धरातल वाले कुलपति ही शिक्षा का अलख और ज्योत प्रकाशमय कर सकते हैं। अन्यथा , राजनीतिक इच्छाशक्ति से वशीभूत और परिपूर्ण लोग पी.एच.डी. के नाम पर शिक्षा का बाजारीकरण करने मे लेश मात्र भी संकोच और लज्जित नहीं हो पाऐगें।

समाचार पत्रों में खुद को प्रायोजित करने में , सरकारी गलियारों में स्वयं को स्थापित करने में, दलगत राजनीति का परिक्रमा करने में , धार्मिक अनुष्ठान की बैशाखी तलें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का दुरुपयोग मात्र अपने हित में प्रयोग करने मे बाज़ नहीं आऐगें।

समय की मांग है कि विश्वविद्यालयों में ऐसे कुलपति नियुक्त हों जो वास्तव में पारदर्शिता, निष्पक्षता,ईमानदारी एवं सर्वोच्च नैतिकता के साथ आचरण करें एवं विश्वविद्यालय के सर्वोत्तम हित में निर्णय लें। कुलपति को पारदर्शिता, निष्पक्षिता, ईमानदारी, सर्वोच्च नैतिकता के साथ आचरण करने एवं विश्वविद्यालय के सर्वोत्तम हित में निर्णय लेने के लिए है। कुलपति का चयन करते समय अकादमिक उपलब्धियां के साथ-साथ संबंधित संस्था से ईमानदारी, नैतिकता एवं संवेदनशीलता के संबंध में गोपनीय जानकारी भी हासिल की जानी चाहिए। क्योंकि , किसी भी शिक्षक के बारे में सही जानकारी उनके छात्र एवं वह लोग ही दे सकते हैं जो वर्षों से उनके साथ कार्य कर रहे हैं। जब तक की चयन करने वाले लोगों एवं संस्थाओं को जवाबदेह नहीं बनाया जाएगा तब तक शिक्षा मे गुणवत्ता नही हो सकती। उधारणस्वरूप जिस तरह मोटर वाहन अधिनियम २०१९ में नाबालिक द्वारा वाहन चलाने पर अभिभावक को दोषी माना जाएगा ठीक इसी तरह कुलपति बनाने वालों की , तीन सदस्यीय खोज सह चयन समिति अनुशंसा करनें वालों पर जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

फूड पॉइजनिंग की घटनाओं के बाद जिला प्रशासन अलर्ट

गिरिडीह (ससे): आम जनमानस के स्वास्थ्य एवं खाद्य सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी, श्री रामनिवास यादव द्वारा खाद्य व्यवसाय संचालकों, स्ट्रीट फूड विक्रेताओं तथा फल विक्रेताओं के लिए महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। हाल के दिनों में विभिन्न समाचार माध्यमों में गुपचुप, पानीपुरी एवं अन्य खुले खाद्य पदार्थों के सेवन से फूड पॉइजनिंग की घटनाएं सामने आने के बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए सख्त कदम उठाने का निर्णय लिया है। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं किया जाएगा। विशेष रूप से गुपचुप, पानीपुरी, चाट, फास्ट फूड, ठेला एवं फुटपाथ दुकानदारों सहित सभी स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को खाद्य सुरक्षा मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने का निर्देश दिया गया है।

प्रशासन द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि खाद्य सामग्री तैयार करने में केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल का उपयोग किया जाए। खाद्य पदार्थों को साफ-सुथरे वातावरण में तैयार एवं सुरक्षित तरीके से संग्रहित करना अनिवार्य होगा। मसाले, आलू, चटनी एवं अन्य उपयोग में आने वाली सामग्री की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी, ताकि किसी भी प्रकार के संक्रमण अथवा खाद्य जनित बीमारी की संभावना न रहे। इसके अतिरिक्त ग्राहकों को खाद्य सामग्री परोसते समय दस्ताने (ग्लव्स) का उपयोग करना आवश्यक बताया गया है। विक्रेताओं को व्यक्तिगत स्वच्छता बनाए रखने हेतु साफ कपड़े, एप्रन, मास्क एवं कैप का उपयोग करने का निर्देश दिया गया है। साथ ही खाद्य पदार्थों को सदैव ढककर रखने तथा दुकान एवं आसपास के परिसर की नियमित सफाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। प्रशासन ने यह भी निर्देश दिया है कि बासी, खराब अथवा दूषित खाद्य सामग्री का तत्काल निस्तारण किया जाए तथा केवल ताजा एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री का ही विक्रय किया जाए। खाद्य रंग, फ्लेवर एवं अन्य रसायनों का उपयोग केवल ऋडड-ख मानकों के अनुरूप ही किया जा सकेगा। पैक्ड खाद्य सामग्री बेचने वाले व्यवसायियों को लाइसेंस नंबर, निर्माण तिथि एवं अन्य आवश्यक विवरण अंकित करना अनिवार्य होगा। फल विक्रेताओं के लिए भी विशेष दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट रूप से कहा है कि फलों को कृत्रिम रूप से पकाने हेतु कैल्शियम कार्बाइड जैसे हानिकारक रसायनों का प्रयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है। ऐसे रसायनों का उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक माना जाता है। निरीक्षण के दौरान यदि किसी विक्रेता द्वारा इस प्रकार के रसायनों का उपयोग पाया जाता है तो संबंधित के विरुद्ध विधिसम्मत एवं कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

उपायुक्त, श्री रामनिवास यादव ने बताया कि समय-समय पर खाद्य प्रतिष्ठानों, ठेला दुकानों एवं बाजार क्षेत्रों में विशेष जांच अभियान चलाया जाएगा। निरीक्षण के दौरान खाद्य पदार्थों के नमूने जांच हेतु संग्रहित किए जाएंगे। यदि कोई विक्रेता खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करते हुए पाया गया तो उसके विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, २००६ के तहत कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। प्रशासन ने सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों एवं विक्रेताओं से अपील की है कि वे नियमों एवं मानकों का पूर्ण पालन करें तथा सुरक्षित, स्वच्छ एवं गुणवत्तायुक्त खाद्य सामग्री उपलब्ध कराएं। जनता से भी अपील की गई है कि वे स्वच्छ एवं प्रमाणित स्थानों से ही खाद्य सामग्री खरीदें तथा किसी प्रकार की शिकायत होने पर संबंधित विभाग को सूचित करें।

वैश्विक ऊर्जा संकट गहराया, कई देशों में फ्यूल राशनिंग, भारत में भी आशंका

नई दिल्ली,(ईएमएस): ईरान युद्ध और मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने दुनिया को फिर बड़े ऊर्जा संकट की ओर धकेल दिया है। तेल आपूर्ति मार्गों में बाधा आने से कई देशों में पेट्रोल, डीजल और गैस की उपलब्धता गंभीर रूप से प्रभावित हुई है। इसके बाद फ्यूल राशनिंग यानी ईंधन पर कोटा सिस्टम लागू होने की आशंका बढ़ गई है, जहां सरकारें नागरिकों के लिए पेट्रोल-डीजल खरीदने की एक तय सीमा निर्धारित करती हैं। इसके तहत क्यूआर कोड, कूपन या ऑड-ईवन जैसे नियमों से सीमित ईंधन का समान वितरण सुनिश्चित होता है।

दुनिया के कई देशों में यह व्यवस्था पहले ही लागू हो चुकी है। श्रीलंका में नेशनल फ्यूल पास सिस्टम के जरिए कारों के लिए साप्ताहिक १५-२५ लीटर और बाइक के लिए ५ लीटर तक की सीमा तय है। पाकिस्तान में स्थिति और गंभीर है, जहां एक बार में सिर्फ पांच लीटर तक ईंधन देने की व्यवस्था है और सरकारी कर्मचारियों के लिए चार दिन कार्य सप्ताह भी लागू है। बांग्लादेश ने ऊर्जा बचाने के लिए स्कूलों को ऑनलाइन मोड में शिफ्ट किया है और बिजली कटौती बढ़ा दी है, वहीं म्यांमार में ऑड-ईवन नियम के तहत पेट्रोल वितरण हो रहा है।

वहीं यूरोप के विकसित देश भी इस संकट से अछूते नहीं हैं। फ्रांस के कुछ इलाकों में क्यूआर कोड के आधार पर हफ्ते में १५-२० लीटर तक सीमित मात्रा में पेट्रोल मिल रहा है, जबकि जर्मनी में कुछ पेट्रोल पंपों पर एक बार में केवल १० लीटर तक ही तेल दिया जा रहा है। स्लोवेनिया में निजी चालकों के लिए साप्ताहिक ५० लीटर का कोटा तय है, जबकि केन्या ने घरेलू आपूर्ति बचाने के लिए तेल के निर्यात पर ही प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी तक केंद्र सरकार की ओर से कोई आधिकारिक राशनिंग लागू नहीं हुई है। हालांकि, कई शहरों में पेट्रोल पंप संचालकों ने अपने स्तर पर बिक्री सीमित करनी शुरू कर दी है, जिससे बाइक चालकों को सीमित राशि तक और कार चालकों को पूरी टंकी भराने में परेशानी आ रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि अंतरराष्ट्रीय हालात और बिगड़ते हैं, तब भारत में भी क्यूआर कोड आधारित खरीद या सीमित ईंधन वितरण जैसी व्यवस्थाएं लागू की जा सकती हैं। फिलहाल, सरकार और विशेषज्ञ दोनों ही लोगों से ईंधन की बचत, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग और गैरजरूरी यात्राओं से बचने की अपील कर रहे हैं।

राजकीय सम्मान के साथ होगा स्व. माधव लाल सिंह का अंत्येष्टि

बोकारो (ससे): भूतपूर्व मंत्री, बिहार सरकार/झारखण्ड सरकार-सह-पूर्व विधायक, गोमिया विधानसभा क्षेत्र स्व० माधव लाल सिंह की अंत्येष्टि राजकीय सम्मान के साथ किए जाने का निर्णय राज्य सरकार द्वारा लिया गया है। इस संबंध में झारखण्ड सरकार, मंत्रिमण्डल सचिवालय एवं निगरानी विभाग (समन्वय) द्वारा आदेश जारी किया है। जिसके बाद जिला प्रशासन ने राजकीय सम्मान के अनुरूप अंत्येष्टि की तैयारियां शुरू कर दी हैं। स्वयं उपायुक्त अजय नाथ झा इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। उधर, उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि पूर्व मंत्री सह गोमिया विधायक माधव लाल सिंह के निधन का समाचार बोकारो जिले के लिए अत्यंत दुःखद है। स्व. माधव लाल सिंह ने सार्वजनिक जीवन में रहकर जनसेवा, सामाजिक समरसता एवं क्षेत्र के विकास हेतु महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उनका निधन *समाज एवं सार्वजनिक जीवन के लिए अपूरणीय क्षति है। जिला प्रशासन दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करता है तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

जिला परिवहन पदाधिकारी का कार्यालय, जामताड़ा
(समाहरणालय, जामताड़ा परिसर)
dto-jamtara@jharkhandmail.gov.in

–:सूचना:–

एतद् द्वारा जामताड़ा जिला अन्तर्गत ऐसे डीलर्स/वाहन बिक्रेता जो पंजीकृत वाहनों (Pre-owned) की खरीद–बिकी के व्यवसाय से जुड़े हैं, को सूचित किया जाता है कि MoRTH GSR 901(E) दिनांक 22.12.2025 तथा CMVR के नियम 51A से 51H के प्रावधानानुसार जिले में अवस्थित डीलर्स जो पंजीकृत वाहनों की खरीद –बिकी के व्यवसाय से जुड़े हुए हैं ,को परिवहन विभाग से प्राधिकार प्रमाण पत्र प्राप्त करना अनिवार्य है। प्राधिकार प्रमाण पत्र हेतु परिवहन विभाग द्वारा निर्गत विहित प्रपत्र 29A में Electronic रूप से आवेदन दिया जाना है । बगैर प्राधिकार पत्र प्राप्ति के पंजीकृत वाहनों (Pre-owned) की खरीद –बिकी करना गैरकानूनी है।

अतः ऐसे सभी डीलर्स /वाहन बिक्रेता को निदेश दिया जाता है कि सूचना प्रकाशन की तिथि से 7 (सात) दिनों के अन्दर प्राधिकार पत्र हेतु विहित प्रपत्र में विधिवत आवदेन करना सुनिश्चित करेंगे। बगैर प्राधिकार पत्र के पंजीकृत वाहनों (Pre-owned) की खरीद –बिकी करते हुए पाये जाने पर आपके विरूद्ध नियमसंगत कार्रवाई की जायेगी।

जिला परिवहन पदाधिकारी,
जामताड़ा

PR 379647 (Transport)26-27*D अत्यावश्यक।

Office of the
District Social Welfare Officer, Dhanbad
Notice Inviting RFP FOR
SELECTION OF AGENCY FOR RATE CONTRACT OF
ANGANWADI CENTERS OF DHANBAD DISTRICT
INTO SMART MODEL
ANGANWADI CENTERS IN DHANBAD",
GOVT.OF JHARKHAND

RFP No:- 01 Opening date:-12-05-2026
Issue Date:- 12-05-2026 Closing date:- 02-06-2026

District Social Welfare Officer, Dhanbad, Govt. of Jharkhand intends for Rate Contract of Upgradation of Anganwadi Centers of Dhanbad into Smart Model Anganwadi Centers across Dhanbad. The department intends to select well-known agencies to participate in the bidding process. The primary objective is to facilitate the Upgradation of Anganwadi Centers across Dhanbad District into Smart Model Anganwadi Centers. The proposed work and items are intended to create a child-friendly, safe, and stimulating environment that enhances learning engagement, improves comfort, and supports holistic development of children.

The Bid document can be downloaded from the website (https://gem.gov.in)and the responses for this Request for Proposal (RFP) shall be deemed to have done after careful study and examination of this document. The bids are to be submitted as soft copy on https://gem.gov.in portal on or before the closing date. Detailed information regarding important dates, address for submission of bid, Material Supply List (MSL), Total Bill of Material (BOM), Quantity, Delivery Location and other requisite is available in the information Factsheet of this Bid Document.

Sd/-
District Social Welfare Officer,
Dhanbad

PR.NO.379701 Social Welfare,Women and Child Development(26-27):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद

अतिअल्पकालीन कोटेशन आमंत्रण सूचना।

धनबाद जिला अन्तर्गत लघु सिंचाई प्रमंडल, धनबाद द्वारा माननीय सांसद श्री ढुलू महतो धनबाद लोकसभा (18 वीं0) क्षेत्र के द्वारा वित्तीय वर्ष 2025–26 में सांसद मद से "समर्पण एक नेक पहल" के द्वारा सार्वजनिक उपयोग के लिए मरिजों के सुविधा हेतु 01 (एक) अदद एम्बुलेंस (Four Wheelers) आपूर्ति हेतु अल्पकालीन कोटेशन आंमत्रित किया जाता है।

क्र0 सं0	सामग्री का नाम एवं माप दण्ड	संख्या	कोटेशन प्राप्त करने की तिथि एवं स्थान	प्राप्त कोटेशन खोलने की तिथि एवं समय
1	2	3	4	5
01	एक अदद एम्बुलेंस (Four Wheelers)	01	दिनांक 22.05.2026 को 10:00 बजे से 2:00 बजे अपराह्न तक, कार्यालय लघु सिंचाई प्रमण्डल, धनबाद।	दिनांक 22.05.2026 को 3:00 बजे अपराह्न

कार्यपालक अभियंता,
लघु सिंचाई प्रमण्डल धनबाद।

PR.NO.379705 Minor Irrigation(26-27):D

कार्यालय फुसरो नगर परिषद (बोकारो)।

-: आम सूचना :-

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर विकास एवं आवास विभाग,झारखण्ड,राँची के अधिसूचना संख्या–1315 राँची,दिनांक–27.04.2026 द्वारा झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 434, झारखण्ड क्षेत्रीय प्राधिकार अधिनियम, 1981 (अंगीकृत 2001) की धारा 35 तथा झारखण्ड खनिज क्षेत्र विकास प्राधिकार अधिनिय 2000 की धारा 48 के प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए झारखण्ड अनाधिकृत निर्मित भवन नियमितिकरण नियमावली 2026 के तहत झारखण्ड राज्य के सभी नगरपालिकाओं, क्षेत्रीय विकास प्राधिकार, औधोगिक नगरी के अधिकार क्षेत्र में दिनांक–31.12.2024 के पूर्व से निर्मित मौजूदा भवनो का 300 वर्ग मीटर क्षेत्रफल तक के प्लॉट का आवासीय एवं गैर–आवासीय (वाणिज्यिक) अनाधिकृत निर्मित/विचलित भवनों का नियमितीकरण करने हेतु नक्शा पास किया जाना है।

अतः उक्त अधिसूचना के आलोक में फुसरो नगर परिषद क्षेत्रान्तर्गत वैसे भू स्वामी/आवेदक जो अपने भू–खण्डो पर उक्त तिथि के पूर्व से बने अनाधिकृत निर्मित भवन/विचलन निर्मित क्षेत्र की नियमितीकरण कराने हेतु स्वीकृत भवन योजना के तहत फुसरो नगर परिषद के स्वीकृत प्राधिकार से निबंधित अभियन्ता/वास्तुविद (LTP) के माध्यम से नियमितीकरण करने हेतु आवेदन प्रस्तुत कर सक्षम प्राधिकार से पूर्व से अनाधिकृत निर्मित भवन/विचलन निर्मित क्षेत्र की नियमीतिकरण की अनुमति उक्त के आलोक में प्राप्त करना सुनिश्चित करेंगे। अन्यथा झारखण्ड नगरपालिका अधिनियम 2011 की धारा 434, के तहत स्थानीय प्राधिकार द्वारा कानून के अनुसार जुर्माना एवं अपसारण सहित अन्य प्रवर्त्तन कार्रवाई प्रारम्भ की जायेगी।

कार्यपालक पदाधिकारी,
फुसरो नगर परिषद।

PR 379646 (Urban Development) 26-27 (D)

नीट पेपर लीक पर केजरीवाल का केंद्र पर निशाना, जेन-जी से आंदोलन की अपील

नई दिल्ली,(ईएमएस): आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल ने नीट पेपर लीक मामले को लेकर केंद्र की भाजपा सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि २०१४ से अब तक देश में कुल ९३ पेपर लीक हुए हैं, जिसमें से अधिकांश भाजपा शासित राज्यों में हुए हैं। केजरीवाल ने कहा कि यह कोई इत्तेफाक नहीं है कि राजस्थान, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गुजरात जैसे भाजपा शासित राज्यों में सर्वाधिक पेपर लीक हुए हैं, और हालिया नीट लीक का केंद्र भी राजस्थान ही है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि क्या इन लीकों में भाजपा नेताओं का संरक्षण या सीधी संलिप्तता है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने सीबीआई की जांच पर भी सवाल उठाकर कहा कि हर बार पेपर लीक के बाद सीबीआई को जांच सौंप दी जाती है, कुछ गिरफ्तारियां होती हैं, लेकिन कुछ महीनों बाद आरोपी जमानत पर छूट जाते हैं और फिर से अगले पेपर लीक की तैयारी में लगते हैं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि २०२४ में एक मामले के मास्टरमाइंड को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था, लेकिन ९० दिन के भीतर चार्जशीट फाइल न होने के कारण आरोपी को स्वतः जमानत मिल गई। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सीबीआई उन्हीं लोगों को रिपोर्ट करती है जो पेपर लीक करवाते हैं, इसलिए वह दोषियों को सजा नहीं दिलवा सकती।

केजरीवाल ने देश की जेन-जी (युवा पीढ़ी) से सीधे बात कर आह्वान किया कि अगर नेपाल और बांग्लादेश में जेन-जी सड़कों पर उतरकर सरकारें बदल सकती है, तब क्या भारत के युवा पेपर लीक में शामिल मंत्रियों को जेल नहीं भेज सकते? उन्होंने कहा कि इन ९३ पेपर लीकों ने करीब ६ करोड़ युवाओं के भविष्य को बर्बाद किया है। उन्होंने भारतीय युवाओं से बदलाव लाने के लिए आंदोलन करने का आग्रह किया, क्योंकि देश उनका है और उन्हें ही इसे बचाना होगा।

बिहार में सरकारी कर्मचारियों का डीए बढ़कर 60% हुआ

पटना (एजेंसी): बिहार के नए सीएम सम्राट चौधरी कैबिनेट की बुधवार को बैठक हुई। बैठक में कुल १९ एजेंडों पर मुहर लगी। बैठक में दोनों डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी और बिजेंद्र यादव सहित मंत्रीमंडल के नए मंत्री शामिल हुए। बैठक में राज्य के लाखों सरकारी कर्मचारियों के डीए में बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया गया। वित्त विभाग की और से सरकारी कर्मचारियों के डीए को ५८% से बढ़ाकर ६०% कर दी गई है।

जानकारी के मुताबिक, बिहार में जिन कर्मचारियों को पहले १९ हजार रुपये/माह सैलरी मिलती थी अब उसमें ३९० रुपया इजाफा किया गया है। वहीं २.२५ लाख रुपये मूल वेतन पाने वाले अधिकारियों को अब हर महीने ४५०० रुपये बढ़ाकर दिए जाएंगे। पेंशनर्स के मासिक पेंशन में भी बढ़ोतरी की गई है। वहीं इस बैठक में राज्य के आपराधिक रुप से संवेदनशील जिलों में पूर्वी चंपारण, समस्तीपुर, मधुबनी, वैशाली और सीवान में ग्रामीण एसपी के पदों को मंजूरी दे दी गई है। इसके अलावा उद्योग विभाग, उच्च शिक्षा विभाग, राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग, शिक्षा विभाग, परिवहन विभाग समेत कई अन्य विभागों से जुड़े जरुरी फैसले भी लिए गए हैं।

राज्य में उद्योग को बढ़ावा देने के लिए वैशाली जिले में १०० एकड़ जमीन पर राष्ट्रीय खाद्य प्रोद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (छखत्रद्धएच्) की स्थापना की जाएगी। इसके लिए जमीन अधिग्रहण को मंजूरी दी गई। इसके अलावा इसमें कैंमस की भी सुविधा होगी। वहीं पटना के बिहटा में डेयरी प्लांट लगाने को लेकर भी मंजूरी दे दी गई है।

यूपी में कई महिला नेताओं ने की कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण

लखनऊ,(ईएमएस) : प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अजय राय ने सीतापुर की महिला नेताओं समेत बरेली, कानपुर नगर व अमरोहा के नेताओं को कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण कराई। सदस्यता ग्रहण करने वालों में मजदूर किसान मंच की प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता रावत, जागरूक नागरिक मंच की प्रदेश अध्यक्ष रोशनी गुप्ता, लोक गायिका समीक्षा गौतम, महिला नेत्री ज्योति भारती, मनरेगा मजदूर नेता मीना सचान एवं रामदेवी शामिल थी।

प्रदेश अध्यक्ष ने सभी को पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराने के बाद कहा कि कांग्रेस हमेशा देश में सामाजिक न्याय, लोकतांत्रिक मूल्यों, भाईचारे एवं संविधान की रक्षा के लिए संघर्षरत रही है। जनता कांग्रेस की विचारधारा से जुड़ रही है।

मुलायम सिंह के बेटे प्रतीक यादव का निधन

लखनऊ (ईएमएस) : उत्तर प्रदेश के प्रतिष्ठित राजनीतिक परिवार और समाजवादी पार्टी के संस्थापक दिवंगत मुलायम सिंह यादव के छोटे बेटे प्रतीक यादव का बुधवार तड़के निधन हो गया। ३८ वर्षीय प्रतीक यादव भाजपा नेत्री और उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव के पति थे। इस दुखद समाचार से लखनऊ से लेकर सैफई तक शोक की लहर दौड़ गई है।

पारिवारिक सूत्रों के अनुसार, प्रतीक यादव पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ चल रहे थे। बुधवार भोर में अचानक उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें सुबह लगभग छह बजे लखनऊ के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण हार्ट अटैक या ब्रेन हेमरेज बताया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारणों की पुष्टि के लिए पोस्टमार्टम कराया जाने का फैसला किया गया है। प्रशासन ने चार डॉक्टरों के पैनल द्वारा वीडियोग्राफी के साथ पोस्टमार्टम कराने के निर्देश दिए हैं।

प्रतीक यादव मुलायम सिंह यादव की दूसरी पत्नी साधना गुप्ता के बेटे थे। सक्रिय राजनीति से दूर रहने वाले प्रतीक रियल एस्टेट और फिटनेस व्यवसाय से जुड़े थे। उन्होंने लंदन की लीड्स यूनिवर्सिटी से एमबीए किया था और लखनऊ में उनका प्रसिद्ध जिम द फिटनेस प्लैनेट संचालित होता था। प्रतीक और अपर्णा यादव का विवाह दिसंबर २०११ में हुआ था, जो स्कूल के दिनों की उनकी लंबी दोस्ती का परिणाम था। पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक घटनाक्रमों के कारण परिवार में दूरियां भी देखी गई थीं, विशेषकर २०२२ के विधानसभा चुनाव से पूर्व जब अपर्णा यादव ने समाजवादी पार्टी छोड़कर भाजपा का दामन थाम लिया था। हालांकि, पारिवारिक समारोहों में प्रतीक की उपस्थिति बनी रहती थी। प्रतीक के निधन की सूचना मिलते ही अस्पताल में शुभचिंतकों और समर्थकों का जमावड़ा लग गया है। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में इस असामयिक मृत्यु पर गहरा दुख व्यक्त किया जा रहा है।

बिहार में 11 साल की बच्ची से सरेराह दुष्कर्म

पटना,(ईएमएस) : बिहार के सीतामढ़ी जिले में एक नाबालिग लड़की के साथ बीच सड़क पर दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया गया। इस घिनौनी वारदात के बाद से जिले में पुलिस-प्रशासन के खिलाफ लोगों का गुस्सा भड़क गया। बताया जा रहा है कि ११ साल की मासूम बच्ची के साथ सरेराह दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। इसके कारण आक्रोशित लोगों ने सड़कों पर उग्र प्रदर्शन किया। जगह-जगह टायर जलाए गए, वहीं कुछ स्थानों पर सब्जी और फलों के ठेलों में आग लगा दी गई, जिससे इलाके में अफरातफरी मच गई। करीब चार घंटे तक शहर में अराजकता का माहौल बना रहा।

जानकारी के मुताबिक मंगलवार की देर रात मासूम पास में स्थित अपनी नानी के घर जा रही थी। इसी दौरान रास्ते में नशे में धुत एक युवक ने उसे अकेला पाकर जबरन उसके साथ दुष्कर्म किया और वारदात के बाद मौके से भाग गया। पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे, लेकिन तब तक आरोपी भाग चुका था। घटना की खबर फैलते ही पूरे क्षेत्र में लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। सुबह होते-होते बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतर आए और मुख्य मार्गों को जाम कर विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान कई स्थानों पर टायर जलाकर यातायात बाधित किया गया। उग्र भीड़ ने कुछ सब्जी एवं फलों के ठेलों को भी आग के हवाले कर दिया, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने लोगों को समझाने और हालात को नियंत्रित करने की कोशिश की। एहतियातन संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त बल की तैनाती की गई है।

पुलिस ने पीड़िता को तत्काल चिकित्सीय उपचार के लिए अस्पताल भेजा है और घटनास्थल से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर छापेमारी की जा रही है। घटना के बाद आरोपी घर छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए उसके परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की है, ताकि आरोपी के संभावित ठिकानों का पता लगाया जा सके। सदर एसडीपीओ के नेतृत्व में एसआईटी का गठन कर पीड़िता के मां के बयान पर एफआईआर कर छापेमारी शुरू कर दी गई है। आरोपी की पहचान पीड़ित पक्ष के जानने वाले के रूप में हुई है। जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

किसानों को मुआवजा नहीं मिलने पर प्रदर्शन

गया (एजेंसी): बिहार के गया ज़िले के डोभी ब्लॉक में किसानों ने प्रस्तावित अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के लिए ज़मीन अधिग्रहण के ख़िलाफ़ विरोध प्रदर्शन किया और काम रोक दिया। पुलिस के अनुसार ५ लोगों को हिरासत में लिया गया है। किसानों ने आरोप लगाया कि उन्हें उचित मुआवज़ा नहीं दिया जा रहा है और अधिग्रहण की प्रक्रिया में भी गड़बड़ियां हो रही हैं। इसकी जानकारी मिलने के बाद, बहेरा स्टेशन हाउस ऑफिसर रविरंजन कुमार ने वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित किया, जिसके बाद डोभी, बाराचट्टी और आस-पास के इलाकों से अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को मौके पर तैनात किया गया।

पुलिस ने बताया कि प्रदर्शनकारियों से हटने के लिए कहा गया था, लेकिन कथित तौर पर कुछ लोग प्रदर्शन करते रहे। इसके बाद अधिकारियों ने भीड़ को हटाने के लिए हल्का बल प्रयोग किया और पूछताछ के लिए ५ लोगों को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि पुलिस ने उन रिपोर्टों के आधार पर कार्रवाई की, जिनमें कहा गया था कि निर्माण कार्य के दौरान मज़दूरों और मशीनों को ज़बरदस्ती रोक दिया गया था।

यह विरोध प्रदर्शन 'अखिल भारतीय किसान महासभा' के बैनर तले हुआ, जिसमें प्रभावित किसान बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए और स्थानीय प्रशासन के ख़िलाफ़ नारेबाज़ी की। प्रदर्शनकारियों का दावा है कि इस इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट के लिए उनकी खेती की ज़मीन बिना सभी ज़मीन मालिकों को उचित मुआवज़ा दिए ही अधिग्रहित की जा रही है।

किसानों के अनुसार, जहां कुछ ज़मीन मालिकों को मुआवज़ा मिल गया है, वहीं कई अन्य लोग अभी भी अपने भुगतान का इंतज़ार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि मुआवज़े से जुड़े मामले अभी तक हल नहीं हुए हैं, फिर भी अधिकारी उन पर ज़मीन खाली करने का दबाव बना रहे हैं। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि खेती ही उनकी आजीविका का मुख्य ज़रिया है और उचित मुआवज़े के बिना ज़मीन छिन जाने से कई परिवारों को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने प्रभावित परिवारों के लिए उचित मुआवज़े, सही पुनर्वास और रोज़गार के अवसरों की माँग की।

किसानों ने चेतावनी दी कि यदि सरकार और ज़िला प्रशासन ने उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया, तो वे अपने आंदोलन को और तेज़ करेंगे। उन्होंने कहा कि वे विकास परियोजनाओं का समर्थन करते हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि ज़मीन अधिग्रहण की प्रक्रिया में पारदर्शिता और न्याय हो।

इस बीच, ज़िला अधिकारियों ने कहा कि ज़मीन अधिग्रहण की प्रक्रिया सरकारी नियमों के अनुसार ही की जा रही है और उन्होंने आश्वासन दिया कि मुआवज़े के जो मामले अभी लंबित हैं, उनकी समीक्षा की जा रही है। प्रस्तावित इंडस्ट्रियल कॉरिडोर परियोजना को इस क्षेत्र के विकास को गति देने के लिए महत्वपूर्ण माना जाता है, लेकिन चल रहे इन विरोध प्रदर्शनों ने गया के अधिकारियों के सामने एक चुनौती खड़ी कर दी है।

बिहार में कहीं भारी बारिश तो कहीं उमस से आफत

पटना (एजेंसी): बिहार में इस समय मौसम के दो विपरीत रूप देखने को मिल रहे हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को राज्य के १९ जिलों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। उत्तर बिहार और सीमांचल के क्षेत्रों में ५० से ६० किमी/घंटे की रफ्तार से हवा चलेगी। इसके साथ भारी बारिश और वज्रपात की चेतावनी दी गई है।

दरअसल मौसम का यह बदलाव बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमी और वायुमंडलीय दबाव के कारण है। एक तरफ जहां राज्य के उत्तरी इलाकों में आकाशीय बिजली गिरने, और तेज आंधी के साथ भारी बारिश की चेतावनी दी गई है। वहीं दक्षिण बिहार में लोग भीषण गर्मी से परेशान रहेंगे। राजधानी पटना में भी दिन में तेज धूप और तापमान बढ़ने से उमस बनी रहेगी। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, अगले ४८ से ७२ घंटों तक मौसम इसी तरह अस्थिर बना रहेगा। दिन की चिलचिलाती गर्मी के बाद शाम होते ही अचानक आंधी और बारिश का दौर शुरू हो सकता है।

बीते दिन कटिहार में रात भर मूसलाधार बारिश हुई जिसके कारण शहर में जलजमाव की स्थिति बनी हुई है। इसके अलावा गया, जहानाबाद और बांका में भी अच्छी बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग का कहना है कि यदि ऐसे ही लगातार बारिश होती है, तो तापमान में २ से ३ डिग्री की गिरावट आ सकती है।

आरजेडी सांसद की गाड़ी पर हमला पीए और चालक घायल

औरंगाबाद (एजेंसी): बिहार में आरजेडी सांसद अभय कुशवाहा की गाड़ी पर हमला किया गया। गाड़ी के शिशे तोड़ दिए गए। इसके साथ ही सांसद के पीए- और चालक के साथ भी मारपीट की गई। इस घटना में दोनों को गंभीर चोटें लगी हैं। सांसद ने प्रशासन से जल्द कार्रवाई की मांग की है। घटना औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना इलाके के हसनबार गांव का है।

घटान के समय सांसद गाड़ी में मौजूद नहीं थे। जानकारी के मुताबिक, पीए संजय कुमार सांसद की अनुपस्थिति में श्रीडीह गांव में आयोजित एक शादी समारोह में शामिल होने गए थे। शादी के बाद पीए संजय कुमार ताराडीह जा रहे थे। इसी दौरान हसनबार में सामने से आ रही दूसरी गाड़ियों को साइड देने को लेकर कहासुनी हुई। इस दौरान चालक ने अपनी गाड़ी पीछे कर दुसरी गाड़ी को रास्ता दिया, लेकिन इसके बाद दूल्हा पक्ष की एक गाड़ी सांसद की गाड़ी के सामने खड़ी कर दी। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में झड़प शुरु हो गया और मारपीट के दौरान पीए और चालक घायल हो गए। गाड़ी पर कुछ हमलावरों ने हमला कर दिया।

पुलिस मुठभेड़ में दो शार्प शूटर्स का एनकाउंटर

पटना,(ईएमएस) : पटना में देर रात पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें २ शार्प शूटर अवधेश साव उर्फ विदेशिया और पप्पू राय को पुलिस ने गोली मारी। दोनों के पैर में गोली लगी। इलाज के लिए दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि एक बदमाश दीपक कुमार को गिरफ्तार किया है। बीते दिनों पटना के गौरीचक थाना इलाके में हुए अंजनी सिंह हत्याकांड में तीनों अपराधी शामिल थे। तीनों ने शूटर के तौर पर काम किया था।

पुलिस के मुताबिक तीनों किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए बिहटा इलाके में पहुंचे थे। विदेशिया राय और पप्पू राय पर हत्या के कई मामले दर्ज हैं। पुलिस ने घटनास्थल से कई हथियार भी बरामद किए हैं। महिला रिपोर्टर ने २ दिन पहले डॉक्टर बनकर ऑपरेशन कॉन्ट्रैक्ट किलर में शूटर से पति के मर्डर की पूरी डील की थी। इसके बाद पुलिस ने शूटर्स पर बड़ा एक्शन लिया।

भाई की मौत से दुखी अखिलेश, कानून और परिवार जो तय करेगा, वही मानेंगे

लखनऊ,(ईएमएस): समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव का बुधवार को निधन हो गया। इस दुखद खबर से यादव परिवार और समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं में शोक की लहर दौड़ गई है। प्रतीक यादव के निधन के बाद अखिलेश यादव लखनऊ स्थित पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंचे, जहां वह काफी देर तक मौजूद रहे। बाहर निकलने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में गहरा दुख व्यक्त किया। मौत के कारणों को लेकर पूछे गए सवाल पर सपा प्रमुख ने संयमित प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि परिवार और कानून जो तय करेगा, वही स्वीकार किया जाएगा। अखिलेश यादव ने जोर देकर कहा, कानून और परिवार के लोग जो कहेंगे, हम उसी बात को मानेंगे। हम पूरी तरह कानूनी रास्ता अपनाएंगे।

अखिलेश यादव ने बताया कि करीब दो महीने पहले हमारी मुलाकात हुई थी। मैंने उनसे कहा था कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अपने कारोबार को आगे बढ़ाएं। कई बार कारोबार में नुकसान होने पर व्यक्ति अंदर से टूट जाता है। उन्होंने अपने छोटे भाई को याद करते हुए कहा, मैंने प्रतीक को बचपन से देखा है। यह बेहद दुखद है कि वह आज हमारे बीच नहीं हैं। वह जीवन में आगे बढ़कर काम करना चाहते थे। उनके जाने से परिवार को गहरा आघात पहुंचा है। उधर, सैफई स्थित यादव परिवार के पैतृक आवास के बाहर भी सन्नाटा पसरा हुआ है, क्योंकि परिवार के अधिकांश सदस्य लखनऊ रवाना हो गए हैं। इटावा और सैफई क्षेत्र में भी इस दुखद घटना के बाद शोक का माहौल देखा जा रहा है। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान भी प्रतीक यादव के आवास पर पहुंचीं और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने कहा, यह एक बहुत ही दुखद घटना है ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें। भगवान परिवार को इस दुख को सहन करने की शक्ति दें। ज्ञात हो कि प्रतीक यादव, समाजवादी पार्टी के संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेटे और भाजपा नेता अपर्णा यादव के पति थे। उनका पार्थिव शरीर पोस्टमॉर्टम के लिए लखनऊ स्थित केजीएमयू लाया गया है।

पटना में स्कूल जा रहे शिक्षक को मारी गोली

पटना,(ईएमएस) : पटना के अगमकुआं थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक सरकारी स्कूल के शिक्षक को गोली मार दी गई जिससे वह घायल हो गए। यह घटना मिश्रा वैली स्कूल के पास हुई। घायल शिक्षक की पहचान शंभू कुमार (४८) के रूप में हुई है, जो चंडी के एक सरकारी विद्यालय में कार्यरत हैं। उन्हें इलाज के लिए निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया है। जानकारी के मुताबिक शंभू कुमार बुधवार सुबह अपने घर से विद्यालय जाने के लिए निकले थे। वह नेशनल हाईवे पर पैदल वाहन का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान बाइक सवार दो बदमाश उनके पास आए और उनसे बैग और मोबाइल लूटने की कोशिश की। जब शंभू ने इसका विरोध किया, तो बदमाशों ने उन पर गोली चला दी। गोली उनके गले के नीचे लगी, जिससे वे गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। घटना के बाद आरोपी उनका मोबाइल और बैग लूटकर फरार हो गए।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग तुरंत मौके पर पहुंचे। लोगों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और घायल शिक्षक को इलाज के लिए एक निजी नर्सिंग होम में पहुंचाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही है ताकि अपराधियों की पहचान की जा सके।अगमकुआं थाना प्रभारी ने बताया कि प्रथम दृष्ट्या यह मामला लूटपाट का प्रतीत होता है। अपराधियों ने शिक्षक से बैग और मोबाइल छीनने का प्रयास किया था और विरोध करने पर उन्हें गोली मार दी। इस घटना के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। उनका कहना है कि सुबह के समय भी नेशनल हाईवे पर अपराधी बेखौफ होकर ऐसी वारदातों को अंजाम दे रहे हैं।

पटना में बिजली गिरने से 8 की मौत

पटना,(ईएमएस) : बिहार में दोहरे मौसम की लोग मार झेल रहे हैं। मौसम विभाग ने बुधवार को पूरे प्रदेश में बारिश की संभावना जताई है। इसे लेकर १९ जिलों में तेज बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। कटिहार में मंगलवार रात से मूसलाधार बारिश हो रही है। कई इलाकों में पानी भर गया है।

पटना मौसम विभाग के मुताबिक अगले पांच दिनों तक राज्य में बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। हवा भी चल सकती है। तापमान २ से ३ डिग्री तक गिरावट सकता है। बीते २४ घंटे में गयाजी, जहानाबाद, बांका समेत पांच जिलों में तेज बारिश हुई। वहीं, कैमूर का पारा एक बार फिर ४१ डिग्री के करीब दर्ज किया गया। इसके अलावा पटना में भी उमस भरी गर्मी से लोग परेशान नजर आए।

जमुई में मंगलवार को आंधी-बारिश और बिजली गिरने से एक बच्ची समेत चार लोगों की मौत हो गई। जबकि ४ लोग झुलस गए। बांका में भी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से ३६ साल की एक महिला की मौत हो गई। नवादा में तेज आंधी और बारिश के दौरान आकाशीय बिजली गिरने से तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में २ पुरुष और एक महिला शामिल हैं। पटना में मौसम साफ रहने का अनुमान है, लेकिन गर्मी और उमस लोगों को परेशान कर सकती है।

यूपी में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम

लखनऊ,(ईएमएस) : पीएम नरेंद्र मोदी की अपील के बाद यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ एक्शन मोड में आ गए हैं। वैश्विक हालात, ऊर्जा बचत और संसाधनों के संतुलित इस्तेमाल को लेकर आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में सीएम योगी ने प्रदेश के बड़े औद्योगिक संस्थानों, स्टार्टअप्स और ज्यादा कर्मचारियों वाली कंपनियों में सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम लागू करने की दिशा में एडवाइजरी जारी करने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही पब्लिक ट्रांसपोर्ट, बिजली बचत, कार पूलिंग और वर्चुअल बैठकों को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया गया है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मुख्य सचिव, डीजीपी, अपर मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिवों के साथ हुई बैठक में साफ कहा कि बदलते वैश्विक हालात को देखते हुए यूपी को अभी से तैयार रहना होगा। उन्होंने पीएम मोदी के आह्वान को प्रदेश में व्यवहारिक रूप से लागू करने की बात कही। सीएम ने औद्योगिक विकास विभाग और आईआईडीसी को निर्देश दिया कि वे बड़े औद्योगिक संस्थानों, आईटी सेक्टर और बड़े स्टार्टअप्स को वर्क फ्रॉम होम मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित करें, जिन संस्थानों में बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम की व्यवस्था लागू करने की सिफारिश की जाएगी। सरकार का मानना है कि इससे ट्रैफिक दबाव कम होगा, ईंधन की खपत घटेगी और प्रदूषण नियंत्रण में मदद मिलेगी साथ ही कर्मचारियों को भी राहत मिलेगी।

सीएम योगी ने कहा कि बदलाव की शुरुआत सरकार से होनी चाहिए। उन्होंने मंत्रियों, सांसदों, विधायकों और अन्य जनप्रतिनिधियों से सप्ताह में कम से कम एक दिन सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करने की अपील की। इसके साथ ही सप्ताह में एक दिन नो व्हीकल डे आयोजित करने का सुझाव भी दिया। सीएम ने कहा कि इस अभियान में सरकारी कर्मचारियों, स्कूल-कॉलेजों के छात्रों और समाज के कई वर्गों को भी जोड़ा जाए। बैठक में सीएम योगी ने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के काफिलों में तत्काल ५० फीसदी तक कटौती के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि अनावश्यक वाहनों को फ्लीट से हटाया जाए ताकि ईंधन की बचत हो सके और जनता के बीच सकारात्मक संदेश जाए। सीएम योगी ने सरकारी बैठकों, सेमिनार, वर्कशॉप और कॉन्फ्रेंस को ज्यादा से ज्यादा वर्चुअल माध्यम से आयोजित करने पर जोर दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सचिवालय और निदेशालय की ५० फीसदी आंतरिक बैठकें ऑनलाइन की जाएं। शिक्षा विभाग को भी निर्देश दिए गए कि स्कूलों और कॉलेजों के सेमिनार और बैठकों को डिजिटल माध्यम से आयोजित किया जाए।

सीएम योगी ने कहा कि पीक ऑवर में ट्रैफिक और ईंधन की खपत कम करने के लिए कार्यालयों के समय को अलग-अलग बैचों में बांटा जा सकता है। इससे सड़कों पर एक साथ वाहनों का दबाव कम होगा। सीएम ने स्कूल-कॉलेजों में निजी वाहनों के बजाय स्कूल बसों के उपयोग को बढ़ावा देने की बात कही। जरूरत पड़ने पर परिवहन निगम की बसों को भी स्कूलों से जोड़ने की योजना पर विचार किया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे ट्रैफिक कम होगा और बच्चों की यात्रा भी अधिक सुरक्षित बनेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि त्योहारों, शादियों और सरकारी आयोजनों में स्थानीय उत्पादों और हस्तशिल्प को बढ़ावा दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिया कि राज्य सरकार की ओर से दिए जाने वाले उपहारों में ओडीओपी और जीआई टैग वाले उत्पाद शामिल किए जाएं। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से खाद्य तेल का उपयोग कम करने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य, घरेलू बचत और आयात पर निर्भरता कम करने के लिए जरूरी है। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे होटल, ढाबा, रेस्तरां और स्ट्रीट फूड यूनियनों के साथ संवाद स्थापित कर कम तेल वाले खाद्य पदार्थों को बढ़ावा दें। सीएम योगी ने प्रदेश में पीएनजी नेटवर्क का तेजी से विस्तार करने के निर्देश दिए। उन्होंने पीएम मोदी के आह्वान को जनआंदोलन का रूप देने की अपील करते हुए कहा कि सरकार और जनता दोनों को मिलकर ऊर्जा बचत, स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ना होगा।

लापुंग को लाह उत्पादन का बड़ा केंद्र बनाने की तैयारी मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों को किया प्रेरित

रांची (एजेंसी): रांची जिले के लापुंग प्रखंड स्थित स्टेडियम में सिद्धो कान्हो कृषि एवं वनोपज राज्य सहकारी संघ लिमिटेड (सिद्धकोफ़ेड) द्वारा आयोजित वैज्ञानिक पद्धति आधारित एक दिवसीय क्षेत्रीय लाह खेती प्रशिक्षण एवं टूलकिट वितरण कार्यक्रम में कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। कार्यक्रम के दौरान प्रखंड की मालगो, बोकरोन्दा एवं ककरिया पंचायतों के कुल ३७७ किसानों को वैज्ञानिक पद्धति से लाह खेती का प्रशिक्षण दिया गया तथा आवश्यक टूलकिट का वितरण किया गया। साथ ही आगामी जून-जुलाई माह में प्रत्येक किसान को ५-५ किलो की दर से कुसुमी एवं रंगीनी लाह बीहन शत-प्रतिशत अनुदान पर उपलब्ध कराया जाएगा।

झारखंड प्राकृतिक संसाधनों एवं वनोत्पादों से समृद्ध राज्य

वहीं अपने संबोधन में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि झारखंड प्राकृतिक संसाधनों एवं वनोत्पादों से समृद्ध राज्य है। लाह, इमली, चिरौंजी, महुआ, मधु, करंज बीज, कुसुम बीज, साल बीज, हरड़ा-बहेड़ा, आँवला तथा विभिन्न औषधीय पौधों की घरेलू ही नहीं, बल्कि वैश्विक बाजार में भी व्यापक मांग है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में वनोत्पादों की महत्वपूर्ण भूमिका है। पंचायत स्तर पर एमपीसीएस (चझउड) के माध्यम से वनोपजों की पहचान कर परिष्करण इकाइयों की स्थापना, पैकेजिंग, ब्रांडिंग एवं विपणन प्रबंधन को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, ताकि ग्रामीण उत्पादकों को घरेलू बाजार से लेकर वैश्विक बाजार तक लाभकारी मूल्य प्राप्त हो सके। इससे न केवल किसानों की आय बढ़ेगी, बल्कि राज्य से होने वाले पलायन को रोकने में भी मदद मिलेगी तथा ग्रामीण महिलाओं को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे। इस दिशा में व्यापक जनअभियान चलाने की आवश्यकता है, जिसमें सिद्धकोफ़ेड की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।

इस वर्ष औसत से कम वर्षा होने की संभावना

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने किसानों को अल नीनो से उत्पन्न संभावित परिस्थितियों के प्रति सतर्क रहने की सलाह देते हुए कहा कि वैज्ञानिकों के अनुसार इस वर्ष औसत से कम वर्षा होने की संभावना है। ऐसी स्थिति में किसानों को शुरुआती वर्षा के साथ ही धान रोपनी पूरी कर लेनी चाहिए तथा कम पानी में होने वाली फसलों की ओर भी ध्यान देना चाहिए। उन्होंने मडुवा को एक बेहतर विकल्प बताया। उन्होंने आगे कहा कि वैश्विक स्तर पर चल रहे युद्धों के कारण डीएपी एवं यूरिया की उपलब्धता प्रभावित हो रही है, जिसके कारण राज्यों को मांग के अनुरूप उर्वरक उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। ऐसे समय में विभाग के साथ-साथ किसानों को भी मानसिक रूप से तैयार रहने की आवश्यकता है। उन्होंने किसानों से अपील की कि आगामी २२ मई को राज्य के सभी प्रखंडों में आयोजित होने वाली खरीफ कर्मशाला में भाग लेकर कृषि संबंधी आवश्यक जानकारी एवं योजनाओं का लाभ उठाएँ।

लापुंग को प्रमुख लाह उत्पादन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए

मंत्री ने किसानों के उत्साह, आत्मविश्वास एवं लाह उत्पादन के प्रति सकारात्मक सोच की सराहना करते हुए कहा कि आने वाले समय में झारखंड देश में लाह उत्पादन के क्षेत्र में एक मजबूत और नई पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने कहा कि लापुंग प्रखंड भले ही रांची जिले के पिछड़े क्षेत्रों में गिना जाता हो, लेकिन यहाँ की भौगोलिक एवं प्राकृतिक परिस्थितियाँ लाह उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। उनका संकल्प है कि आने वाले समय में लापुंग को राज्य के प्रमुख लाह उत्पादन केंद्र के रूप में विकसित किया जाए, जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो और क्षेत्र आर्थिक रूप से सशक्त बन सके। उन्होंने कहा कि लाह खेती केवल कृषि गतिविधि नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजन करने तथा पलायन रोकने का प्रभावी माध्यम है। यदि किसान वैज्ञानिक पद्धति से इस खेती को अपनाएँ, तो यह आत्मनिर्भरता और आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन सकती है।

आत्मनिर्भर झारखंड के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता

विभाग द्वारा लगातार प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन, गुणवत्तापूर्ण लाह बीहन एवं आवश्यक टूलकिट का वितरण किया जा रहा है। किसानों से अपील है कि वे इन योजनाओं एवं प्रशिक्षण कार्यक्रमों से जुड़कर अधिक से अधिक लाभ उठाएँ। उन्होंने अंत में कहा कि किसानों की समृद्धि, ग्रामीण विकास एवं आत्मनिर्भर झारखंड के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता निरंतर जारी रहेगी। इस अवसर पर सिद्धकोफ़ेड के सचिव राकेश कुमार, जिला सहकारिता पदाधिकारी रविंद्र दास, बीडीओ उषा मिंज, अंचलाधिकारी पंकज कुमार, प्रखंड अध्यक्ष जयंत बारला, सुदामा महली, प्रमुख कंचन उरांव, उप प्रमुख विश्वनाथ मुंडा, सरोज मुंडा, जनमेजय पाठक, देवन्ती देवी सहित कई जनप्रतिनिधि एवं किसान उपस्थित थे।

नहीं रहे बिहार व झारखंड के पूर्व मंत्री माधव लाल सिंह, बेरमो-गोमिया में शोक की लहर

माधव लाल सिंह का निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति : राज्यपाल

बेरमो (एजेंसी): बिहार व झारखंड सरकार के पूर्व मंत्री और गोमिया के पूर्व विधायक माधव लाल सिंह का बुधवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से बीमार थे। झारखंड की राजधानी रांची के एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था। निधन की खबर मिलते ही गोमिया समेत पूरे बेरमो अनुमंडल में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार, कुछ दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें पहले बोकारो के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाद में हालत गंभीर होने पर बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी था। बुधवार को इलाज के दौरान उन्होंने अंतिम सांस ली।

माधव लाल सिंह गोमिया विधानसभा क्षेत्र की राजनीति का बड़ा चेहरा माने जाते थे। उन्होंने १९८५, १९९०, २००० और २००९ में गोमिया विधानसभा सीट से जीत दर्ज की थी। वर्ष २००० में बिहार सरकार में कैबिनेट मंत्री बने और झारखंड गठन के बाद २००३ में भी मंत्री पद की जिम्मेदारी संभाली। सरल स्वभाव और जनसरोकारों के कारण वे 'माधव बाबू' के नाम से लोकप्रिय थे। उनके निधन पर विभिन्न राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और समर्थकों ने गहरा शोक व्यक्त किया है।

झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने पूर्व मंत्री एवं गोमिया के पूर्व विधायक माधव लाल सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। राज्यपाल ने कहा कि माधव लाल सिंह का निधन राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा कि दिवंगत नेता ने जनसेवा एवं राज्य के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। राज्यपाल ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पूर्व मंत्री स्वर्गीय माधव लाल सिंह का अंतिम संस्कार राजकीय सम्मान के साथ कराने का निर्देश अधिकारियों को दिया है। इसके लिए संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों को आवश्यक तैयारी करने का निर्देश दिया गया है

सीसीएल में नौकरी के नाम पर 33 लाख की ठगी का आरोपी देवाशीष मिश्रा गिरफ्तार

रांची (एजेंसी): नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला मास्टरमाइंड आरोपी देवाशीष मिश्रा को कांके थाना कांड संख्या ९८/२६ के तहत गिरफ्तार कर कांके पुलिस ने चालान कर दिया है। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपी इतना शातिर था कि वह युवाओं को फंसाने के लिए सीसीएल, मेकॉन, एनटीपीसी जैसे प्रतिष्ठित कंपनियों के फर्जी ईमेल आईडी का इस्तेमाल करता था और नौकरी दिलाने की '१०० प्रतिशत गारंटी' देकर उनसे लाखों रुपये ऐंठ लेता था। इस मामले में पुलिस ने केवल देवाशीष ही नहीं, बल्कि उसके पूरे परिवार को अभियुक्त बनाया है। प्राथमिकी में देवाशीष मिश्रा के साथ उसके बेटे प्रियांशु मिश्रा, पत्नी ज्योति मिश्रा और बहन वंदना मिश्रा को नामजद किया गया है। जांच के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि देवाशीष ठगी की रकम सीधे अपने खाते में न मंगवाकर अपने बेटे, पत्नी और बहन के बैंक खातों में मंगवाता था, ताकि वह कानून और जांच एजेंसियों की नजरों से बच सके।

अपराध स्वीकार किया

सहायक पुलिस अधीक्षक साक्षी जमुआर ने बताया कि शिकायतकर्ता सुदर्शन चौबे, पिता स्वर्गीय विंध्याचल चौबे ने थाने में ठगी की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी देवाशीष मिश्रा को थाने बुलाकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान मिश्रा ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और विस्तार से बताया कि कैसे वह बड़ी-बड़ी कंपनियों के नाम पर फर्जी मेल भेजकर लोगों को अपने जाल में फंसाता था। -एएसपी ने इस दौरान अपराधियों को कड़े लहजे में चेतावनी देते हुए कहा कि आम जनता की गाढ़ी कमाई लूटने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। मामले की कानूनी प्रक्रिया की जानकारी देते हुए एएसपी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा ३१६(३), ३१८(४), ३३६(३), और ३३८/३४०(२) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इन गंभीर धाराओं के तहत कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

फरार आरोपियों की तलाश

पुलिस अब गिरोह के अन्य फरार सदस्यों और परिवार के अन्य नामजद अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है।

वहीं, केस आईओ मोहम्मद कपिल अहमद ने बताया कि आरोपी ने पूछताछ में अपने गुनाहों को पूरी तरह स्वीकार कर लिया है। उन्होंने कहा कि पुलिस अब इस मामले की तह तक जाने के लिए तकनीकी साक्ष्यों और बैंक ट्रांजेक्शन की बारीकी से जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस गिरोह ने अब तक और कितने लोगों को अपनी जालसाजी का शिकार बनाया है।

झारखंड में आईएएस अधिकारियों के तबादले की तैयारी, कई अहम पदों पर जल्द होगी पोस्टिंग

रांची (एजेंसी): झारखंड में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों के तबादला-पोस्टिंग की तैयारी चल रही है। कार्मिक, प्रशासनिक सुधार एवं राजभाषा विभाग नई पदस्थापनाओं की सूची तैयार करने में जुटा है। मुख्यमंत्री की स्वीकृति मिलने के बाद कभी भी तबादले से संबंधित अधिसूचना जारी की जा सकती है।

१७ अप्रैल को राज्य सरकार ने उपायुक्त स्तर के कई अधिकारियों का तबादला किया था। इसके बाद करीब ११ आइएएस अधिकारी पदस्थापन की प्रतीक्षा में हैं। इनमें वे अधिकारी शामिल हैं जिनकी जगह नए उपायुक्तों की नियुक्ति की गई है और जिन्होंने कार्मिक विभाग में योगदान दे दिया है। अब इन अधिकारियों को नई जिम्मेदारी देने की प्रक्रिया चल रही है।

इसके अलावा सचिवालय और विभिन्न विभागों में कई महत्वपूर्ण पद खाली हैं। विशेष सचिव, मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग, विशेष सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय, झारखंड राज्य आजीविका संवर्धन सोसाइटी के मुख्य कार्यपालक पदाधिकारी, उत्पाद आयुक्त, महानिरीक्षक निबंधन समेत कई अहम पदों पर पोस्टिंग की जानी है।

इसके अलावा कई विभागीय और जिला स्तरीय प्रशासनिक पद भी रिक्त हैं। कार्मिक विभाग ने तबादला-पोस्टिंग से जुड़ी फाइल आगे बढ़ा दी है और प्रशासनिक स्तर पर अंतिम समीक्षा की जा रही है। सूची में सचिवालय, विभागीय पदों और जिला प्रशासन से जुड़े कई अधिकारियों के नाम शामिल किए जाएंगे।

भाजपा का किसानों के हक में आंदोलन, 15-20 तक राज्यभर में एकदिवसीय धरना

रांची : प्रदेश भाजपा इन दिनों जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर आंदोलनरत है। बिजली-पानी सहित कई जन समस्याओं को लेकर राज्य सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। इसी क्रम में बीजेपी ने राज्य के किसानों की समस्या को लेकर आगामी १५ मई से लेकर २० मई तक सभी प्रखंड मुख्यालयों में एकदिवसीय धरना कार्यक्रम का ऐलान किया है। इस प्रदर्शन को लेकर जानकारी देते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा है कि महागठबंधन सरकार ने चुनाव पूर्व किसानों को लेकर कई बड़े-बड़े वादे किए थे, उन वादों को पूरा करने में हेमंत सरकार नाकाम साबित हुई है।

झारखंड पुलिस सेवा के अधिकारियों की वरीयता सूची में बड़ा फेरबदल, 9 डीएसपी को प्रोन्नति, 9 हुए डिमोट

रांची (एजेंसी): झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद राज्य पुलिस सेवा के अधिकारियों की वरीयता सूची में बड़ा फेरबदल किया गया है। गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने संशोधित वरीयता सूची जारी करते हुए ९ पुलिस उपाधीक्षकों को वरीय पुलिस उपाधीक्षक के पद पर प्रोन्नति दी है, जबकि ९ अधिकारियों को अवक्रमित कर पुनः पुलिस उपाधीक्षक की मूल कोटि में भेज दिया गया है।

यह कार्रवाई हाईकोर्ट द्वारा पारित आदेश के आलोक में की गई है। न्यायालय ने पूर्व में जारी वरीयता सूचियों को निरस्त करते हुए झारखंड लोक सेवा आयोग की मेधा सूची के आधार पर नई वरीयता सूची तैयार करने का निर्देश दिया था। इसके बाद विभागीय प्रोन्नति समिति की अनुशंसा पर नई सूची जारी की गई।

इन अधिकारियों को मिली वरीय पुलिस अधीक्षक की कोटि में प्रोन्नति

नाजिर अख्तर वर्तमान पदस्थापन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बसिया।

प्रवीण कुमार सिंह, वर्तमान पदस्थापन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, चास।

मनीष कुमार वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, रेल, चक्रधरपुर।

नीरज कुमार, वर्तमान पदस्थापन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गढ़वा।

मो. मुजीबुर रहमान, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, विशेष शाखा, झारखंड, रांची।

विकास आनंद लागुरी, वर्तमान पदस्थापन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जामताड़ा।

अनुज उरांव, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, सिल्ली।

प्रदीप पॉल कच्छप, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, आतंकवाद निरोधी दस्ता, झारखंड, रांची।

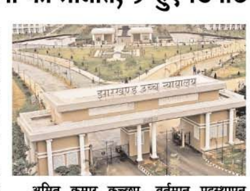

अमित कुमार कच्छप, वर्तमान पदस्थापन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, जरमुण्डी, दुमका।

इन अधिकारियों को किया गया अवक्रमित

सुमित कुमार, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, सीसीआर, धनबाद।

पुरुषोत्तम कुमार सिंह, वर्तमान पदस्थापन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, बाघमारा।

दीपक कुमार, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, झारखंड जगुआर (एसटीएफ), रांची।

ज्ञान रंजन, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, झारखंड जगुआर (एसटीएफ), रांची।

सुनील कुमार रजवार, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, झारखंड जगुआर (एसटीएफ), रांची।

विजय कुमार महतो, वर्तमान पदस्थापन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, दुमका।

कौशर अली, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय-२), गिरिडीह।

संजीव कुमार बेसरा, वर्तमान पदस्थापन पुलिस उपाधीक्षक, सदर, रांची।

जीतवाहन उरांव, वर्तमान पदस्थापन अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी, गिरिडीह।

सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि नई व्यवस्था तत्काल प्रभाव से लागू होगी।

टाटीसिल्वे फोरलेन सड़क पर जल्द शुरू होगा आवागमन बरसात से पहले क्षतिग्रस्त सड़कें दुरुस्त करने का निर्देश

रांची (एजेंसी): नामकुम आरओबी से टाटीसिल्वे होते हुए रिंग रोड को जोड़ने वाली बहुप्रतीक्षित रेडियल फोरलेन सड़क पर जल्द आवागमन शुरू होने की उम्मीद है। बुधवार को प्रोजेक्ट भवन में पथ निर्माण विभाग की राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने शेष कार्यों को तेजी से पूरा कर सड़क का उद्घाटन कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि यह फोरलेन सड़क राज्य की आधारभूत संरचना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी और रांची से पुरुलिया मार्ग पर यातायात को अधिक सुगम बनाएगी।

बैठक में राजधानी के बहुप्रतीक्षित नया सराय रेलवे ओवरब्रिज परियोजना की भी समीक्षा की गई। नया विधानसभा से लोहरदगा रेल लाइन क्रॉसिंग होते हुए नया सराय तक बन रहे आरओबी का काम अंतिम चरण में है। प्रधान सचिव ने संबंधित एजेंसियों को काम में तेजी लाकर जल्द परियोजना पूरी करने का निर्देश दिया।

उन्होंने कहा कि राज्य की अधिकांश सड़कें मोटरेबल स्थिति में हैं, लेकिन जहां पाइपलाइन या केबल बिछाने के कारण सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं, उन्हें बरसात शुरू होने से पहले हर हाल में दुरुस्त किया जाए। योजनाओं में तेजी लाने के लिए सभी निर्माण एजेंसियों को मुख्यालय बुलाकर बैठक करने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में निर्माण कार्यों में मेटेरियल की उपलब्धता और तकनीकी समस्याओं पर भी चर्चा हुई। प्रधान सचिव ने कहा कि इन समस्याओं के समाधान के लिए जल्द अंतरविभागीय बैठक आयोजित की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी परिस्थिति में योजनाओं की गति धीमी नहीं पड़नी चाहिए और सड़क व पुल निर्माण कार्यों के लिए धन की कमी नहीं होने दी जाएगी।

रांची की प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा के दौरान चापू टोली से कटहल मोड़ तक सड़क निर्माण के लिए शीघ्र निविदा जारी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बरियातू रोड को जल्द दुरुस्त करने तथा दुर्गा सोरेन चौक के लंबित कार्यों को अविलंब पूरा कराने को कहा गया। प्रधान सचिव ने राज्य की १९ डिवीजनों में चल रही ३९ योजनाओं की ९० प्रतिशत प्रगति पर संतोष जताते हुए उन्हें जल्द शत-प्रतिशत पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने भूमि अधिग्रहण से संबंधित राशि के शीघ्र आवंटन तथा भू-अर्जन और वनभूमि संबंधी मामलों का समय पर समाधान सुनिश्चित करने को भी कहा। विभाग के अनुसार राज्य में सड़क की २२२ और पुल निर्माण की ६२ योजनाएं स्वीकृत हैं।

पेट्रोल-डीजल, बढ़ती महंगाई, कमजोर अर्थव्यवस्था और राशन कार्ड रद्दीकरण पर भाजपा जवाब दे : विनोद पांडेय

रांची (एजेंसी): झारखंड मुक्ति मोर्चा के महासचिव विनोद कुमार पांडेय ने केंद्र सरकार पर देश की जनता को आर्थिक संकट, महंगाई और योजनाबद्ध तरीके से अधिकारों से वंचित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी द्वारा पेट्रोल-डीजल की कीमतों को लेकर दिया गया बयान वास्तविकता से दूर और जनता को भ्रमित करने वाला है। उन्होंने कहा कि असली समस्या अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत नहीं, बल्कि भाजपा की चुनावी तेल नीति है। केंद्र सरकार ने स्वयं यह साबित किया कि पेट्रोल-डीजल के दाम आर्थिक आधार पर नहीं, बल्कि चुनावी लाभ-हानि देखकर तय किए जाते हैं। वर्ष २०२२ में जब कच्चे तेल की कीमत ११५ डॉलर प्रति बैरल तक पहुंची, तब पांच

राज्यों के चुनाव के दौरान १३७ दिनों तक पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर रखे गए। वहीं बाद में जब कच्चा तेल घटकर ७५-८० डॉलर तक आ गया, तब जनता को वैसी राहत नहीं दी गई।

भाजपा सरकार के फैसले बाजार नहीं, चुनाव तय करते हैं

महासचिव ने कहा कि लोकसभा चुनाव २०२४ के ठीक पहले अचानक २ रुपये प्रति लीटर की कटौती यह साबित करती है कि भाजपा सरकार के फैसले बाजार नहीं, बल्कि चुनाव तय करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब इंडियन ऑयल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी सरकारी तेल कंपनियों ने वित्त वर्ष २०२३-२४ में लगभग ₹८१,००० करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया, तब अंडर-रिकवरी का रोना क्यों रोया जा रहा है? उन्होंने कहा कि २०१४ से अब तक केंद्र सरकार पेट्रोल-डीजल पर टैक्स के माध्यम से लगभग ३८.८९ रुपये लाख करोड़ की वसूली कर चुकी है। इसका पूरा बोझ देश के आम नागरिकों ने उठाया है। भाजपा सरकार ने १० वर्षों तक पेट्रोल-डीजल की कीमतों को आर्थिक नीति नहीं, बल्कि राजनीतिक हथियार की तरह इस्तेमाल किया।

आर्थिक अस्थिरता का सबसे बड़ा संकेत

विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई और आर्थिक अस्थिरता का सबसे बड़ा संकेत सोने की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि है। पिछले एक वर्ष में सोने के दाम कई गुना बढ़े, लेकिन आम लोगों की आय, वेतन या बैंक जमा में वैसी वृद्धि नहीं हुई।

उल्टा भारतीय रुपया लगातार कमजोर होता गया। यही कारण है कि पूरी दुनिया में सोने को सेफ एसेट माना जाता है, क्योंकि जब लोगों का अपनी करेंसी और अर्थव्यवस्था पर भरोसा घटता है, तो वे सोने की ओर रुख करते हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार की आर्थिक नीतियों ने आम जनता की बचत, रोजगार और क्रय शक्ति को कमजोर कर दिया है। आज आम नागरिक महंगाई, बेरोजगारी और टैक्स के दोहरे बोझ के नीचे दबा हुआ है।

सीबीएसई 12वीं विज्ञान में शौर्य नंदन बना संत माइकल्स स्कूल का टॉपर

रांची (एजेंसी): सीबीएसई द्वारा बुधवार को जारी १२वीं बोर्ड परीक्षा परिणाम में संत माइकल्स स्कूल जाजपुर के विद्यार्थियों ने अच्छा प्रदर्शन किया है। विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय के छात्रों ने बेहतर अंक हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विज्ञान संकाय में शौर्य नंदन ने ९४.६ प्रतिशत अंक लाकर स्कूल में पहला स्थान प्राप्त किया। पारुल कुमारी ९२.४ प्रतिशत के साथ दूसरे तथा स्पर्श दीप ८८.८ प्रतिशत अंक प्राप्त कर तीसरे स्थान पर रहे। वहीं वाणिज्य संकाय में अक्षत ने ९०.२ प्रतिशत अंक हासिल कर टॉप किया। अनुराग भारती ८६.६ प्रतिशत के साथ दूसरे और प्रांजल केडिया ८४ प्रतिशत अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे। परिणाम घोषित होने के बाद विद्यालय परिसर में खुशी का माहौल देखा गया। विद्यार्थियों और अभिभावकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर सफलता का जश्न मनाया।

क्या आप भी सूजी का हलवा या फिर बेसन का हलवा खाते-खाते बोर हो गए हैं? अगर हां, तो आपको खरबूजे की रेसिपी को जरूर आजमाकर देखना चाहिए। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे का हलवा बनाने के लिए आपको 250 ग्राम खरबूजा, 2 टेबल स्पून मिल्क पाउडर, 2 टेबल स्पून चीनी, एक टेबल स्पून कॉर्नफ्लोर, हाफ कप पानी, 2 छोटी चम्मच घी और एक टेबल स्पून बादाम की कतरन की जरूरत पड़ेगी। महज 15 मिनट में खरबूजे का हलवा सर्व करने के लिए तैयार हो जाएगा।

खरबूजे से कैसे बनाएं स्वादिष्ट हलवा, 15 मिनट में सर्व करने के लिए तैयार, नोट कर लीजिए आसान सी रेसिपी

पहला स्टेप- सबसे पहले खरबूजे के छील लीजिए और फिर छोटे-छोटे पीस में काट लीजिए।

दूसरा स्टेप- खरबूजे के टुकड़ों में मिक्सर में डालिए और अच्छी तरह से पीस लीजिए।

तीसरा स्टेप- इसके बाद एक कढ़ाई में पिसे हुए खरबूजे को निकाल लीजिए। मीडियम फ्लेम पर पिसे हुए खरबूजे को चलाते हुए बॉइल कर लीजिए।

चौथा स्टेप- कढ़ाई में मिल्क पाउडर और चीनी एड कर अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। इसके बाद हाफ कटोरी पानी में कॉर्नफ्लोर डालकर घोल लीजिए।

पांचवां स्टेप- इस घोल को हलवे में मिक्स कर लीजिए। इसके बाद खरबूजे के हलवे में घी को भी मिला लीजिए।

छठा स्टेप- आपको खरबूजे के हलवे को तब तक चलाते हुए पकाना है, जब तक ये गाढ़ा न हो जाए। लगभग 5 मिनट में खरबूजे का हलवा पक जाएगा।

लगभग 5 मिनट बाद आप गैस बंद कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि खरबूजे के हलवे की गार्निशिंग के लिए आपको बादाम की कतरन का इस्तेमाल कर सकते हैं। आप गर्म या फिर ठंडे खरबूजे के हलवे का लुत्फ उठा सकते हैं। यकीन मानिए बच्चों से लेकर बड़ों तक, सभी को पोषक तत्वों से भरपूर खरबूजे के हलवे का स्वाद काफी ज्यादा पसंद आएगा। इस बार गर्मियों के मौसम में आपको खरबूजे के हलवे की रेसिपी को जरूर ट्राई करके देखना चाहिए।

पानी की टंकी में क्यों डालना चाहिए फिटकरी? जानें इससे क्या होगा

पानी की शुद्धता आज के समय में एक बड़ी चुनौती है। अक्सर घरों की छतों पर रखी प्लास्टिक या कंक्रीट की टंकियों में मिट्टी, काई और बारीक अशुद्धियां जमा हो जाती हैं। इसलिए इसे साफ करना बेहद जरूरी है। पानी की टंकी साफ न करने की वजह से इंफेक्शन का खतरा रहता है। ऐसे में पानी की टंकी साफ करने के लिए लोग कई तरह के उपाय अपनाते हैं। ऐसे में आपने कई बार देखा होगा कि लोग पानी की टंकी में फिटकरी भी डालते हैं। लेकिन क्या आपको मालूम है कि पानी की टंकी में फिटकरी डालने से क्या होता है। यहां हम आपको बताने जा रहे हैं कि पानी की टंकी में फिटकरी क्यों डालना चाहिए। चलिए जानते हैं।

1. पानी का शुद्धिकरण

फिटकरी का सबसे महत्वपूर्ण काम पानी में मौजूद मिट्टी और धूल के कणों को नीचे बिठाना होता है। साइंस की भाषा में इसे 'स्कंदन' कहा जाता है। जब आप टंकी में फिटकरी डालते हैं, तो यह पानी में तैर रहे बारीक गंदगी के कणों के साथ चिपक जाती है, जिससे वे भारी होकर टंकी की तली में बैठ जाते हैं। इससे ऊपर का पानी बिल्कुल साफ हो जाता है।

2. बैक्टीरिया और कीटाणुओं से छुटकारा

फिटकरी में एंटी-बैक्टीरियल गुण होते हैं। हालांकि यह क्लोरीन की तरह पूरी तरह से पानी को स्टरलाइज नहीं करती, लेकिन यह पानी में पनपने वाले हानिकारक बैक्टीरिया की संख्या को कम करने में सहायक है। अगर आपके इलाके में पानी की गुणवत्ता खराब है या पानी से हल्की गंध आ रही है, तो फिटकरी का इस्तेमाल बेहतरीन साबित हो सकता है।

3. काई को जमने से रोके

गर्मियों के मौसम में धूप के कारण पानी की टंकी में अक्सर हरे रंग की काई जम जाती है। यह काई न केवल पानी को गंदा करती है, बल्कि पाइपलाइन को भी जाम कर सकती है। फिटकरी के इस्तेमाल से टंकी की दीवारों पर काई जमने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है, जिससे टंकी लंबे समय तक साफ रहती है और पानी गंदा नहीं आता।

4. त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद

खारे पानी से नहाने पर त्वचा में खुजली, रैशेज और बालों के झड़ने की समस्या हो सकती है। फिटकरी पानी के खारेपन को कम करती है। फिटकरी वाले पानी से नहाने से त्वचा को गहराई से साफ करने में मदद मिलती है। इसके साथ ही इस पानी से नहाने से पसीने की दुर्गंध भी नहीं आती।

फिटकरी इस्तेमाल करने का सही तरीका

500 लीटर की टंकी के लिए लगभग 50 से 100 ग्राम फिटकरी डालें। इसके लिए फिटकरी का एक बड़ा टुकड़ा लें और उसे एक सूती कपड़े या पोटली में बांध लें। इस पोटली को एक लंबी रस्सी की मदद से टंकी के बीचों-बीच लटका दें। इसे रात भर पानी में रहने दें। सुबह तक सारी गंदगी तली में बैठ जाएगी।

एक हफ्ते में कितनी बार धोने चाहिए बाल, ज्यादा शैंपू लगाने से हो सकता है हेयर फॉल

कुछ लोग हर रोज बाल धोते हैं, तो वहीं कुछ लोग एक हफ्ते में सिर्फ एक बार हेयर वॉश करते हैं। क्या आपने कभी सोचा है कि एक हफ्ते में कितनी बार बाल धोना, हेयर हेल्थ के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है? अगर नहीं, तो आज हम आपको इस सवाल के सही जवाब के बारे में बताएंगे। इसके अलावा आज हम आपको शैंपू करने के सही तरीके के बारे में भी बताएंगे जिससे आपके बालों की सेहत को मजबूत बनाया जा सके।

कितनी बार धोएं बाल- ज्यादातर लोगों के बालों के लिए एक हफ्ते में 2 से 3 बार शैंपू करना फायदेमंद साबित हो सकता है। लेकिन अगर आपकी स्कैल्प ऑयली है, तो आप हर रोज या फिर एक दिन छोड़कर हेयर वॉश कर सकते हैं। वहीं, अगर आपके बाल रूखे या फिर घुंघराले हैं, तो 1-2 बार बाल धोना काफी है। अपनी हेयर हेल्थ को सुधारने के लिए आपको माइल्ड शैंपू या फिर नेचुरल शैंपू का इस्तेमाल करना चाहिए।

शैंपू करने का सही तरीका- शैंपू को कभी भी डायरेक्ट अपने सिर पर नहीं लगाना चाहिए। एक कटोरी में थोड़ा सा पानी और थोड़ा सा शैंपू निकाल लीजिए और फिर इन दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर लीजिए। आप शैंपू और पानी के मिश्रण को अपनी स्कैल्प पर अप्लाई कर सकते हैं। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि जो लोग जरूरत से ज्यादा बार शैंपू लगाते हैं, उनके बाल न केवल रूखे और बेजान हो जाते हैं बल्कि उन्हें हेयर फॉल की समस्या का सामना भी करना पड़ सकता है।

जरूर लगाएं तेल- आपको शैंपू करने से एक रात पहले अपने बालों पर और अपनी स्कैल्प पर तेल जरूर लगाना चाहिए। औषधीय गुणों से भरपूर तेल की मसाज आपके बालों को अंदर से पोषण देने में कारगर साबित हो सकती है। अगर आपके पास ज्यादा समय नहीं है, तो आप बाल धोने से 1-2 घंटे पहले भी तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। दादी-नानी के जमाने से बालों पर तेल लगाने की आदत को काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है।

गंदे-चिपचिपे हो गए हैं किचन के डिब्बे, तो अपनाएं कुछ जुगाड़ू तरीके, चुटकियों में हो जाएंगे चकाचक साफ

किचन में रखे डिब्बे गंदे तो होते ही हैं लेकिन तेल की चिकनाई की वजह से इन डिब्बों को साफ करना और ज्यादा मुश्किल हो जाता है। बार-बार रगड़ने के बाद भी किचन के डिब्बों पर मौजूद चिपचिपाहट नहीं हट पाती है। आज हम आपको कुछ ऐसे हैक्स के बारे में बताएंगे, जिनकी मदद से आप आसानी से किचन के डिब्बों पर मौजूद सारी की सारी गंदगी और चिकनाहट को दूर कर पाएंगे। आप इन हैक्स में से किसी भी एक हैक को आजमाकर देख सकते हैं।

मददगार साबित हो सकता है नींबू और गर्म पानी- नींबू में मौजूद तत्व क्लीनिंग एजेंट की तरह काम कर सकते हैं। आपको एक कटोरे में नींबू के रस को निचोड़ लेना है। अब इसी कटोरे में गर्म पानी भी निकाल लेना है। नींबू और गर्म पानी के घोल से न केवल स्टील के डिब्बों को बल्कि प्लास्टिक के डिब्बों को भी आसानी से साफ किया जा सकता है। चिकनाई हो या फिर गंदगी, दोनों ही दूर कर डिब्बों को चकाचक साफ किया जा सकता है।

इस्तेमाल कर सकते हैं सिरके का घोल- एक स्प्रे बॉटल में गर्म पानी भर लीजिए। इसी बॉटल में सफेद सिरका एड कर अच्छी तरह से मिला लीजिए। आपका होममेड क्लीनिंग स्प्रे तैयार है। किचन के गंदे और चिकने डिब्बों पर स्प्रे कर दीजिए। अब आपको एक कपड़े को गीला करना है और फिर इस कपड़े से किचन के डिब्बों को अच्छी तरह से पोंछ लेना है। चिपचिपाहट से लेकर दाग-धब्बों तक, सब कुछ साफ हो जाएगा।

गर्म पानी और बेकिंग सोडा- सबसे पहले एक बाल्टी में गर्म पानी भर लीजिए। इस पानी में दो चम्मच बेकिंग सोडा और थोड़ा सा डिटर्जेंट पाउडर मिला लीजिए। किचन के गंदे और चिपचिपे डिब्बों को इस घोल में भिगो दीजिए। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए 10 से 15 मिनट तक डिब्बों को भिगोए रखिए। आखिर में स्क्रबर से स्क्रब करते हुए किचन के डिब्बों को धो लीजिए।

भूख हो या चाहे ना हो, दही और हरी मिर्ची की सब्जी के साथ हर कोई खाएगा 2 रोटी एक्स्ट्रा, जानें झटपट कैसे बनाएं?

अगर आप रोज रोज आलू, गोभी और पनीर की सब्जियों को खाकर बोर हो चुके हैं तो हम आपके लिए आज दही और मिर्च की सब्जी लेकर आए हैं। अगर, आप कुछ नया और टेस्टी ट्राई करना चाहते हैं तो दही और हरी मिर्च की ये सब्जी आपके लिए एकदम परफेक्ट है। कम सामग्री में बनने वाली ये देसी रेसिपी स्वाद में इतनी लाजवाब होती है कि रोटी अपने आप ज्यादा खा ली जाती है। आइए जानें इसे बनाने का आसान तरीका।

दही मिर्च बनाने के लिए सामग्री:

बड़ी हरी मिर्चें (छोटे टुकड़ों में कटी हुई), 1 छोटा चम्मच साबुत धनिया, 1 छोटा चम्मच सौंफ, 2 छोटे चम्मच तेल, 1 छोटा चम्मच राई, 1 छोटा चम्मच जीरा, 1 छोटा चम्मच सफेद तिल, एक चुटकी हींग पाउडर, 2 छोटे चम्मच धनिया-जीरा पाउडर, 1 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटा चम्मच बेसन, नमक, 1 छोटा चम्मच अमचूर पाउडर, 1 छोटा चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर, डेढ़ कप दही

कैसे बनाएं दही मिर्च की सब्जी?

पहला स्टेप : सबसे पहले बड़ी हरी मिर्चों के डंठल हटा दें। उसके बाद उन्हें छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इसके बाद, 1 चम्मच साबुत धनिया और 1 चम्मच सौंफ को दरदरा कूट लें और एक तरफ रख दें।

दूसरा स्टेप : अब, एक पैन में 2 चम्मच तेल गरम करें। इसमें 1 चम्मच राई, 1 चम्मच जीरा, 1 चम्मच सफेद तिल और एक चुटकी हींग डालें। उसके बाद 2 चम्मच धनिया-जीरा पाउडर, 1 चम्मच हल्दी पाउडर, 1 चम्मच बेसन डालें। अब इस मसाले को अच्छी तरह भून लें और उसमें कटी हुई मिर्चें डाल दें। इसके बाद स्वादानुसार नमक भी डालें।

तीसरा स्टेप : अब, इसमें थोड़ा सा पानी डालकर ढक दें और 5 मिनट तक पकाएँ। इसके बाद, 1 चम्मच अमचूर पाउडर, 1 चम्मच कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर और कुटा हुआ धनिया-सौंफ भी डालकर अच्छी तरह से मिलाएं।

चौथा स्टेप : अब इस मिश्रण में डेढ़ कप गाढ़ा दही डालें। इसे धीमी आंच पर रखें और अच्छी तरह मिलाएँ। इसे एक सर्विंग प्लेट में निकाल लें। स्वादिष्ट दही मिर्च का मजा फुल्का रोटी के साथ लें।

उमस भरी गर्मी में स्किन हो रही है बहुत ज्यादा ऑयली? इन टिप्स से तैलीय त्वचा से मिलेगा आसानी से छुटकारा

गर्मियों का मौसम ऑइली स्किन वालों के लिए किसी चुनौती से कम नहीं होता। तेज धूप, पसीना और बढ़ता ऑयल प्रोडक्शन त्वचा को चिपचिपा बना देता है, जिससे पिंपल्स, ओपन पोर्स और डलनेस जैसी समस्याएं बढ़ने लगती हैं। ऐसे में सही स्किनकेयर रूटीन अपनाकर आप एक्स्ट्रा ऑइल को कंट्रोल कर सकते हैं और त्वचा को फ्रेश व हेल्दी बनाए रख सकते हैं। आइए जानते हैं गर्मियों में ऑइली स्किन की देखभाल के आसान और असरदार टिप्स।

ऑइली स्किन के लिए अपनाएं ये टिप्स:

दिन में दो बार करें क्लींजिंग : गर्मी में अगर आपकी त्वचा भी बहुत जल्दी ऑइली हो रही है तो दिन में दो बार करें क्लींजिंग करें। ऑइली स्किन के लिए चेहरे की सफाई बेहद जरूरी है। माइल्ड और ऑयल-फ्री क्लींजर से दिन में कम से कम दो बार चेहरा धोएं, ताकि गंदगी और एक्स्ट्रा ऑयल हट सके।

हफ्ते में 2 बार एक्सफोलिएट करें : ऑइली स्किन पर डेड स्किन सेल्स जल्दी जमा होती हैं, जिससे चेहरा बेजान दिखने लगता है। एक्सफोलिएशन इन्हें हटाकर नई त्वचा लाता है। डेड स्किन और धूल-मिट्टी हटाने के लिए एक्सफोलिएशन जरूरी है। इससे स्किन स्मूद बनती है और पोर्स क्लॉग होने से बचते हैं।

गुलाब जल : गुलाब जल एक नेचुरल टोनर की तरह काम करता है। यह स्किन का पीएच बैलेंस करता है, पोर्स को टाइट करता है और चिपचिपाहट कम करने में मदद करता है।

माइल्ड मॉइस्चराइजर : ऑइली स्किन को भी हाइड्रेशन की जरूरत होती है। जेल-बेस्ड या वॉटर-बेस्ड मॉइस्चराइजर लगाएं, जो स्किन को बिना चिपचिपाहट के मॉइश्चराइज करता है।

सनस्क्रीन लगाना न भूलें : धूप से बचाव के लिए ऑयल-फ्री सनस्क्रीन का इस्तेमाल करें। यह स्किन को यूवी किरणों से बचाकर सनबर्न और एजिंग से प्रोटेक्ट करता है।

इन आसान टिप्स को अपनाकर आप गर्मियों में भी ऑइली स्किन को कंट्रोल में रख सकते हैं और पा सकते हैं साफ, फ्रेश और ग्लोइंग स्किन।

अगर आपके बाल भी रूखे सूखे और बेजान हो गए हैं तो उन्हें सुलझाने के लिए और उनकी नेचुरल चमक को वापस लाने के लिए आप इन दो घरेलू नुस्खों को ज़रूर आज़माए। इनकी मदद से आपके बाल न केवल शाइनी होंगे बल्कि जड़ से मजबूत और हेल्दी भी होंगे। साथ ही बालों का झड़ना भी कम होगा। चलिए, जानते हैं वे नुस्खे कौन से हैं?

रूखे और बेजान बालों को चमकाने के लिए इन नुस्खों का करें इस्तेमाल, रेशम से सिल्की हो जाएंगे बाल

इन दो नुस्खों का करें इस्तेमाल :

अलसी का जेल : अलसी के बीजों में ऐसे कई फायदेमंद तत्व पाए जाते हैं, जो बालों की सेहत के लिए बहुत लाभकारी होते हैं।अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड बालों को चमकने के अलावा उन्हें झड़ने से बचाता है। साथ ही ये सिर की त्वचा की सूजन को कम करने में भी मदद करते हैं।

कैसे करें इस्तेमाल : अलसी के जेल को शहद, दही के साथ मिलाएं। इस मास्क को अपने बालों और स्कैल्प पर लगाएं, 15-20 मिनट तक लगा रहने दें, फिर धो लें। इससे बालों में नमी और चमक बढ़ सकती है।

चावल का पानी : चावल का पानी कई पोषक तत्वों जैसे विटामिन ब्र ए, श्व, मिनरल्स और अमीनो एसिड से भरपूर होता है। यह बालों की सतह पर होने वाले घर्षण को कम करने में मदद करता है जिससे बाल रेशमी और चमकदार बनते हैं और उनमें रूखापन कम होता है।

कैसे करें इस्तेमाल : कच्चे चावलों को लगभग 30 मिनट तक पानी में भिगोकर रखें। चावलों को छान लें और पानी को अलग रख लें। बालों में शैम्पू करें और नल के पानी से धो लें। इसके बाद, बालों और सिर की त्वचा को उस चावल के पानी से धोएँ जिसे आपने अलग रखा था। इसे 10-15 मिनट तक लगा रहने दें और आखिर में पानी से धो लें।

शाइनी और मजबूत हेयर के लिए इन बातों का भी रखें ख्याल :

तौलिए की जगह सूती का करें इस्तेमाल : अगर आप भी तौलिए का इस्तेमाल बालों को सुखाने के लिए कर रहे हैं तो इस आदत को बदल दें। तौलियों से जोर से रगड़ने से बालों में घर्षण पैदा होता है, जिससे बाल टूट जाते हैं। इसलिए, तौलिए की जगह सूती कपड़े का इस्तेमाल करें, जिससे आप अपने बालों को सुखा सकें।

बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल न करें : अगर आप बाल धोने के लिए गर्म पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो इससे बालों के क्यूटिकल्स खुल जाते हैं। लेकिन जब आप बाल धोने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं, तो यह क्यूटिकल्स को बंद कर देता है और बालों को रेशमी और सीधा रखने में मदद करता है।

हीट टूल्स का इस्तेमाल करने से बचें : अगर आप अपने बालों को ठीक करने के लिए ब्लो ड्रायर या इलेक्ट्रिक स्ट्रेटनर का इस्तेमाल कर रहे हैं, तो असल में आप अपने बालों को कमजोर बना रहे हैं। इसीलिए आपको ड्रायर और इस तरह के अन्य उपकरणों का नियमित इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

चेहरे पर कैसे लगाएं दूध की मलाई, ग्लो करने लगेगा चेहरा

रूखी त्वचा भी बन जाएगी मुलायम

दूध को त्वचा के लिए काफी ज्यादा फायदेमंद माना जाता रहा है। लेकिन क्या आपको पता है कि सिर्फ दूध ही नहीं, बल्कि दूध की मलाई भी आपकी त्वचा की सेहत पर पॉजिटिव असर डाल सकती है? दूध की मलाई में मौजूद तमाम औषधीय गुण स्किन रिलेटेड प्रॉब्लम्स से छुटकारा दिलाने में कारगर साबित हो सकते हैं। आज हम आपको पोषक तत्वों से भरपूर दूध की मलाई को स्किन केयर रूटीन में शामिल करने के सही तरीके के बारे में बताएंगे।

कैसे लगाएं मलाई- सबसे पहले एक कटोरी में थोड़ी सी मलाई निकाल लीजिए। इसके बाद आपको इसी कटोरी में चुटकी भर हल्दी पाउडर को भी निकाल लेना है। अब आपको इन दोनों केमिकल फ्री चीजों को अच्छी तरह से मिक्स करके एक स्मूद पेस्ट तैयार कर लेना है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि आप इस पेस्ट को फेस पैक की तरह एक हफ्ते में 1 से 2 बार अप्लाई कर सकते हैं।

अप्लाई करने का तरीका- इस फेस पैक को अपने पूरे चेहरे पर और गर्दन वाले हिस्से पर अच्छी तरह से लगा लीजिए। लगभग 5 मिनट तक अपने चेहरे की मसाज जरूर करें। बेहतर परिणाम हासिल करने के लिए आपको लगभग 20 मिनट तक इस फेस पैक को अपनी त्वचा पर लगाए रखना है। 20 मिनट के बाद आप फेस वॉश कर सकते हैं। हालांकि, आपको दूध की मलाई को अपने पूरे चेहरे पर अप्लाई करने से पहले पैच टेस्ट करना नहीं भूलना चाहिए।

त्वचा के लिए वरदान- त्वचा का निखार बढ़ाने के लिए और त्वचा को गहराई से पोषण देने के लिए इस फेस पैक का इस्तेमाल किया जा सकता है। क्या आप दाग-धब्बों से छुटकारा पाना चाहते हैं? अगर हां, तो आप इस फेस पैक को अपने स्किन केयर रूटीन में शामिल कर सकते हैं। दूध की मलाई में एंटी एजिंग गुण भी मौजूद होते हैं यानी झुर्रियों को रोकने के लिए भी इस फेस पैक को यूज किया जा सकता है। इस फेस पैक की मदद से रूखी त्वचा को मुलायम बनाया जा सकता है।

डिस्क्लेमर : इस आर्टिकल में सुझाए गए टिप्स केवल आम जानकारी के लिए हैं। सेहत से जुड़े किसी भी तरह का फिटनेस प्रोग्राम शुरू करने अथवा अपनी डाइट में किसी भी तरह का बदलाव करने या किसी भी बीमारी से संबंधित कोई भी उपाय करने से पहले अपने डॉक्टर से सलाह जरूर लें। इंडिया टीवी किसी भी प्रकार के दावे की प्रामाणिकता की पुष्टि नहीं करता है।

नाश्ते में झटपट बनाएं टेस्टी और हेल्दी रागी चीला, वेट लॉस में है मददगार

सुबह का नाश्ता दिन का पहला मील होता है। इसलिए नाश्ते में हमेशा हेल्दी चीजें खानी चाहिए। सुबह की जल्दबाजी में लोगों को समझ नहीं आता कि क्या बनाया जाए। अक्सर लोग एक ही तरह का नाश्ता करके बोर हो जाते हैं। ऐसे में रागी का चीला स्वाद और सेहत दोनों का परफेक्ट कॉम्बिनेशन हो सकता है। रागी का चीला खाने में बेहद स्वादिष्ट लगता है और इसे बनाना बेहद आसान भी है। रागी चीला ग्लूटन-फ्री और कम कैलोरी वाला नाश्ता है। ऐसे में जो लोग वेट लॉस करना चाहते हैं वो इसका सेवन कर सकते हैं।

सामग्री

रागी का आटा- 1 कप

बेसन या सूजी- 2-3 बड़े चम्मच (बाइंडिंग के लिए)

दही- द कप

प्याज -1 मध्यम (बारीक कटा हुआ)

हरी मिर्च - 1-2 (बारीक कटी हुई)

अदरक-लहसुन पेस्ट - इ छोटा चम्मच

ताजा धनिया - बारीक कटा हुआ

सब्जियां - कद्दूकस की हुई गाजर या बारीक कटी शिमला मिर्च (स्वादानुसार)

मसाले - नमक, हल्दी, जीरा पाउडर, और थोड़ी सी हींग

पानी - आवश्यकतानुसार (घोल बनाने के लिए)

तेल/घी - सेकने के लिए

बनाने की विधि

घोल तैयार करें

एक बड़े बाउल में रागी का आटा, बेसन/सूजी, नमक और सभी सूखे मसाले मिला लें। अब इसमें दही और थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर एक मध्यम गाढ़ा घोल तैयार करें। ध्यान रहे कि गुठलियां न बनें।

सब्जियां मिलाएं

इस घोल में कटा हुआ प्याज, हरी मिर्च, अदरक-लहसुन का पेस्ट, हरा धनिया और अपनी मनपसंद सब्जियां डालकर अच्छी तरह मिलाएं। घोल को 10-15 मिनट के लिए ढककर रख दें।

तवा गरम करें

एक नॉन-स्टिक तवा गरम करें और उस पर थोड़ा सा तेल या घी लगाकर चिकना कर लें।

चीला फैलाएं

आंच को धीमा करें और एक बड़ा चम्मच घोल तवे के बीच में डालें। इसे धीरे-धीरे गोल घुमाते हुए फैलाएं।

सेकें

चीले के किनारों पर थोड़ा सा तेल डालें। इसे मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक पकने दें जब तक कि ऊपर की सतह सूखी न दिखने लगे।

पलटें

अब चीले को पलट दें और दूसरी तरफ से भी सुनहरा और कुरकुरा होने तक सेकें।

कच्चे आम की लौंजी बनाकर खाएं, खट्टा मीठा स्वाद चखते ही मजा आ जाएगा, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

कच्चे आम का सीजन आते ही लोग आम की चटनी, आम का अचार और आम की लौंजी बनाकर खाते हैं। अगर आपको भी कुछ खट्टा मीठा और स्वादिष्ट खाना है तो आम की लौंजी बनाकर खा सकते हैं। बिना प्याज, लहसुन और टमाटर के आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाती है। इसका स्वाद इतना अच्छा होता है कि आप लौंजी से 1-2 रोटी ज्यादा खा जाएंगे। अगर आपने अभी तक आम की लौंजी ट्राई नहीं की तो ये रेसिपी एक बार जरूर बनाएं। खास बात ये है कि कच्चे आम की लौंजी कई दिनों तक खराब नहीं होती है। इसका स्वाद बहुत ही मजेदार होता है। फटाफट नोट कर लें कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी।

कच्चे आम की लौंजी की रेसिपी

पहला स्टेप- कच्चे आम की लौंजी बनाने के लिए आपको 3-4 कच्चे आम लेने हैं। आम को अच्छी तरह से धो लें और उसे छील लें। अब आम को मोटे-मोटे टुकड़ों में काट लें। गुठलियां निकाल लें और उन्हें फेंके नहीं बल्कि सब्जी में ही डाल दें।

दूसरा स्टेप- लौंजी के लिए कड़ाही में सरसों का तेल डालें। आपको बहुत कम तेल इस्तेमाल करना है। अब तेल में हरी सौंफ डालें और हल्दी, नमक और लाल मिर्च पाउडर डाल दें। अब इसमें कटे हुए कच्चे आम और उसकी गुठलियां डाल दें। सारी चीजों को मिक्स करके 1 गिलास पानी डाल दें।

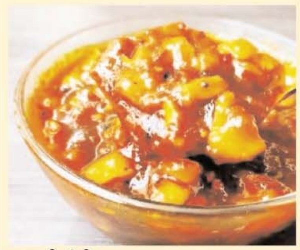

आम की लौंजी

तीसरा स्टेप- अब आम को अच्छी तरह से गलने तक पकाएं। जब आम पक जाए तो इसमें थोड़ा स्वाद बढ़ाने के लिए काला नमक और काली मिर्च का पाउडर डाल दें। अब मीठा करने के लिए इसमें गुड़, जैगरी पाउडर या फिर चीनी मिला दें। आप इसे अपने स्वाद के हिसाब से मीठा कम या ज्यादा रख सकते हैं। लौंजी में पानी कम हो तो थोड़ा और डाल लें।

चौथा स्टेप- आम की लौंजी को हल्का लुटपुटा बनाते हैं। बहुत ज्यादा पानी या बहुत गाढ़ा न करें। इस तरह स्वादिष्ट आम की लौंजी बनकर तैयार हो जाएगी। आप इसे रोटी और चावल के साथ खाएं। आम की लौंजी को अच्छी तरह 8-10 दिन तक फ्रिज में रखकर खा सकते हैं।

बादाम के तेल में मिलाएं ये 1 चीज, तैयार हो जाएगी घर में बनी नेचुरल फेस क्रीम, लगाते ही मक्खन सी चिकनी होगी त्वचा

त्वचा को स्वस्थ और खूबसूरत बनाने के लिए चेहरे पर मालिश करना जरूरी है। मसाज के लिए मार्केट में कई तरह की क्रीम मिल जाती हैं। लेकिन आप घर में सिर्फ बादाम के तेल और एलोवेरा जेल से एकदम नेचुरल और होममेड क्रीम तैयार कर सकते है। आपको यकीन नहीं होगा कि तेल से इतनी आसानी से क्रीम बन जाएगी। आप इसे कुछ दिनों तक लगातार चेहरे पर लगाएंगे तो निखार साफ नजर आने लगेगा। बाबाद और एलोवेरा से बनी ये क्रीम झुर्रियों को दूर करने, झाईं और दाग मिटाने और एजिंग को कम करने में मदद करती है। इस क्रीम को बनाना बच्चों का खेल है। इतनी आसानी से और मिनटों में घर में बादाम के प्योर शुद्ध तेल से क्रीम बन जाएगी। जानिए बादाम तेल से क्रीम बनाने का तरीका क्या है?

बादाम तेल से क्रीम कैसे बनाएं

इसके लिए आपको बादाम का शुद्ध तेल लेना है। आप घर में बादाम का तेल निकाल सकते हैं। बाजार से त्वचा पर लगाने के लिए कोल्ड प्रेस बादाम का खरीद सकते हैं। बादाम के तेल को कटोरी में निकाल लें। 4 चम्मच तेल में करीब 4 चम्मच एलोवेरा जेल मिक्स करें। इसमें 2 विटामिन ई के कैप्सूल डालें और सारी चीजों को चम्मच की मदद से लगातार चलाते रहें। थोड़ी देर चलाने के बाद ही तेल और जेल मिलकर क्रीम जैसी बन जाएगी। इसका रंग भी व्हाइट और क्रीमी होने लगेगा।

बादाम क्रीम को चेहरे पर कैसे लगाएं

इस क्रीम को एक एयरटाइट कांच की शीशी या किसी क्राम के ट्यूब में भर दें। आप इसे रोजाना रात में सोते वक्त पूरे चेहरे पर अच्छी तरह से लगाएं। थोड़ी देर हल्के हाथों से चेहरे की मालिश करें। इसके बाद सो जाएं। सुबह पानी से चेहरे को धो लें। बादाम के तेल से बनी इस क्रीम का इस्तेमाल आप दिन में किसी भी वक्त कर सकते हैं। नहाने से पहले या नहाने के बाद इस क्रीम से फेस मसाज करना फायदेमंद साबित होगा। आप इसे लंबे समय तक आसानी से स्टोर कर सकते हैं। बादाम के तेल में भरपूर विटामिन ई पाया जाता है जिससे एजिंग को कम किया जा सकता है। वहीं एलोवेरा त्वचा में नमी को लॉक करने का काम करता है।

संक्षिप्त समाचार

अमेरिकी सीनेट में डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे का मुद्दा उठा

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सीनेट की एक सुनवाई के दौरान रणनीतिक रूप से अहम डिएगो गार्सिया सैन्य अड्डे का मुद्दा अचानक उठाया गया। रिपब्लिकन सांसद जॉन कैनेडी ने चेतावनी दी कि चागोस द्वीप समूह विवाद के जरिये हिंद महासागर में चीन का प्रभाव बढ़ सकता है। यह सुनवाई राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 1.5 ट्रिलियन डॉलर के रक्षा बजट प्रस्ताव पर हुई। कैनेडी ने ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की चागोस द्वीप और मॉरीशस से जुड़ी योजनाओं की आलोचना की। कैनेडी ने कहा कि मॉरीशस के चीन से करीब संबंध हैं और यदि द्वीपों का नियंत्रण उसे मिला तो यह अमेरिकी हितों के लिए खतरा बन सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि मॉरीशस डिएगो गार्सिया की एक अतिरिक्त चाबी चीन को दे सकता है। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने सीधे इस टिप्पणी का समर्थन नहीं किया। लेकिन उन्होंने डिएगो गार्सिया की रणनीतिक अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि डिएगो गार्सिया अमेरिका के लिए बेहद अहम सैन्य स्थान है और भविष्य में भी वहां संचालन क्षमता बनाए रखना जरूरी है।

कोलंबिया में पिछले साल का सशस्त्र संघर्ष एक दशक में सबसे गंभीर: रेडक्रॉस रिपोर्ट

कोलंबिया, एजेंसी। पिछले एक वर्ष में आम नागरिकों पर सशस्त्र संघर्ष का असर पिछले एक दशक में सबसे खराब रहा है। रेड क्रॉस की एक वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में विस्थापित लोगों की संख्या दोगुनी होकर 2,35,000 तक पहुंच गई, क्योंकि आपराधिक गिरोह और विद्रोही समूह सरकार और एक-दूसरे से लड़ रहे हैं। छोटे शहरों और गांवों में विद्रोही समूहों की ओर से लगाए गए लॉकडाउन की घटनाएं भी 99 फीसदी बढ़ गई। दशकों से कोलंबिया में विद्रोही समूह और ड्रग तस्कर ग्रामीण इलाकों पर नियंत्रण के लिए सरकार से लड़ते रहे हैं। 2016 के शांति समझौते के बाद हिंसा में कमी आई थी। लेकिन बाद में छोटे समूहों ने खाली हुए इलाकों पर कब्जा कर लिया। रेड क्रॉस ने कहा कि 2025 की स्थिति पिछले कई वर्षों से चले आ रहे लगातार बिगड़ते हालात का नतीजा है।

हंगरी में 16 साल बाद नई सरकार, मंत्रियों ने संभाले पदभार

बुडापेस्ट, एजेंसी। यूरोपीय देश हंगरी में 16 साल के बाद व्यवस्था बदल गई है। मंत्रियों ने पदभार संभाल लिए हैं। हंगरी की राजधानी बुडापेस्ट में मंगलवार को प्रधानमंत्री पीटर मैग्यार के नेतृत्व वाली सरकार में शामिल मंत्रियो को शपथ दिलाई गई। सत्ता हस्तांतरण से पहले मैग्यार की प्रो-यूरोपीय तिस्जा पार्टी ने पिछले महीने ओर्बन की फ़िडेज पार्टी को हराकर दो-तिहाई बहुमत हासिल किया। इसी के साथ 16 साल से चला आ रहा ओर्बन के राजनीतिक सिस्टम का पटाक्षेप हो गया है। पीटर मैग्यार ने अपनी नीतियों का संकेत देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व वाली नई सरकार सभी हंगरीवासियों की होगी और मंत्री राष्ट्र सेवा की भावना के साथ काम करेंगे। मैग्यार ने भ्रष्टाचार पर कार्रवाई, सार्वजनिक धन की वसूली, लोकतांत्रिक संस्थाओं को बहाल करने जैसे लुभावने वादे भी किए। नई सरकार में 16 मंत्रालय हैं, जिनमें स्वास्थ्य, पर्यावरण और शिक्षा के लिए अलग विभाग हैं। इसका लक्ष्य यूरोपीय संघ के जमे हुए करीब 17 अरब यूरो के फंड को वापस लाना है, जिस पर विदेश मंत्री अनीता ओर्बन ने भी जोर दिया।

नेपाल में रखी गई स्कूल भवन की आधारशिला

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के अछाम जिले में मंगलवार को भारत की सहायता से एक स्कूल भवन की आधारशिला रखी गई। यह बसुकी माध्यमिक विद्यालय सुदूरपश्चिम प्रांत में बन रहा है। भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव नारायण सिंह और मेलेख ग्रामीण नगर पालिका के अध्यक्ष ज्वाला सिंह सऊद ने आधारशिला रखी। भारत सरकार 38 दस लाख नेपाली रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान कर रही है। यह उच्च प्रभाव वाली सामुदायिक विकास परियोजना का हिस्सा है। अध्यक्ष सऊद ने भारत के विकास समर्थन की सराहना की। उन्होंने विश्वास जताया कि यह छात्रों के सीखने के माहौल को बेहतर बनाएगा।

ट्रंप के रक्षा बजट पर बवाल: ईरान युद्ध पर अमेरिकी संसद में घमासान, हेगसेथ बोले- अब भी हमारे हाथ में सारे पत्ते

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने ईरान के खिलाफ जारी सैन्य अभियान का जोरदार बचाव किया। उन्होंने कहा कि तमाम तनाव और होर्मुज जलडमरूमध्य में जारी संकट के बावजूद अमेरिका अब भी सभी पत्ते अपने हाथ में रखता है।

सीनेट विनियोग उपसमिति के समक्ष रक्षा मामलों की सुनवाई के दौरान हेगसेथ ने डेमोक्रेट सांसदों के साथ तीखी बहस की। इस बैठक में जॉइंट चीफ्स चेयरमैन डैन केन भी मौजूद थे। सुनवाई का मुख्य मुद्दा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रस्तावित 1.5 ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट, ईरान युद्ध की बढ़ती लागत, होर्मुज जलडमरूमध्य बंद होने से बढ़ती तेल कीमतें और चीन-यूक्रेन को लेकर अमेरिकी रणनीति रही।

हेगसेथ ने ईरान को लेकर क्या कहा?: हेगसेथ ने कहा कि ईरान की सैन्य ताकत को बड़ा नुकसान पहुंचाया गया है। उन्होंने दावा किया कि 47 वर्षों से ईरान अमेरिका पर हमला करता रहा है और परमाणु हथियार कार्यक्रम को लेकर झूठ बोलता रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने आखिरकार कार्रवाई करने का साहस दिखाया। उन्होंने यह भी कहा कि ईरान की पूरी पारंपरिक नौसेना अब फारस की खाड़ी के तल में पड़ी है

और मौजूदा स्थिति में अमेरिका के पास पहले से ज्यादा दबदबा है।

हेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन पर उठाए गंभीर सवाल: हालांकि डेमोक्रेट सांसदों ने ट्रंप प्रशासन की रणनीति पर गंभीर सवाल उठाए। सीनेटर क्रिस कून्स ने कहा कि यह युद्ध बिना किसी स्पष्ट लक्ष्य और अंत की योजना के लड़ा जा रहा है, जिसकी कीमत अमेरिकी जनता चुका रही है। वहीं सीनेटर पैटी मरे ने बढ़ती ईंधन और खाद्य कीमतों के बीच भारी रक्षा खर्च पर सवाल उठाए।

ईरान युद्ध में अमेरिका का कितना हुआ खर्च?

पेंटागन के मुताबिक ईरान संघर्ष पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं, हालांकि अमेरिकी सैन्य ठिकानों को हुए नुकसान का पूरा आकलन अभी बाकी है।

किन-किन विषयों पर हुई चर्चा?

सुनवाई के दौरान सबसे बड़ा सवाल होर्मुज जलडमरूमध्य को दोबारा खोलने को लेकर उठा। वैश्विक तेल आपूर्ति के लिए बेहद अहम इस समुद्री मार्ग में व्यवधान के कारण दुनिया भर में कच्चे तेल की कीमतें बढ़ी हैं। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका के पास सैन्य विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वाशिंगटन अब भी बातचीत के जरिए समाधान चाहता है ताकि ईरान अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में समुद्री डकैती बंद करे। जॉइंट चीफ्स चेयरमैन जनरल डैन केन ने भी माना कि ईरान अपनी सैन्य गतिविधियों के जरिए दुनिया की अर्थव्यवस्था को बंधक बनाए हुए है, लेकिन उन्होंने सैन्य योजनाओं पर सार्वजनिक रूप से ज्यादा जानकारी देने से इनकार कर दिया। सुनवाई में मिच मैककोनेल ने नाटो सहयोगियों और यूक्रेन को समर्थन जारी रखने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि ऐसे समय में जब अमेरिका के विरोधी देश एकजुट हो रहे हैं, सहयोगियों से दूरी बनाना खतरनाक हो सकता है।

ट्रंप की चीन यात्रा पर हुई चर्चा

वहीं चीन को लेकर भी अमेरिका की रणनीति पर चर्चा हुई। ट्रंप की संभावित बीजिंग यात्रा से पहले मैककॉनेल ने पूछा कि क्या ताइवान और दक्षिण चीन सागर में अमेरिकी प्रतिबद्धताएं कायम रहेंगी। इस पर हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपने सहयोगियों जापान, ताइवान और फिलीपींस के साथ साझेदारी और समुद्री सुरक्षा को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है।

ईरानी हमलों का सऊदी ने दिया था करारा जवाब, कई इलाकों पर किए थे हवाई हमले; रिपोर्ट में खुलासा

रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब की वायुसेना ने मार्च के अंत में ईरान पर कई गुप्त हमले किए। रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में पश्चिमी और ईरानी अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी समाने आई है। यह पहली बार है जब सऊदी अरब ने सीधे ईरान पर हमला किया है। इससे पता चलता है कि रियाद अब अपनी सुरक्षा के लिए पहले से ज्यादा कड़ा रुख अपना रहा है। अधिकारियों ने बताया कि ये हमले सऊदी

अरब पर हुए हमलों का बदला लेने के लिए किए गए थे। हालांकि, इन हमलों में किन जगहों को निशाना बनाया गया, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने इस पर कोई साफ जवाब नहीं दिया और ईरान की तरफ से भी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई। इन हमलों से साफ है कि पश्चिम एशिया और खाड़ी क्षेत्र में संघर्ष काफी बढ़ गया है। तनाव को और ज्यादा बढ़ने से रोकने के लिए सऊदी अरब लगातार ईरान के संपर्क में रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, सऊदी अरब ने ईरान को इन हमलों की जानकारी दी थी। इसके बाद बड़े स्तर पर कूटनीतिक बातचीत हुई। सऊदी अरब ने चेतावनी दी थी कि अगर हमले नहीं रुके तो वह और कड़ी कार्रवाई करेगा। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव कम करने को लेकर एक अनौपचारिक समझौता हुआ। यह समझौता 7 अप्रैल को अमेरिका और ईरान के बीच हुए युद्धविराम से ठीक एक हफ्ते पहले लागू हुआ था। ईरानी अधिकारियों ने पुष्टि की कि दोनों देश दुश्मनी खत्म करने और आपसी हितों की रक्षा के लिए सहमत हुए हैं। मार्च के महीने में तनाव काफी बढ़ गया था। 19 मार्च को सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान ने कहा था कि जरूरत पड़ने पर उनका देश सैन्य कार्रवाई का अधिकार रखता है। इसके तीन दिन बाद सऊदी अरब ने ईरान के सैन्य अताशे और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया था।

राष्ट्रपति मिलेई के खिलाफ सड़कों पर उतरे हजारों लोग

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना में मंगलवार को हजारों लोग देशभर के बड़े शहरों की सड़कों पर उतर आए। इन लोगों ने राष्ट्रपति जेवियर मिलेई की ओर से सरकारी विश्वविद्यालयों की फंडिंग में कटौती के खिलाफ प्रदर्शन किया। इस संकटग्रस्त देश में सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था लोगों के लिए गर्व का विषय मानी जाती है। राजधानी ब्यूनस आयर्स में भारी भीड़ ने सरकारी मुख्यालय तक रैली निकाली और विश्वविद्यालयों के बजट में कमी का विरोध किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि फंड की कमी से देश की उच्च शिक्षा व्यवस्था कमजोर हो रही है। अर्जेंटीना की सरकारी विश्वविद्यालय व्यवस्था देश के शिक्षित कार्यबल की मजबूत नींव मानी जाती है और मध्यम वर्ग के लिए यह गर्व की बात है। यहां 1949 से पढ़ाई मुफ्त है और इसी व्यवस्था ने पांच नोबेल पुरस्कार विजेता दिए हैं। पिछले साल संसद ने विश्वविद्यालयों के खर्च और शिक्षकों के वेतन को बढ़ती महंगाई के हिसाब से बढ़ाने के लिए कानून पारित किया था। लेकिन सरकार ने अभी तक इसे लागू नहीं किया और अदालत में इस कानून को चुनौती दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरह मिलेई भी अक्सर विश्वविद्यालय परिसरों को 'वोक विचारधारा' फैलाने वाली जगह बताते हैं। मिलेई ने सरकारी खर्च में भारी कटौती की अपनी योजना के तहत शिक्षा क्षेत्र की फंडिंग कम कर दी है। उनका कहना है कि पिछली वामपंथी सरकारों ने लापरवाही से खर्च किया, जिससे भ्रष्टाचार बढ़ा। मंगलवार के प्रदर्शन में हर उम्र और अलग-अलग राजनीतिक विचारधारा के लोग शामिल हुए। यह प्रदर्शन ऐसे समय हुआ है, जब आर्थिक गतिविधियों में गिरावट, कम होती तनख्वाह और बढ़ती बेरोजगारी के कारण मिलेई की लोकप्रियता घट रही है। हाल के दिनों में भ्रष्टाचार के कई मामलों ने भी सरकार को घेरा है।

आईडीएमसी रिपोर्ट में खुलासा: युद्ध और हिंसा ने दुनिया में मचाई तबाही, अपने ही देश में बेघर हुए 8.2 करोड़ लोग

जिनेवा, एजेंसी। दुनियाभर में संघर्ष, गृहयुद्ध, सांप्रदायिक हिंसा और जलवायु आपदाओं ने करोड़ों लोगों को अपने ही देश में बेघर कर दिया है। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर (आईडीएमसी) व नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल (एनआरसी) की ताजा ग्लोबल रिपोर्ट ऑन इंटरनल डिस्प्लेसमेंट 2026 के अनुसार 2025 के अंत तक 104 देशों में 8 करोड़ 22 लाख लोग आंतरिक रूप से विस्थापित जीवन जी रहे थे। यह संख्या जर्मनी की आबादी के बराबर है। रिपोर्ट के अनुसार पिछले दस वर्षों में यह आंकड़ा दोगुने से अधिक हो गया है और पहली बार युद्ध तथा हिंसा ने प्राकृतिक आपदाओं से ज्यादा लोगों को विस्थापित किया। रिपोर्ट के मुताबिक 8 करोड़ 22 लाख विस्थापितों में 6 करोड़ 86 लाख लोग संघर्ष और हिंसा के कारण बेघर हुए।

रिपोर्ट के अनुसार जून 2025 में इस्राइल और ईरान के बीच हुए 12 दिन के संघर्ष ने आधुनिक समय की सबसे बड़ी एकल आंतरिक विस्थापन घटना पैदा की। इस्राइली सैन्य कार्रवाई और निकासी चेतावनियों के बाद तेहरान से करीब एक करोड़ लोगों को भागना पड़ा। इनमें 60 लाख लोग मजंदरान व 40 लाख गीलान प्रांत पहुंचे।

आईडीएमसी के अनुसार इतने कम वक्त में एक देश में इतनी बड़ी आबादी के विस्थापन का यह अब तक का सबसे बड़ा मामला है। फलस्तीन में 2025 के दौरान 27 लाख 56 हजार बार विस्थापन दर्ज किया गया। वर्ष के अंत तक करीब 20 लाख लोग अब भी विस्थापित थे। गाजा में जनवरी के युद्धविराम के बाद लाखों लोग लौटे, लेकिन बुनियादी ढांचा तबाह होने के कारण हालात सामान्य नहीं हो सके। मार्च में फिर संघर्ष शुरू हो गया और अगस्त में अकाल जैसी स्थिति पैदा हो गई। पश्चिमी तट में भी 1967 के बाद सबसे बड़े पैमाने पर विस्थापन दर्ज हुआ। 36 लाख लोग बाढ़, भूकंप, तूफान और अन्य आपदाओं की वजह से विस्थापित हुए। आईडीएमसी की निदेशक ट्रेसी लुकास ने कहा कि संख्या में मामूली गिरावट के बावजूद स्थिति अब भी रिकॉर्ड स्तर के बेहद करीब है और इसे वास्तविक सुधार नहीं माना जा सकता। इंटरनल डिस्प्लेसमेंट मॉनिटरिंग सेंटर की 2026 की वैश्विक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया भर में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की संख्या बढ़कर 8.22 करोड़ हो गई है, जो जर्मनी की कुल आबादी के बराबर है। पिछले एक दशक में यह आंकड़ा दोगुना हो चुका है। रिपोर्ट में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि पहली बार युद्ध और हिंसा, प्राकृतिक आपदाओं से बड़ा विस्थापन का कारण बने हैं। जून 2025 में इजरायल-ईरान संघर्ष के दौरान तेहरान से एक करोड़ लोगों का पलायन आधुनिक इतिहास की सबसे बड़ी विस्थापन घटना रही। इसके अलावा सूडान और फलस्तीन में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं।

मीडिया पर भड़के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, ईरान को झूठी उम्मीद देने और मदद करने का आरोप लगाया

वाशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (स्थानीय समय) को मीडिया पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ खबरों में ऐसा दिखाया जा रहा है कि ईरान युद्ध में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। ट्रंप ने फिर दावा किया कि ईरानी सेना पूरी तरह तबाह हो चुकी है। ईरान के नेता खत्म हो चुके हैं और देश आर्थिक संकट में है।

ट्रंप ने यह बयान ट्रुथ सोशल के जरिये दिया। उन्होंने मीडिया पर ईरान को 'झूठी उम्मीद' देने और उसकी 'मदद करने' का आरोप लगाया। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, जब फेक न्यूज में कहा जाता है कि ईरान सैन्य रूप से हमारे खिलाफ अच्छा कर रहा है, तो यह लगभग देशद्रोह जैसा है, क्योंकि यह पूरी तरह झूठ और बेतुकी बात है। वे दुश्मन की मदद कर रहे हैं। इससे ईरान को सिर्फ झूठी उम्मीद मिलती है। जबकि ऐसी कोई उम्मीद होनी ही नहीं चाहिए। ये अमेरिकी कायर हैं, जो अपने ही देश के खिलाफ खड़े हैं। उन्होंने दावा किया, ईरान की नौसेना के पास 159 जहाज थे और अब सभी समुद्र में डूब चुके हैं। उन्होंने कहा, ईरान के पास अब नौसेना नहीं है। उसकी वायुसेना खत्म हो चुकी है। उसकी तकनीक खत्म हो चुकी है। उसके नेता अब नहीं रहे और देश आर्थिक तबाही का सामना कर रहा है। सिर्फ हारने वाले,

एहसान न मानने वाले और मूर्ख लोग ही अमेरिका के खिलाफ बोल सकते हैं। यह पोस्ट ऐसे समय आई है, जब ट्रंप चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से अहम मुलाकात होने जा रही है।

इससे पहले चीन रवाना होने से पहले ट्रंप ने मीडिया से बात की। इस दौरान उन्होंने फिर दावा किया कि ईरानी सेना पूरी तरह कमजोर हो चुकी है और अमेरिका यह युद्ध 'शांति से या किसी भी तरीके से' जीत जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या वह राष्ट्रपति शी जिनपिंग से ईरान के मामले में मदद की उम्मीद कर रहे हैं, तो ट्रंप ने कहा, नहीं, मुझे नहीं लगता कि हमें ईरान के मामले में किसी मदद की जरूरत है। हम किसी भी तरह जीतेंगे। हम इसे शांति से या किसी और तरीके से जीतेंगे। उनकी नौसेना खत्म हो चुकी है। उनकी वायुसेना खत्म हो चुकी है। उनकी युद्ध की पूरी ताकत खत्म हो चुकी है।

ईरान को लेकर एक और सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा, ईरान सैन्य रूप से हार चुका है। उन्होंने कहा, या तो वे सही फैसला करेंगे या हम बाकी काम पूरा कर देंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने ईरान की नाकेबंदी को '100 फीसदी प्रभावी' भी बताया।

ईरान ने अमेरिका की आलोचना की: वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने मंगलवार को अमेरिका की आलोचना की। उन्होंने कहा कि वॉशिंगटन के कदमों पर भरोसे की कमी शांति कायम होने में सबसे बड़ी बाधा है। ईरानी सरकारी प्रसारक प्रेस टीवी के मुताबिक, अराघची ने यह बात तेहरान में नॉर्वे के उप-विदेश मंत्री के साथ बैठक के दौरान कही।

ट्रंप से टकराव के कारण छिनी मार्टी मकरी की कुर्सी

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक संस्था एफडीए के कमिश्नर डॉक्टर मार्टी मकरी ने पद से इस्तीफा दे दिया है। पिछले काफी समय से प्रशासन के भीतर और बाहर से उन पर दबाव बनाया जा रहा था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर इसकी पुष्टि की। ट्रंप ने मकरी के कार्यों की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक कठोर परिश्रमी डॉक्टर बताया। हालांकि, कई मीडिया रिपोर्ट्स का दावा है कि ट्रंप उन्हें बर्खास्त करने की योजना को पहले ही मंजूरी दे चुके थे। अब उनकी जगह काइल डायमांटास कार्यकारी प्रमुख की जिम्मेदारी संभालेंगे। डॉक्टर मकरी के इस्तीफे के पीछे सबसे बड़ी वजह ई-सिगरेट नीति को माना जा रहा है। पिछले सप्ताह एफडीए ने पहली बार फ्रूट-फ्लेवर्ड ई-सिगरेट को बाजार में उतारने की मंजूरी दी थी। मकरी इस फैसले के सख्त खिलाफ थे। उनका मानना था कि फलों के स्वाद वाले वेप्स बच्चों और युवाओं को नशे की लत में धकेल देंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, इसी वैचारिक मतभेद के कारण उन्होंने पद छोड़ने का फैसला किया। प्रशासन के अन्य अधिकारी इस मंजूरी के पक्ष में थे, जिससे टकराव की स्थिति पैदा हो गई थी। मकरी का एक साल का कार्यकाल विवादों से घिरा रहा। उनके नेतृत्व में एफडीए के भीतर भारी अस्थिरता देखी गई। एजेंसी के लगभग सभी वरिष्ठ करियर अधिकारियों ने या तो इस्तीफा दिया या उन्हें हटा दिया गया। हेल्थ सेक्रेटरी रॉबर्ट एफ केनेडी जूनियर के हस्तक्षेप और राजनीतिक हितों के कारण वैज्ञानिक सिद्धांतों से समझौते के आरोप लगे। ड्रग सेंटर में एक साल के भीतर छह अलग-अलग निदेशक बदले गए। इससे कर्मचारियों का मनोबल गिर गया और एजेंसी की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे। डॉक्टर मकरी को चौतरफा विरोध का सामना करना पड़ा। फार्मा कंपनियों के सीईओ उनकी नीतियों से असंतुष्ट थे।

पश्चिम एशिया संकट: ईरान ने अमेरिका को दी परमाणु हथियारों की धमकी

दुबई/वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की तरफ से शांति प्रस्ताव पर ईरानी के जवाब को खारिज किए जाने के बाद पश्चिम एशिया में फिर से युद्ध की आहट सुनाई देने लगी है। ईरान ने जहां दोबारा हमला करने पर हथियार बनाने के स्तर पर यूरेनियम के संवर्धन की चेतावनी दी है, वहीं बताया जाता है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के खिलाफ फिर से व्यापक सैन्य कार्रवाई शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं।

ईरान के संसदीय प्रवक्ता इब्राहिम रेजाई ने मंगलवार को अमेरिका को खुले तौर पर परमाणु हथियारों की धमकी दी। उन्होंने कहा कि अगर उनके देश पर दोबारा हमला होता है तो तेहरान 90 प्रतिशत शुद्धता तक यूरेनियम का संवर्धन कर सकता है। इसे हथियार बनाने लायक माना जाता है। संसदीय राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति आयोग के प्रवक्ता रेजाई ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, एक और हमले की स्थिति में ईरान के पास उपलब्ध विकल्पों में 90 प्रतिशत यूरेनियम संवर्धन हो सकता है। हम संसद में इसकी समीक्षा करेंगे।

उधर, अमेरिकी सूत्रों ने सीएनएन को बताया कि ईरान के साथ समझौता नहीं हो पाने से ट्रंप प्रशासन में निराशा बढ़ने लगी है। अमेरिकी राष्ट्रपति इस्लामिक गणराज्य के खिलाफ वाशिंगटन की सैन्य कार्रवाई को फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। बाधित वार्ता और परमाणु मुद्दे को सुलझाने के लिए तेहरान का रवैया ट्रंप प्रशासन की नाराजगी का प्रमुख कारण है। ट्रंप ईरान द्वारा रणनीतिक होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण और इस्लामिक गणराज्य के नेतृत्व में व्याप्त विभाजन की आशंका से भी अधीर हो रहे हैं। ईरान की प्रतिक्रिया ने कई अमेरिकी अधिकारियों को यह सवाल उठाने के लिए बाध्य किया है कि क्या तेहरान गंभीरता से बातचीत में शामिल होने के लिए तैयार है। आगे की कार्रवाई को लेकर ट्रंप प्रशासन के भीतर भी मतभेद उभर आए हैं। सीएनएन के अनुसार, पेंटागन सहित कुछ अधिकारी ईरान पर दबाव बनाने के लिए लक्षित सैन्य हमलों

के माध्यम से अधिक आक्रामक दृष्टिकोण अपनाने की वकालत कर रहे हैं, जबकि प्रशासन के अन्य अधिकारी राजनयिक प्रयासों को और समय देने पर जोर दे रहे हैं। ईरान के पास लगभग 400 किलोग्राम यूरेनियम है जिसे 60 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा चुका है। इसे 90 प्रतिशत तक संवर्धित किया जा सकता है। यानी, इस यूरेनियम को परमाणु हथियार बनाने के स्तर तक शुद्ध किया जा सकता है।

ब्रिटेन ने ईरानी संगठनों व व्यक्तियों पर लगाए नए प्रतिबंध

ब्रिटेन ने अपनी धरती पर शत्रुतापूर्ण गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप में ईरानी संगठनों और व्यक्तियों को प्रतिबंधित किया है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल एवं विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने कहा कि सोमवार को घोषित ये नए उपाय वैश्विक सुरक्षा के खिलाफ ईरानी कार्रवाई और विदेशों में धमकियां देने के लिए आपराधिक गिरोहों के इस्तेमाल के जवाब में उठाए गए हैं। जिन संस्थाओं को प्रतिबंध के दायरे में लाया गया उनमें बेरेलियन एक्सचेंज, जीसीएम एक्सचेंज और जिंदाश्ती नेटवर्क शामिल हैं। प्रतिबंध सूची में शामिल व्यक्तियों में मंसूर जारिंगहलम, नासिर जारिंगहलम, एक्रेम अब्दुलकेरीम ओज्टुनक, निहात अब्दुल कादिर असान, रजा हामिदिरावरी और नामिक सालिफोव शामिल हैं। इस्राइल में अमेरिका के राजदूत माइक हकाबी ने मंगलवार को कहा कि ईरान युद्ध के दौरान देश की रक्षा के लिए इस्राइल ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को आयरन डोम मिसाइलरोधी बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे थे। तेल अवीव सम्मेलन में हकाबी ने कहा, मैं अब्राहम समझौते के पहले सदस्य यूएई की सराहना करना चाहूंगा। इसके लाभों को देखिए। इस्राइल ने उनकी मदद के लिए आयरन डोम बैटरियां और उन्हें संचालित करने के लिए कर्मी भेजे हैं। यूएई ने वर्ष 2020 में कूटनीतिक रूप से इस्राइल को मान्यता दी थी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध पर अब तक करीब 29 अरब डॉलर खर्च हो चुके हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

रियल बेटिस 20 साल बाद चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई

स्पेनिश लीग ला लीगा में एल्चे को 2-1 से हराया, पेत्रोत को रेड कार्ड

मैड्रिड (एजेंसी)। स्पेनिश क्लब रियल बेटिस ने 20 साल बाद फुटबॉल की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता यूएफा चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई कर इतिहास रच दिया है। मंगलवार को स्पेनिश लीग ला लीगा में बेटिस ने एल्चे को 2-1 से हराकर 5वां स्थान और चैंपियंस लीग का अंतिम स्पॉट पक्का कर लिया। एल्चे रेलीगेशन के करीब है।

रियल बेटिस ने आखिरी बार 2005-06 सीजन में चैंपियंस लीग खेली थी। मैनुअल पेलेग्रिनी की टीम ने जीत के साथ छठे स्थान पर मौजूद सेल्टा विगो पर 7 अंकों की बढ़त बना ली है। लीग में अब केवल दो दौर के मैच बाकी हैं। बेटिस के प्रशंसकों के लिए यह इमोशनल पल है, क्योंकि 2 दशक बाद उनकी टीम यूरोप के सबसे बड़े मंच पर खेलेगी।

पेत्रोत को रेड कार्ड, एल्चे को 10 प्लेयर्स से खेलना पड़ा - बेटिस के लिए कुचो हर्नांडेज ने 9वें मिनट में गोल कर बढ़त दिलाई थी। हाफ-टाइम से पहले एल्चे के हेक्टर फोर्ट ने स्कोर बराबर कर दिया। 49वें मिनट में एल्चे के लियो पेत्रोत को रेड कार्ड मिला। इसके बाद 10 खिलाड़ियों के साथ खेल रही एल्चे के खिलाफ पाब्लो फोर्नाल्स ने 68वें मिनट में विनिंग गोल दागकर बेटिस की जीत और चैंपियंस लीग का टिकट तय कर दिया।

ला लीगा की ताजा स्थिति

रियल बेटिस- 5वें स्थान पर रहकर चैंपियंस लीग के लिए क्वालिफाई किया।
सेल्टा विगो- लेवांते से 3-2 की हार के बाद छठे स्थान पर खिसकी।
लेवांते- विगो पर जीत के साथ ही अंक तालिका में 16वें स्थान पर पहुँच गई है।
एल्चे - हार के बाद टीम रेलीगेशन जोन के करीब है।

बार्सिलोना ने मैड्रिड को हराकर जीता टाइटल

ला लिगा के मौजूदा सीजन का खिताब बार्सिलोना ने जीता। उसने पॉइंट टेबल में 14 अंकों के भारी अंतर के साथ ला लिगा का खिताब अपने नाम किया। बार्सिलोना ने रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया। 97 साल बाद 'एल क्लासिको' से लीग का विजेता तय हुआ।

एटलेटिको मैड्रिड की भी जीत - एक अन्य मुकाबले में चौथे स्थान पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड ने ओसासुना को 2-1 से हराया। एटलेटिको के लिए एडेमोला लुकमैन और अलेक्जेंडर सोरलॉथ ने गोल किए। 79वें मिनट में मार्कोस लोरेंटे को रेड कार्ड मिलने के बाद टीम को अंत में 10 खिलाड़ियों के साथ संघर्ष करना पड़ा।

मुझे नहीं पता कि वह कितने समय तक टिक पाएगा

• सूर्यवंशी को टेस्ट और वनडे खेलते देखना चाहते हैं डिविलियर्स

लंदन (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स ने कहा कि वनडे और टेस्ट क्रिकेट खेलने से 15 साल के राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के होनहार खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी को मानसिक और शारीरिक रूप से अपने क्रिकेट के एक बिल्कुल अलग पहलू को जानने में मदद मिलेगी, लेकिन इस युवा खिलाड़ी के लिए यह रास्ता मुश्किलों भरा होगा।

सूर्यवंशी ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सीजन में अपनी बेखौफ बैटिंग से सभी को हैरान कर दिया है। उन्होंने 11 पारियों में 40.00 की औसत और 236.55 के स्ट्राइक रेट से 440 रन बनाए हैं, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल हैं। जसप्रीत बुमराह, जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार जैसे विश्व स्तरीय तेज गेंदबाजों के खिलाफ उनके निडर खेल ने इस बात पर चर्चा शुरू कर दी है कि उन्हें तेजी से भारतीय टी-20 टीम में शामिल किया जा सकता है। हालांकि अब तक उनका फर्स्ट-क्लास करियर बहुत मजबूत नहीं रहा है। उन्होंने आठ मैचों और 12 पारियों में सिर्फ 207 रन बनाए हैं, जिनका औसत 17.25 रहा है और उनके नाम एक अर्धशतक दर्ज है।

इंग्लैंड के महान तेज गेंदबाज स्टुअर्ट ब्रॉड द्वारा होस्ट किए जाने वाले पॉडकास्ट फार द लव आफ क्रिकेट में बात करते हुए डिविलियर्स ने कहा कि इस उम्र में सूर्यवंशी की प्रतिभा अविश्वसनीय है, लेकिन इस बल्लेबाज को अभी यह नहीं पता कि टेस्ट क्रिकेट में उनके लिए क्या चुनौतियां इंतजार कर रही हैं। उनके खेल में बदलाव आ सकते हैं, जब तक कि कोई उन्हें टी-20 विशेषज्ञ के तौर पर खेलने की सलाह न दे, जिसके बारे में एबी का मानना ??है कि इससे इस युवा खिलाड़ी का करियर लंबा और सफल होगा।

उन्होंने कहा, सच कहूं तो, मुझे नहीं पता कि वह कितने समय तक टिक पाएगा। इस उम्र में उसकी प्रतिभा अविश्वसनीय है। लेकिन मैं उसे दूसरे फॉर्मेट में भी खेलते देखना चाहूंगा। टेस्ट क्रिकेट में उसे अभी यह नहीं पता कि उसे किन चीज़ों का सामना करना पड़ेगा। बहुत सी चीजें बदल जाएंगी, जब तक कि कोई बहुत अच्छा मैनेजर उसे यह सलाह न दे कि वह अपनी बाकी की जिंदगी एक टी20 विशेषज्ञ के तौर पर ही खेले। अगर वह सिर्फ यही (टी) खेलता है, तो उसका करियर बहुत लंबा और सफल होगा।

डिविलियर्स चाहते हैं कि वह टेस्ट क्रिकेट और वनडे भी खेले, ताकि वह अपने खेल के बारे में और ज्यादा जान सके - खासकर टेस्ट क्रिकेट के बारे में। उन्होंने कहा, अगर वह वनडे और खासकर टेस्ट क्रिकेट में हाथ आजमाना शुरू करता है, तो उसे अपने क्रिकेट का एक बिल्कुल अलग पहलू - मानसिक और शारीरिक दोनों तरह से - पता चलेगा। उसमें निश्चित रूप से वह प्रतिभा है जिससे वह अपने रास्ते में आने वाली सभी बाधाओं को पार कर सकता है। लेकिन यह सफर आसान नहीं होगा, बल्कि कांटों भरा होगा। मुझे उम्मीद है कि वह इस रास्ते पर चलेगा और अपने देश के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलने की कोशिश करेगा।

सूर्यवंशी ने इस साल 19 वर्ल्ड कप में 7 मैचों में 439 रन बनाकर दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। उनका औसत 62.71 और स्ट्राइक रेट 169.49 रहा, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल थे, और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 175 था। उन्होंने इस टूर्नामेंट में रिकॉर्ड तोड़ते हुए 30 छक्के जड़े जो 2022 के संस्करण में दक्षिण अफ्रीका के डेवाल्ड ब्रेविस के 18 छक्कों के रिकॉर्ड से कहीं ज्यादा थे। असल में 19 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज़्यादा छक्के जड़ने का रिकॉर्ड अब उन्हीं के नाम है। वह 19 वनडे में भारत के लिए सबसे ज़्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी भी हैं। उन्होंने 25 पारियों में 56.48 के औसत और 165 से ज़्यादा के स्ट्राइक रेट से 1,412 रन बनाए हैं, जिसमें चार शतक, सात अर्धशतक और 175 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर शामिल है।

सीएसके सीईओ ने कहा-आईपीएल 2026 में पहली बार खेलते नजर आएंगे एमएस धोनी

चेन्नई (एजेंसी)। एमएस धोनी के फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। आईपीएल 2026 में अब तक एक भी मुकाबला नहीं खेलने वाले धोनी की वापसी की उम्मीदें एक बार फिर बढ़ गई हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के सीईओ कासी विश्वनाथन ने पुष्टि की है कि लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 15 मई को होने वाले मुकाबले के लिए धोनी की फ्लाइट बुक कर दी गई है। हालांकि उनकी फिटनेस और प्लेइंग इलेवन में जगह को लेकर अभी भी सस्पेंस बना हुआ है।

सीएसके के 11 में से एक भी मैच में हिस्सा नहीं- धोनी इस सीजन घुटने और फिर पिंडली की चोट से जूझते रहे हैं। उन्होंने सीएसके के 11 में से एक भी मैच में हिस्सा नहीं लिया, लेकिन वह लगातार टीम के साथ जुड़े रहे। कई बार उन्हें नेट्स में अभ्यास करते और टीम के साथ यात्रा करते देखा गया, जिससे फैंस को उनकी वापसी की उम्मीद जगी, लेकिन हर बार वह अंतिम एकादश से बाहर रहे।

मुंबई मैच से पहले भी बढ़ी थीं उम्मीदें

मुंबई इंडियंस के खिलाफ वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए मुकाबले से पहले भी धोनी के खेलने की चर्चा तेज हो गई थी। उन्होंने विकेटकीपिंग ड्रिल की थी और करीब एक घंटे तक बल्लेबाजी अभ्यास भी किया था। हालांकि मैच के दिन उनका नाम प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं था। रिपोर्ट्स के मुताबिक धोनी नहीं चाहते थे कि पूरा फोकस सिर्फ उन्हीं पर रहे, इसलिए वह डगआउट में भी नजर नहीं आए थे।

थाईलैंड ओपन 2026: श्रीकांत और सिंधू शानदार जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ियों किदाम्बी श्रीकांत और पीवी सिंधू ने थाईलैंड ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरे दौर में जगह बना ली। दोनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने मुकाबले सीधे गेम में जीतकर भारतीय फैंस को खुश होने का मौका दिया। पूर्व विश्व नंबर-1 किदाम्बी श्रीकांत ने सिंगापुर के आठवीं वरीयता प्राप्त लो कीन यू को 21-14, 21-15 से हराया। श्रीकांत ने पूरे मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाया और विरोधी खिलाड़ी को वापसी का मौका नहीं दिया। अब अगले दौर में उनका सामना चीनी ताइपे के सू लि यांग से होगा।

सिंधू ने भी दिखाई दमदार फॉर्म- दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने चीनी ताइपे की तुंग सियू तोंग को सीधे गेम में हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। सिंधू ने मैच में बेहतरीन स्मैश और तेज रिटर्न का प्रदर्शन किया। अब उनका अगला मुकाबला डेनमार्क की अमेली शूल्ज से होगा।

आयुष शेट्टी और तरुण मन्नेपल्ली बाहर - हाल ही में एशिया चैंपियनशिप के फाइनल तक पहुंचने वाले आयुष शेट्टी को जापान के छठी वरीयता प्राप्त कोडाइ नराओका के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। आयुष ने एक गेम जीतकर वापसी की कोशिश की, लेकिन अंत में 13-21, 21-17, 4-21 से मुकाबला गंवा बैठे। वहीं तरुण मन्नेपल्ली भी जापान के कोकी वातानाबे से 12-21, 16-21 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

महिला खिलाड़ियों को भी मिली हार - भारत की युवा खिलाड़ी उन्नति हुड्डा और अनमोल खरब का सफर भी पहले दौर में समाप्त हो गया। उन्नति को थाईलैंड की चौथी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचुवोंग ने 11-21, 21-17, 21-16 से हराया। वहीं अनमोल खरब को टोक्यो ओलंपिक चैंपियन चीन की चेन यू फेई के खिलाफ कड़ी टक्कर के बावजूद 19-21, 21-13, 21-18 से हार झेलनी पड़ी।

भारत की उम्मीदें कायम - श्रीकांत और सिंधू की जीत से भारतीय बैडमिंटन फैंस की उम्मीदें अभी भी बरकरार हैं।

महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए ऑस्ट्रेलिया टीम का ऐलान, स्टार तेज गेंदबाज बाहर

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया- इंग्लैंड में होने वाले महिला टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए ऑस्ट्रेलिया ने अपनी मजबूत टीम का ऐलान कर दिया है। छह बार की चैंपियन टीम इस बार भी खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही है। कप्तान सोफी चोट से उबर चुकी हैं और टीम की अगुवाई करेंगी। वहीं हाल ही में टी20 इंटरनेशनल डेब्यू करने वाली 20 वर्षीय तेज गेंदबाज लकी हैमिल्टन को पहली बार वर्ल्ड कप स्क्वॉड में जगह मिली है।

फीफा वर्ल्ड कप

रोनाल्डो के पास वर्ल्ड कप जीतने का आखिरी मौका, 41 की उम्र में बड़ा मिशन

ब्राजील (एजेंसी)। रोनाल्डो पिछले दो दशकों से फुटबॉल की दुनिया पर राज कर रहे हैं, लेकिन अब तक वह विश्व कप ट्रॉफी जीतने का सपना पूरा नहीं कर सके हैं। 41 साल की उम्र में अब उनके पास फीफा वर्ल्ड कप 2026 के रूप में विश्व चैंपियन बनने का आखिरी मौका होगा। पांच बार बैलन डी'ओर जीत चुके रोनाल्डो ने अपने करियर में लगभग हर बड़ी ट्रॉफी जीती है, लेकिन विश्व कप खिताब अब भी उनकी उपलब्धियों की सूची से गायब है।

पुर्तगाल के लिए बनाए रिकॉर्ड गोल - रोनाल्डो ने पोट्रगल नेशनल फुटबाल टीम के लिए 226 मैचों में 143 गोल किए हैं, जो अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में विश्व रिकॉर्ड है। हालांकि इस साल की शुरुआत में सऊदी प्रो लीग में एआई नासर एफसी की ओर से खेलते हुए उनकी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव आ गया था। इसी वजह से वह अप्रैल में अमेरिका के खिलाफ खेले गए मैत्री मैच में हिस्सा नहीं ले सके थे। लेकिन अगर वह पूरी तरह फिट रहते हैं तो उनका विश्व कप टीम में चुना जाना लगभग तय माना जा रहा है।

मेसी के साथ रच सकते हैं बड़ा इतिहास - अगर रोनाल्डो वर्ल्ड कप 2026 में खेलते हैं तो वह लयोन मेस्सी के साथ छह विश्व कप खेलने वाले पहले पुरुष फुटबॉलर बन जाएंगे। रोनाल्डो पहले ही साफ कर चुके हैं कि यह उनके करियर का आखिरी विश्व कप होगा। उन्होंने नवंबर में सीएनएन से बातचीत में कहा था, यह निश्चित रूप से मेरा आखिरी विश्व कप होगा।

आसान ग्रुप में पुर्तगाल - पुर्तगाल को ग्रुप के में रखा गया है, जहां उसका सामना कोलंबो नेशनल फुटबाल टीम उज्बेकिस्तान और कांगो से होगा। ग्रुप को देखते हुए पुर्तगाल के अगले दौर में पहुंचने की संभावना काफी मजबूत मानी जा रही है। हालांकि पिछले साल नवंबर में आयरलैंड से 2-0 की हार ने टीम को बड़ा झटका दिया था। उस मैच में रोनाल्डो को विरोधी खिलाड़ी को कोहनी मारने के कारण रेड कार्ड मिला था और उन्हें दो मैचों का प्रतिबंध झेलना पड़ा था। इसके बाद पुर्तगाल ने शानदार वापसी करते हुए आर्मेनिया को 9-1 से हराकर विश्व कप के लिए क्वालिफाई किया।

एफआईएच नेशनल कप की तैयारी में जुटी भारतीय महिला हॉकी टीम, ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलेगी 4 मैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाकी इंडिया ने मंगलवार को ऐलान किया कि भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी विमेंस नेशंस कप 2025-26 की तैयारियों के तहत ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जाएगी। यह टूर्नामेंट 15 से 21 जून तक न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में खेला जाएगा। भारतीय टीम 21 मई से 3 जून तक ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में ट्रेनिंग और अभ्यास मैच खेलेगी, जिससे खिलाड़ियों को बड़े टूर्नामेंट से पहले परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने में मदद मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली जाएंगी 4 मैचों की सीरीज - भारत इस दौरे के दौरान आस्ट्रेलिया बुमेन नेशनल फील्ड हाकी टीम के खिलाफ चार मैच खेलेगा। ये मुकाबले पर्थ हॉकी स्टेडियम में 26, 27, 29 और 30 मई को आयोजित होंगे। इन मुकाबलों के जरिए भारतीय टीम अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देगी और टीम संयोजन को मजबूत करने की कोशिश करेगी।

सीएसके ने 24 वर्षीय ऑलराउंडर मैकनील हैडली नरोन्हा को टीम में किया शामिल

चेन्नई (एजेंसी)। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने आईपीएल 2026 के बाकी मुकाबलों के लिए कर्नाटक के 24 वर्षीय ऑलराउंडर मैकनील हैडली नरोन्हा को टीम में शामिल किया है। वह चोटिल तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर रामकृष्ण घोष की जगह लेंगे, जो अपने आईपीएल डेब्यू मैच में पैर की चोट का शिकार हो गए थे। हालांकि, अभी इस साइनिंग पर बीसीसीआई की आधिकारिक मंजूरी मिलना बाकी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मंजूरी मिलने के बाद सीएसके इसकी औपचारिक घोषणा करेगी।

कौन हैं मैकनील हैडली नरोन्हा - मैकनील नरोन्हा घरेलू क्रिकेट में कर्नाटक के लिए खेलते हैं और अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। वह टॉप ऑर्डर और मिडिल ऑर्डर दोनों में बल्लेबाजी कर सकते हैं, जबकि ऑफ स्पिन गेंदबाजी भी करते हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कर्नाटक के लिए तीन मुकाबले खेले, जिसमें 161.11 के स्ट्राइक रेट से 58 रन बनाए।

महाराजा ट्रॉफी में दिखाया दम - नरोन्हा ने महाराजा ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन कर सबका ध्यान खींचा था। उन्होंने मंगलुरु ड्रैगन्स को खिताब जिताने में अहम भूमिका निभाई। 13 मैचों में उन्होंने 148.82 के स्ट्राइक रेट से 253 रन बनाए, जिसमें 19 छक्के शामिल थे। गेंदबाजी में भी उन्होंने 10 विकेट झटके और उनका इकॉनमी रेट 7.44 रहा।

रेड-बॉल क्रिकेट में भी कमाल - मैकनील सिर्फ टी20 ही नहीं, बल्कि लंबे फॉर्मेट में भी शानदार रिकॉर्ड रखते हैं। उन्होंने कर्नल सीके नायडू ट्रॉफी 2024-25 में दो तिहरे शतक लगाए। उन्होंने त्रिपुरा और उत्तराखंड के खिलाफ ट्रिपल सेंचुरी जड़ी थी। इस टूर्नामेंट में उन्होंने 14 पारियों में 1037 रन बनाए।

सीएसके की बढ़ती इंजरी समस्या - आईपीएल 2026 में सीएसके लगातार चोटों से परेशान रही है। रामकृष्ण घोष टीम के तीसरे खिलाड़ी हैं जिन्हें चोट के कारण बाहर होना पड़ा। इससे पहले नाथन एलिस की जगह स्पेंसर जॉनसन और आयुष म्हात्रे की जगह आकाश मधवाल को टीम में शामिल किया गया था। वहीं खलील अहमद भी टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं, जबकि एमएस धोनी अब तक एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं।

आज पंजाब किंग्स से मुंबई का होगा मुकाबला

धर्मशाला पहुंची मुंबई इंडियंस की टीम, प्रशंसकों से बिना मिले निकले रोहित शर्मा, तिलक वर्मा ने दिए ऑटाग्राफ,

धर्मशाला (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस (मुंबई) की टीम मंगलवार को धर्मशाला पहुंच गई। दुनिया के सबसे खूबसूरत क्रिकेट मैदान एचपीसीए स्टेडियम में आईपीएल 2026 के 58वें मुकाबले के लिए टीम चंडीगढ़ से एलायंस एयर के विशेष विमान से कांगड़ा पहुंची। इस सीजन में प्ले ऑफ की दौड़ से बाहर होने के बावजूद, पहाड़ों की वादियों में हिटमैन रोहित शर्मा के प्रति प्रशंसकों का उत्साह स्पष्ट रूप से देखा गया। एयरपोर्ट के बाहर सैकड़ों क्रिकेट प्रेमी अपने पसंदीदा सितारों की एक झलक पाने के लिए घंटों इंतजार करते रहे। जैसे ही रोहित शर्मा बाहर आए, पूरा परिसर मुंबई-मुंबई के नारों से गूंज उठा। सुरक्षा कारणों से रोहित सीधे अपनी लग्जरी बस में सवार होकर होटल रेडिसन ब्लू के लिए रवाना हो गए।

नीरज चोपड़ा की वापसी में देरी, सचिन यादव रोम में डायमंड लीग में करेंगे डेब्यू

रोम (एजेंसी)। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव 4 जून को प्रतिष्ठित एथलेटिक्स सीरीज़ के रोम चरण में डायमंड लीग में अपना डेब्यू करने के लिए तैयार हैं। खास बात यह है कि इस मीट की एंट्री लिस्ट में ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा का नाम शामिल नहीं है। नीरज चोपड़ा, जो इस समय तुर्की में ट्रेनिंग और रिहैबिलिटेशन (चोट से उबरने का इलाज) कर रहे हैं, उन्होंने अभी तक अपना 2026 एथलेटिक्स सीजन शुरू नहीं किया है। उन्हें आखिरी बार सितंबर में टोक्यो में हुई विश्व चैंपियनशिप में एक्शन में देखा गया था, जहां उन्होंने पीठ की चोट के बावजूद मुकाबला किया था और निराशाजनक रूप से आठवें स्थान पर रहे थे।

नीरज की गैरमौजूदगी में, रोम में सभी की नज़रें सचिन यादव पर होंगी, जिन्हें पुरुषों की भाला फेंक प्रतियोगिता के लिए आठ प्रतिस्पर्धियों में शामिल किया गया है। 26 वर्षीय सचिन पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में अपने शानदार प्रदर्शन के बाद पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय इवेंट में हिस्सा लेंगे। वह फाइनल में 86.27मी के अपने सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ चौथे स्थान पर रहे थे और पदक जीतने से बाल-बाल चूक गए थे। उन्होंने पिछले साल एशियाई चैंपियनशिप में भी रजत पदक जीता था।

रोम 2026 डायमंड लीग में सचिन का मुकाबला कई दिग्गज खिलाड़ियों से होगा, जिनमें ग्रेनाडा के पूर्व विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के जूलियन वेबर, रियो 2016 के चैंपियन जर्मनी के थॉमस रोहलर और टोक्यो 2020 के रजत पदक विजेता चेकिया के याकूब वाडलेज शामिल हैं। अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, पोलैंड के डेविड वेगनर और श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरगे - जो इस समय दुनिया के शीर्ष खिलाड़ी हैं - भी इस मुकाबले में शामिल होंगे।

सचिन यादव ने अप्रैल में नई दिल्ली में हुई इंडियन एथलेटिक्स सीरीज मीट के साथ घरेलू सर्किट पर अपना 2026 सीज़न पहले ही शुरू कर दिया है, जहां वह 81.95मी के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। हालांकि पुरुषों का भाला फेंक इवेंट भी 31 मई को मोरक्को में होने वाली रबात डायमंड लीग का हिस्सा होगा, लेकिन मोरक्को में होने वाली इस मीट के लिए एंट्री लिस्ट की घोषणा अभी तक नहीं की गई है।

दूसरी ओर, भारत की पारुल चौधरी, जिनके नाम महिलाओं की 3000मी, 5000मी और 3000मी स्टीपलचेज़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड हैं, 16 मई को शंघाई डायमंड लीग 2026 में स्टीपलचेज दौड़ में हिस्सा लेने के लिए तैयार हैं। यह भारतीय एथलीट अपनी तीसरी डायमंड लीग मीट में हिस्सा लेंगी। पारुल, जो मौजूदा एशियाई खेलों की 5000मी चैंपियन हैं, 2024 में यूजीन में 16वें स्थान पर रही थीं और पिछले साल दोहा में छठे स्थान पर आई थीं। शंघाई में उनका मुकाबला केन्या की मौजूदा विश्व चैंपियन फेथ चेरोटिछ, कज़ाकिस्तान की पूर्व विश्व चैंपियन नोराह जेरुतो और युगांडा की पूर्व ओलंपिक चैंपियन पेरुथ चेमुताई से होगा।